हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
www.ksnewsupdates.com धनबाद, शनिवार 18 अप्रैल, 2026, वर्ष : 35 अंक : 25, मूल्य : 3 रूपए
धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित
Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

गढ़वा में उग्र भीड़ का पुलिस पर हमला, कई घायल, 14 गिरफ्तार

गढ़वाः जिले के महुलिया मोड़ पर गुरुवार शाम पुलिस पर हुए पथराव मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में 80 लोगों को नामजद और 400 से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। अब तक 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार अब तक 14 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। घटनास्थल से 24 बाइक जब्त हुए, इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है। जानकारी के मुताबिक महुलिया गांव में ट्रैक्टर की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। जाम हटाने पहुंची पुलिस का ग्रामीणों ने विरोध किया, इसी दौरान अचानक भीड़ उग्र हो गई और पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। इस पथराव में 25 से अधिक पुलिस पदाधिकारी और जवान घायल हुए। सभी घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी का इलाज जारी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए अधिकारी अमन कुमार खुद मौके पर पहुंचे, स्थानीय लोगों से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रित किया गया। फिलहाल मामले की जांच जारी है। अन्य आरोपियों की पहचान कर लगातार गिरफ्तारी की जा रही है। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस सतर्क है। गढ़वा की यह घटना दिखाती है कि हादसे के बाद गुस्साई भीड़ कितनी जल्दी हिंसक रूप ले सकती है। हालांकि पुलिस की तत्परता से स्थिति अब नियंत्रण में है।

उपराष्ट्रपति ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की 99वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली (ईएमएस)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली के जननायक स्थल पर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की 99वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर आयोजित प्रार्थना सभा में भाग लिया और दिवंगत नेता की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। चंद्रशेखर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह एक दूरदर्शी नेता, निडर सांसद और लोकतांत्रिक मूल्यों के अडिग समर्थक थे। उन्होंने कहा कि श्री चंद्रशेखर सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा के प्रतीक थे और वे सामाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकता के आदर्शों के प्रति पूर्णरूप से प्रतिबद्ध रहे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्र उनके शताब्दी वर्ष की शुरुआत कर रहा है, ऐसे में यह उनके द्वारा संजोए गए सिद्धांतों- साहस, सादगी और राष्ट्र के कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता- को बनाए रखने के सामूहिक संकल्प को नवीनीकृत करने का एक अवसर है। उपराष्ट्रपति ने आशा व्यक्त की कि श्री चंद्रशेखर की विरासत आने वाली पीढ़ियों को सत्यनिष्ठा और दृढ़ विश्वास के साथ राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

झारखंड में होमगार्ड के लिए नया नियम सैलरी के लिए नई गाइडलाइन जारी

रांची : राज्य के होमगार्ड जवानों के लिए वित्त विभाग ने सैलरी (कर्तव्य भत्ता) निकासी को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। अब भत्ता मिलने से पहले सभी जवानों के बैंक खातों का सत्यापन अनिवार्य कर दिया गया है। वित्त विभाग के आदेश के अनुसार सभी होमगार्ड जवानों को निर्धारित फॉर्मेट में जानकारी भरनी होगी। फॉर्म को अपने-अपने जिला कार्यालय में जमा करना होगा। सभी दस्तावेजों को स्व-अभिप्रमाणित करना अनिवार्य है। अगर कोई जवान यह प्रक्रिया पूरी नहीं करता है, तो भत्ता का भुगतान रोक दिया जाएगा। फॉर्म में जवानों को ये विवरण भरने होंगे पेयी आईडी और नाम, सैन्य संख्या, बैंक खाते से जुड़ा मोबाइल नंबर, जन्म तिथि और नामांकन तिथि, आधार नंबर और पैन नंबर, बैंक खाता संख्या और आईएफएससी कोड। वित्त विभाग ने राज्य महानिदेशक सह महासमादेष्टा गृहरक्षा वाहिनी को पत्र जारी किया। निर्देश दिया कि सत्यापन की प्रक्रिया भत्ता निकासी से पहले पूरी की जाए। इसके बाद गृहरक्षा वाहिनी ने सभी जिलों और जवानों को नोटिस भेजा। इस फैसले पर झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन ने आपत्ति जताई है। प्रदेश अध्यक्ष रवि मुखर्जी ने कहा "ऐसा लग रहा है जैसे होमगार्ड जवानों के पास ही पूरा सरकारी खजाना है। विभाग को इस फैसले पर फिर से विचार करना चाहिए।" सरकार जहां इस कदम को पारदर्शिता और सही भुगतान सुनिश्चित करने के लिए जरूरी बता रही है, वहीं होमगार्ड संगठन इसे अनावश्यक प्रक्रिया मान रहा है। अब देखना होगा कि इस गाइडलाइन पर आगे क्या बदलाव होता है।

दुमका पुलिस की बड़ी सफलता, भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद

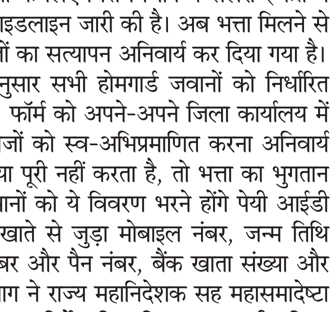

दुमका : रामगढ़ थाना पुलिस ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 180 पेटी अवैध शराब से भरा एक ट्रक जब्त किया। बरामद शराब की कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। बताया जा रहा है कि यह खेप बिहार में खपाने के लिए ले जाई जा रही थी। थाना प्रभारी मनीष कुमार के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि एक ट्रक में पटरी के नीचे छुपाकर शराब ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर गोविंदपुर गांव के पास वाहन जांच अभियान चलाया गया। पुलिस को देखते ही चालक ट्रक लेकर भागने लगा। पीछा करने पर मयूरनाथ के पास ट्रक छोड़कर चालक और सहयोगी फरार हो गए। 180 पेटी में 8640 पाउच शराब बरामद हुए हैं। तलाशी के दौरान ट्रक के अंदर ऊपर से खाली दिखाने के लिए पटरी लगाई गई थी। दुमका पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा हो सकता है। अब जांच के बाद ही पूरे गिरोह की सच्चाई सामने आएगी।

महिला आरक्षण विधेयक पारित नहीं करा पाई मोदी सरकार

298 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में और 230 ने विपक्ष में किया मतदान, चाहिए थे 352 वोट

नई दिल्ली : लोकसभा में महिला आरक्षण और परिसीमन संशोधन विधेयक पर लंबी और गहन चर्चा के बाद शुक्रवार (17 अप्रैल) मतदान प्रक्रिया संपन्न हुई। कुल 528 सांसदों ने वोट डाला, जिसमें 298 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में और 230 ने विपक्ष में मतदान किया। हालांकि, संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत यानी 352 वोट प्राप्त नहीं हो सके। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने घोषणा की कि यह विधेयक आवश्यक समर्थन नहीं जुटा सका, इसलिए आगे की विधायी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई जा सकती। इसके बाद संबंधित दो अन्य विधेयकों पर भी सरकार ने मतदान कराने का निर्णय नहीं लिया।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि यह महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने से जुड़ा ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण विधेयक था। इसी पर यह नतीजा आया है। विपक्ष ने इसमें साथ नहीं दिया। बहुत खेद की बात है। आपने एक ऐतिहासिक मौका गंवा दिया। महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने का हमारा अभियान जारी रहेगा और हम उन्हें अधिकार दिलाकर ही रहेंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले 12 वर्षों में यह पहली बार है जब मोदी सरकार द्वारा पेश किया गया कोई संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका।

लंबी बहस के बाद फैसला

इस विधेयक पर सदन में करीब 21 घंटे तक विस्तृत चर्चा चली, जिसमें कुल 130 सांसदों ने भाग लिया। इनमें 56 महिला सांसद भी शामिल रहीं, जिन्होंने अपने-अपने पक्ष रखे। चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर तीखा प्रहार किया और स्पष्ट किया कि जो लोग परिसीमन का विरोध कर रहे हैं, वे वास्तव में एससी-एसटी समुदाय की सीटें बढ़ाने का विरोध कर रहे हैं। इसके साथ ही, धर्म के आधार पर आरक्षण की संभावना को सिरे से खारिज करते हुए शाह ने दक्षिणी और छोटे राज्यों को परिसीमन के बाद भी उनके उचित प्रतिनिधित्व का पूर्ण आश्वासन दिया है। वोटिंग से ठीक पहले गृह मंत्री के इस कड़े रुख ने इस विधेयक के ऐतिहासिक महत्व और राजनीतिक सरगर्मी को और बढ़ा दिया है। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक गिरने के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह केवल महिला आरक्षण का मुद्दा नहीं था, बल्कि चुनावी व्यवस्था में बदलाव की कोशिश थी। उनके मुताबिक, यह संविधान की मूल भावना पर हमला था, जिसे विपक्ष ने मिलकर रोक दिया।

बिल में क्या था प्रस्ताव?

संविधान संशोधन विधेयक के तहत 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन के बाद लोकसभा सीटों को 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 तक करने का प्रस्ताव था।

साथ ही 2029 के आम चुनावों से पहले महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की योजना शामिल थी। इसके अलावा, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में भी महिलाओं के लिए सीटें बढ़ाने का प्रावधान रखा गया था, ताकि आरक्षण को प्रभावी तरीके से लागू किया जा सके।

केरेडारी में पुलिस-नक्सली में मुठभेड़, 15 लाख के इनामी सहित चार माओवादी ढेर

रांची। हजारीबाग जिला के केरेडारी थाना क्षेत्र के बुंडू पंचायत के नगडुआ स्थित खपिया जंगल में शुक्रवार को कोती झरना के समीप अभियान के दौरान माओवादियों से मुठभेड़ में चार माओवादी ढेर हो गए। इस अभियान का नाम दिया गया था ऑपरेशन कोतीनीर। मारे गए माओवादियों के शव की पहचान हो गई है। रांची में प्रेस कांफ्रेंस कर इसकी जानकारी दी गई। इनकी पहचान 15 लाख के इनामी माओवादियों के रीजनल कमांडर सहदेव महतो, दस लाख के इनामी जोनल कमांडर रंजीत गंझू, सब जोनल कमेटी सदस्य नताशा व एक लाख का इनामी बुधन करमाली के रूप में हुई है। सर्च अभियान में दो एके-47, एक कोल्ट एआर 15 राइफल व एक इंसास की बरामदगी हुई है। पुलिस मुख्यालय में सीआरपीएफ के आइजी साकेत कुमार सिंह, आइजी अभियान डा. माइकल राज एस. आईजी झारखंड जगुआर अनूप बिरथरे व सीआरपीएफ के अधिकारी दीपक भाटी तथा आनंद ने संवाददाता सम्मेलन में इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि आपरेशन कोतीनीर के दौरान चार माओवादियों के मारे जाने के साथ ही पारसनाथ, लुगूझुमरा हजारीबाग, चतरा के सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय माओवादियों के दस्ते का पूरी तरह से सफाया हो चुका है। अधिकारियों ने अपील की है कि शेष बचे हुए माओवादी आत्मसमर्पण कर झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं।

जैक कक्षा 9वीं बोर्ड का परीक्षाफल किया घोषित

जिलावार प्रदर्शन में बोकारो ने मारी बाजी

रांचीः झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) के अध्यक्ष डॉ. नटवा हंसदा ने शुक्रवार को कक्षा नौवीं बोर्ड का परीक्षाफल घोषित किया. मार्च के प्रथम सप्ताह में ओएमआर शीट पर ली गई इस परीक्षा में राज्य भर के 4,10,258 परीक्षार्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 4,06,883 सफल घोषित किए गए. इस मौके पर जैक सचिव जयंत मिश्रा समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे. जैक द्वारा जारी रिजल्ट को देखें तो, इस वर्ष भी छात्राओं का प्रदर्शन छात्रों की तुलना में बेहतर रहा है. जहां छात्राओं का पास प्रतिशत 99.22% रहा, वहीं, छात्रों का सफलता प्रतिशत 99.12% दर्ज किया गया. पिछले वर्ष (2025) की तुलना में इस बार का कुल रिजल्ट (99.17%) अधिक रहा है. जिलावार प्रदर्शन में बोकारो ने बाजी मारी है. यहां के सर्वाधिक 99.63% छात्र सफल हुए हैं. इसके बाद कोडरमा और हजारीबाग का स्थान रहा. सबसे कम प्रदर्शन सिमडेगा जिले का रहा, जहां 98.20% छात्र पास हुए.

राज्यसभा के उपसभापति के रूप में तीसरे कार्यकाल के लिए हरिवंश को फिर चुना, पीएम मोदी ने दी बधाई

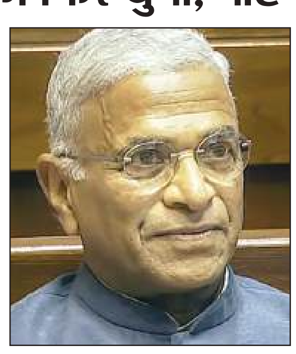

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा को संबोधित करते हुए हरिवंश को राज्यसभा के उपसभापति के रूप में लगातार तीसरी बार चुने जाने पर हार्दिक बधाई दी। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हरिवंश पर सदन के गहरे विश्वास और संस्था में उनके बहुमूल्य अनुभव को दर्शाता है। मोदी ने कहा कि लगातार तीसरी बार चुना जाना सदन द्वारा उनके अनुभव, समावेशी दृष्टिकोण और गरिमामय कार्यशैली की स्वीकृति है। प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की जयंती के अवसर पर पड़ने वाले 17 अप्रैल के विशेष महत्व को रेखांकित किया। हरिवंश और चंद्रशेखर जी के घनिष्ठ संबंध का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उपसभापति ने उनकी राजनीतिक यात्रा में उनके सहयोगी के रूप में कार्य किया और उनके जीवन पर पुस्तकें भी लिखीं।

मोदी ने कहा कि चंद्रशेखर जी की जयंती पर अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत करना इस अवसर को विशेष रूप से सार्थक बनाता है।

एलपीजी के बाद भारत में अब सोने और चांदी किल्लत! बैंकों ने रोका आयात

भारतीय डिमांड गोल्ड और सिल्वर के ग्लोबल प्राइसेज पर डाल सकती है असर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। एलपीजी के बाद देश में सोने और चांदी की भी किल्लत हो सकती है। भारतीय बैंकों ने विदेशी सप्लायर्स से सोने और चांदी के आयात ऑर्डर रोक दिए हैं। कई टन सोना-चांदी कस्टम में अटका है, क्योंकि इनके आयात को अधिकृत करने वाला कोई औपचारिक सरकारी आदेश जारी नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट में यह बात ट्रेड सूत्रों ने कही है। बिना नए आयात के भारत को सप्लाई से जुड़ी किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक कमजोर भारतीय डिमांड गोल्ड और सिल्वर के ग्लोबल प्राइसेज पर असर डाल सकती है। जबकि यह देश के व्यापार घाटे को कम सकता है और रुपये को सपोर्ट कर सकता है।

बंगाल में आज से तीन दिनों तक टीएमसी के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे मुख्यमंत्री हेमंत

पुरुलिया जिले से करेंगे शुरुआत, आज काशीपुर समेत तीन विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को करेंगे संबोधित

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 18, 19 और 20 अप्रैल को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे. मुख्यमंत्री के दौरे की शुरुआत 18 अप्रैल को पुरुलिया जिले से होगी, जहां वे काशीपुर समेत तीन अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित करेंगे. वे रांची से हेलीकॉप्टर के जरिए रवाना होंगे और शाम तक वापस लौटेंगे. फिर अगले दो दिनों तक उनका दौरा बांकुड़ा, मिदनापुर और झाड़ग्राम जैसे जिलों में भी प्रस्तावित है.

बंगाल चुनाव में नहीं उतारे अपने उम्मीदवार

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने रणनीतिक रूप से इस बार बंगाल चुनाव में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे हैं. पार्टी ने पहले ही ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की थी. झामुमो महासचिव विनोद पांडेय के अनुसार, मुख्यमंत्री और पार्टी की स्टार प्रचारक कल्पना सोरेन भी इस अभियान में शामिल होकर टीएमसी उम्मीदवारों के पक्ष में माहौल बनाएंगी. पार्टी का मानना है कि आदिवासी बहुल इलाकों में झामुमो की पकड़ का फायदा सीधे तौर पर टीएमसी को मिलेगा.

भाजपा के खिलाफ क्षेत्रीय दलों की एकजुटता का बड़ा राजनीतिक संदेश

हेमंत सोरेन का यह दौरा राजनीतिक दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. पश्चिम बंगाल के पुरुलिया और झाड़ग्राम जैसे जिले झारखंड की सीमा से सटे हैं, जहां संथाली और अन्य आदिवासी समुदायों की अच्छी संख्या है. यहां झामुमो का पारंपरिक प्रभाव रहा है. ऐसे में हेमंत सोरेन का प्रचार करना न केवल मतों के ध्रुवीकरण में सहायक होगा, बल्कि यह राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ क्षेत्रीय दलों की एकजुटता का एक बड़ा राजनीतिक संदेश भी है.

अंतिम चरण की ओर चुनावी जंग

बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को होने वाले मतदान से ठीक पहले हेमंत सोरेन का यह दौरा टीएमसी के लिए 'बूस्टर' साबित हो सकता है. झामुमो नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि वे पूरी मजबूती के साथ चुनावी मैदान में डटे रहेंगे ताकि "विभाजनकारी शक्तियों" को रोका जा सके. पुरुलिया की जनसभाओं के बाद 19 और 20 अप्रैल के कार्यक्रमों के लिए पार्टी ने विशेष तैयारी की है.

ननिहाल में अनाथ नाबालिग से दरिंदगी मां बनने के बाद घर से निकाला

डालसा के हस्तक्षेप से आरोपी जेल, पीड़िता को मिली नई उम्मीद

रांची (ईएमएस)। अनगड़ा क्षेत्र से मानवता और रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक क्रूर घटना सामने आई है।यहाँ अपने ननिहाल में रह रही एक 13 वर्षीय अनाथ बच्ची के साथ न सिर्फ दुष्कर्म किया गया, बल्कि गर्भवती होने और प्रसव के बाद उसे दर-दर भटकने के लिए घर से निकाल दिया गया। इस खौफनाक दर्द से गुजर रही मासूम के लिए अंततः जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), रांची एक मसीहा बनकर सामने आया है।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और बच्ची के सुरक्षित भविष्य की रूपरेखा भी तैयार कर ली गई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता एक 13 वर्षीय अनाथ बच्ची है जो टाटीसिलवे थाना क्षेत्र स्थित अपने ननिहाल में रह रही थी, इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले अर्जुन मुंडा (21 वर्ष) की नीयत बच्ची पर बिगड़ गई।आरोपी अर्जुन ने डरा-धमका कर बच्ची के साथ कई बार दुष्कर्म किया, जिसके परिणामस्वरूप नाबालिग गर्भवती हो गई।जब बच्ची के गर्भवती होने की भनक उसके परिजनों (मामा-मामी) को लगी, तो उन्होंने न्याय मांगने के बजाय सामाजिक लोक-लाज के डर से एक पंचायत बुलाई और पूरे मामले को रफा-दफा कर दिया। अमानवीयता की हद तो तब पार हो गई जब परिजनों ने बिना किसी चिकित्सकीय सहायता के घर पर ही बच्ची का अवैध रूप से प्रसव करा दिया। उचित देखभाल के अभाव में कुछ दिनों बाद नवजात बीमार पड़ा और उसकी मौत हो गई।इस त्रासदी के बाद, मामा-मामी ने बच्ची को सहारा देने के बजाय उसे घर से ही बाहर निकाल दिया, जिससे वह दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हो गई।इस हृदयविदारक घटना की जानकारी पैरा लीगल वालंटियर्स बेबी सिन्हा और मालती कुमारी को मिली, जिन्होंने तुरंत इसकी सूचना डालसा, रांची को दी. सूचना मिलते ही झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजित नारायण प्रसाद, सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना एवं डालसा अध्यक्ष सह न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा के कड़े निर्देश पर पूरी मशीनरी हरकत में आ गई।डालसा सचिव राकेश रौशन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और बेघर बच्ची को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया।रेस्क्यू के बाद डालसा सचिव ने हेडक्वार्टर डीएसपी-2 अमर कुमार पांडे और थाना प्रभारी हंसे उरांव से समन्वय स्थापित किया।इसके बाद टाटीसिलवे थाने में आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई।थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर हंसे उरांव ने बताया कि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अर्जुन मुंडा (21) को गिरफ्तार कर लिया है और उसे न्यायिक हिरासत (जेल) भेज दिया गया है।रेस्क्यू किए जाने के बाद बच्ची को चाइल्ड हेल्पलाइन की मदद से बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।काउंसलिंग के दौरान जब बच्ची से पूछा गया, तो उसने आगे पढ़ने और कुछ बनने की इच्छा जताई। बच्ची की इस सकारात्मक सोच को देखते हुए डालसा ने उसके पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

संक्षिप्त खबरें

दिनदहाड़े घर से जेवरात व नकदी की चोरी

कोडरमा(ईएमएस)।झुमरीतिलैया शहर के बेलाटांड देवी मंडप रोड लोटा फैक्ट्री के पास स्थित घर से दिनदहाड़े चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है।घटना गुरुवार दोपहर की है हालांकि, घटना को लेकर पुलिस को जानकारी बाद में दी गई। इसके बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।घटना की जानकारी देते हुए सुनीता देवी पति सुजीत सिंह ने बताया कि 16 अप्रैल को दोपहर दो बजे वह खाना खाकर घर में सो रही थी।इसी दौरान एक महिला व करीब दस वर्ष की बच्ची घर में घुस आए और अंदर रखा दो बैग चुरा ले गए एक बैग में 12 ग्राम का सोने का मंगलसूत्र, पायल, बिछिया, पांच हजार नकद, बैंक पासबुक, आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि था। चोरी गए आभूषण की कीमत करीब एक लाख रुपये है।पीड़िता के अनुसार जब घर पर बैग नहीं मिला तो खोजबीन की। बाद में आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज में देखा तो अज्ञात महिला व बच्ची घर से बाहर निकलते दिखी।

कोडरमा पुलिस को मिली 21 नई बाइक अनुसंधान में आएगी तेजी

कोडरमा(ईएमएस)।राज्य सरकार व पुलिस मुख्यालय,के द्वारा अपराध नियंत्रण व बेहतर पुलिसिंग को लेकर कोडरमा पुलिस को 21 अपाची मोटरसाइकिल आवंटित की गई है।इन बाइक्स को शुक्रवार को डीसी ऋतुराज, एसपी अनुदीप सिंह, डीएफओ सौमित्र शुक्ल व अन्य ने हरी झंडी दिखाकर विभिन्न थाना के लिए रवाना किया।इन वाहनों में पुलिस स्टीकर, सायरन, पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाया गया है।एसपी ने बताया कि नई मोटरसाइकिलों से विभिन्न थाना क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, संकीर्ण रास्तों में पुलिस की पहुंच, गश्ती व्यवस्था आदि को मजबूत करने तथा आपातकालीन स्थितियों में त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने में काफी सहुलियत होगी।इन वाहनों से पुलिस की गतिशीलता बढेगी तथा किसी भी घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम शीघ्रता से मौके पर पहुंचकर कार्रवाई कर सकेगी।इसके अलावा त्योहारों, विशेष अभियानों तथा आकस्मिक परिस्थितियों में भी इन मोटरसाइकिलों का उपयोग कर पुलिस बल को त्वरित रूप से तैनात किया जा सकेगा।मौके पर डीडीसी रवि जैन, एसडीओ ओमप्रकाश मंडल, डीटीओ विजय कुमार सोनी व अन्य मौजूद थे।

प्रशिक्षित सहायक आचार्य प्रतियोगिता परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन पर जेएसएससी से मांगा जवाब

रांची(ईएमएस)।झारखंड हाइकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य प्रतियोगिता परीक्षा-2023 में नॉर्मलाइजेशन को चुनौती देनेवाली याचिकाओं पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के दौरान प्रार्थियों का पक्ष सुनने के बाद अदालत ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) को जवाब दायर करने का निर्देश दिया।साथ ही मामले की अगली सुनवाई के लिए 13 मई की तिथि निर्धारित की।इससे पूर्व प्रार्थियों की ओर से अदालत को बताया गया कि सहायक आचार्य परीक्षा में जेएसएससी की ओर से अभ्यर्थियों को प्राप्त अंक का गलत तरीके से नॉर्मलाइजेशन किया गया है।अधिक अंक लाने के बाद भी कई अभ्यर्थियों को सफल घोषित नहीं किया गया है।इसके उलट कम अंक लानेवाले भी सफल घोषित किये गये है, जो सही नहीं है। जेएसएससी को सही तरीके से नॉर्मलाइजेशन करना चाहिए।

युवा साहित्यकार राजीव कुमार द्वारा रचित कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य का विमोचन

रांची(ईएमएस)।बुंडू पंच परगना किसान कॉलेज बुंडू के सभागार में शुक्रवार को युवा साहित्यकार राजीव कुमार द्वारा रचित पुस्तक "कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य पुस्तक का विमोचन विधायक अमित कुमार और कुरमाली भाषा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजाराम महतो ने संयुक्त रूप से किया। लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि सिल्ली के विधायक अमित कुमार महतो ने संबोधन में कहा कि क्षेत्रीय भाषाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर की आत्मा हैं और इन्हें संरक्षित एवं समृद्ध करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।उन्होंने लेखक राजीव कुमार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह पुस्तक आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कुरमाली भाषा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजाराम महतो ने कहा कि "कुरमाली प्रकीर्ण साहित्य" साहित्यिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कृति है, भाषा और संस्कृति झारखंड की शान है।उन्होंने युवाओं से अपनी मातृभाषा के संरक्षण और जागरूक रहने का आह्वान किया।झारखंड प्रशासनिक सेवा के अधिकारी भूमि सुधार उप समाहर्ता छवि बाला बरला ने कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं का विकास समाज की जड़ों को मजबूत करता है। डॉ. शकुंतला मिश्रा ने कहा कि कुरमाली साहित्य में इस प्रकार के रचनात्मक कार्य अत्यंत आवश्यक हैं।प्रो. भूतनाथ प्रमाणिक ने गीत के माध्यम से लोगों को मंत्र मुक्त किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. विनिता कुमारी और संचालन डॉ. सुमंत कुमार ने की धन्यवाद ज्ञापन प्रो.अरविंद कुमार साहू ने दिया।मौके पर कुरमाली भाषा के लेखक मुक्ति पद महतो, देवेंद्र नाथ महतो, लखींद्र सिंह मुंडा, सुनील मानकी,डॉ दीनबंधु, बंशीधर, के शिक्षक कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

बिजली विभाग की मनमानी के खिलाफ भाजपा ने दिया धरना

लातेहार(ईएमएस)।भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई द्वारा शुक्रवार को जिला अध्यक्ष बंसी यादव के नेतृत्व में जिला मुख्यालय स्थित बिजली विभाग के कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया गया।इस दौरान बढ़ी हुई बिजली दरें, अघोषित बिजली कटौती और स्मार्ट मीटर की मनमानी बिलिंग के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह ने कहा कि जिले में अंधेरगर्दी मची है। उन्होंने कहा कि किसी गांव का ट्रांसफार्मर जल जाता है और ग्रामीण उसे बदलने की मांग करते हैं, तो बिना अवैध पैसों की डिमांड के ट्रांसफार्मर नहीं लगाया जाता है।गरीबों से ट्रांसफार्मर के नाम पर पैसे वसूलना शर्मनाक है. उन्होंने आगे कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से जनता का बिल बेतहाशा बढ़ गया है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजधानी प्रसाद यादव ने कहा कि यह आंदोलन बिजली विभाग के भ्रष्टाचार के अंत की शुरुआत है।जिला अध्यक्ष ने कहा कि विभाग के अधिकारी और कर्मचारी जनता का शोषण बंद करें। ट्रांसफार्मर बदलना विभाग की जिम्मेदारी है, इसके लिए ग्रामीणों से पैसे मांगना अपराध है।धरना को जिला उपाध्यक्ष उषा देवी, रेणु देवी, ईश्वरी सिंह, जिला मंत्री मुकेश कुमार पांडेय व कन्हाई पासवान ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री छोटू राजा ने किया। मौ पर जिला मंत्री आशा लकड़ा, विष्णु देव गुप्ता, रघुवीर यादव, अश्विनी सिंह, अपर्णा सिंह, रानी देवी, मंजू देवी, नीलम देवी, सतनारायण प्रसाद, बबन पासवान, दीपक पासवान, मनदीप कुमार, अवधेश चंद्रवंशी, विवेक चंद्रवंशी, उत्तम कुमार, भगवत सिंह समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

होमगार्ड की बहाली शुरू कराने को लेकर छात्रों का पैदल यात्रा

लातेहार(ईएमएस)।जिले में होमगार्ड की बहाली को लेकर स्थानीय छात्रों ने आक्रोश पैदल यात्रा निकाली है। छात्रों का आक्रोश पैदल यात्रा जिला खेल स्टेडियम से प्रारंभ होकर मेन रोड होते हुए उपायुक्त कार्यालय तक पहुंचा। यहां छात्रों ने उपायुक्त को आवेदन दिया है। जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2018 में होमगार्ड की बहाली निकाली गई थी। उसके बाद से आज तक जिले में होमगार्ड की बहाली नहीं हुई है। जिससे स्थानीय छात्रों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि राज्य के कई जिलों में होमगार्ड की बहाली की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जिले में होमगार्ड की बहाली नहीं होने से स्थानीय युवाओ में मायुसी छाई है. जिससे बेरोजगारी का स्तर काफी बढ़ गया है। छात्रों ने उपायुक्त से जिले में होमगार्ड बहाली की प्रक्रिया शुरू कराने का अनुरोध किया है। मांग पत्र सौंपने वालो में अंकित कुमार, सचिन कुजूर, रूपजय कुजूर, अमित उरांव, परबिन लोहरा, संतोष यादव, अभय कुमार, रंजीत उरांव, शाहिद अफरीदी, अरविंद उरांव, जावेद अंसारी, राहुल उरांव, विष्णु कुमार, राजेंद्र उरांव, राजन कुमार, नागेंद्र सिंह, संतोष यादव, विनीत कुमार, गुडु सिंह, सनी कुमार, निलेश कुमार सिंह व जगदिश उरांव शामिल है।

खनन टास्क फोर्स की बैठक, 137 ईंट भट्ठों से 2.19 करोड़ रुपया वसूला गया जुर्माना

पलामू। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक हुई।बैठक में डीसी ने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की।इस दौरान जिला खनन पदाधिकारी सुनील कुमार ने अवैध खनन व परिवहन के विरुद्ध की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।उन्होंने बताया कि मार्च माह में खनन विभाग द्वारा अवैध खनन व परिवहन में संलिप्त 44 वाहनों को जब्त किया गया तथा 29 लाख 86 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया है साथ ही तीन प्राथमिकी भी दर्ज की गई है।जिले में 201 ईंट भट्ठों की जांच की गयी,जिसमें सभी को नोटिस जारी किया गया तथा 137 ईंट भट्ठों से 2,19,20,000 रुपये दंड राशि की वसूली की गयी।जिला परिवहन विभाग द्वारा 61 वाहनों को जब्त कर 14 लाख 70 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया,जबकि वन विभाग की ओर से शून्य वाद दर्ज किए गये।वहीं विभिन्न अंचलों द्वारा की गई कार्रवाई में 69 वाहन जब्त किए गए,जिसमें सर्वाधिक छत्तरपुर अंचल से 13 वाहन जब्त हुए हैं।जनवरी एवं फरवरी माह में भी सबसे अधिक कार्रवाई छत्तरपुर में ही की गयी थी।इसी तरह 24 ईंट भट्ठों,3 स्टोन माइंस,2 स्टोन क्रशरों की जांच की गयी।बैठक में डीसी ने अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सघन छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न स्थानों से अवैध खनन से जुड़ी सभी गतिविधियों की शिकायतें मुझे व्हाट्स एप के ज़रिये प्राप्त होती हैं,जो दुर्भाग्यपूर्ण हैं।इसी प्रकार की शिकायतें नहीं आये,यह आप सबों को ही सुनिश्चित करना है।

नावाबाजार से पांडू प्रखंड को जोड़ने वाली सड़क को मिली मंजूरी, 103.60 करोड़ से होगा कायाकल्प

पलामू(ईएमएस)। पलामू जिले के नावाबाजार और पांडू प्रखंड के निवासियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। नावाबाजार प्रखंड के बरहमोरिया मोड़ से पांडू प्रखंड के कजरू कला गांव होते हुए दुर्गा माइंस रोड तक जाने वाली अत्यंत जर्जर सड़क के निर्माण और चौड़ीकरण की स्वीकृति मिल गयी है।पलामू सांसद वीडी राम के सतत और अथक प्रयास के बाद भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने केंद्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि (सीआरआइएफ) के तहत इस परियोजना को हरी झंडी दे दी है।सांसद विष्णु दयाल राम के निजी सचिव अलख दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस महत्वपूर्ण सड़क की लंबाई 23.615 किलोमीटर है।इसके निर्माण और चौड़ीकरण पर कुल 103.608 करोड़ रुपये (एक सौ तीन करोड़ साठ लाख अस्सी हजार रुपये) खर्च किये जायेंगे।उन्होने बताया कि सांसद वीडी राम की अनुशंसा पर केंद्र सरकार ने इस बड़ी योजना को स्वीकृति प्रदान की है।उल्लेखनीय है कि यह सड़क पिछले काफी समय से जर्जर हाल में थी, जिससे स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। क्षेत्र की जनता लंबे समय से इस सड़क के पक्कीकरण और चौड़ीकरण की मांग कर रही थी।इस सड़क के बन जाने से नावाबाजार और पांडू प्रखंड के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी और लोगों का सफर सुगम हो जायेगा।सड़क निर्माण से न केवल यातायात की समस्या दूर होगी, बल्कि इस ग्रामीण इलाके में आर्थिक गतिविधियों और क्षेत्रीय विकास को भी नई रफ्तार मिलेगी। सांसद वीडी राम ने इस सौगात के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के प्रति पलामू की जनता की ओर से आभार व्यक्त किया है।

लोहरदगा में बी एस कॉलेज पिकेट में वाहन जांच अभियान चलाया गया

लोहरदगा। जिला परिवहन पदाधिकारी जया शंखी मुर्मू के आदेशानुसार अनुसार और के नेतृत्व मे शुक्रवार को बी एस कॉलेज पिकेट थाना,लोहरदगा मुख्य मार्ग पर वाहन जांच अभियान चलाया गया। वाहन जांच अभियान चलाने का मुख्य उद्देश्य सभी दो पहिया वाहनों के वाहन और चार पहिया वाहनों के वाहन स्वामी को सीट बेल्ट/चालक को सचेत करते हुए सभी सड़क पर वाहनों का परिवहन करने के क्रम में मोटर वाहन अधिनियम के सभी धाराओं का अनुपालन कराना के उद्देश्य से वाहन जांच के तहत दो पहिया वाहनों के वाहन चालको का ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट, नंबर प्लेट, ओवर स्पीडिंग, ट्रिपल राइडिंग, मोबाइल फोन का उपयोग, नाबालिक द्वारा वाहन परिचालन करना, ओवरलोडिंग, वाहनों में छेड़छाड़, अतिरिक्त रूप से लगाए गए लाइट एवं अन्य की जांच किया गया।

इंस्टिट्यूट फॉर एजुकेशन में दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आगाज

सरायकेला(ईएमएस)। सरायकेला स्थित इंस्टिट्यूट फॉर एजुकेशन में शुक्रवार को जीएसटी सुधारों एवं ग्रामीण व शहरी आजीविका और रोजगार पर प्रभाव विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ हुआ।इंडियन काउन्सिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन जमशेदपुर के सेन्ट्रल जीएसटी कमिश्नर बीके गुप्ता, विशिष्ट अतिथि सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष मानव केडिया, सरायकेला नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज चौधरी और मुख्य वक्ता सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड के प्रोफेसर डॉ. केबी सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सेन्ट्रल जीएसटी कमिश्नर बीके गुप्ता ने पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जीएसटी का व्यापार और उद्योग में वृद्धि,लॉजिस्टिक और सप्लाई चेन में सुधार, स्टार्टअप और ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने संबंधी जानकारी से रूबरू करवाया। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई 2017 को देश में जीएसटी लागू होने के बाद जटिल वैट प्रणाली से मुक्ति मिली है।उन्होंने जीएसटी सुधार 2.0 के सकारात्मक आंकड़े पेश करते हुए कहा कि दवा और पाठ्य सामग्री जैसी अनिवार्य वस्तुओं को कर मुक्त किया गया है। ट्रैक्टर पर जीएसटी को घटाकर 5% करने से गांवों में मशीनीकरण बढ़ा है।इससे कृषि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं. कर की दरों को 40% की अधिकतम सीमा से घटाकर 28% पर लाना और दैनिक उपभोग की वस्तुओं पर छूट देना, आम जनता की क्रय शक्ति बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुआ है।

कार्यालयः असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जामताड़ा

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अति–अल्पकालीन निविदा सं0– 01/2026–27 (PR376796 Health Med Edu and Family Welfare (26-27)D) असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जामताड़ा के प्रयोजनार्थ वाह्य श्रोत से भाड़े पर 4 Wheeler न्यूनतम दर पर उपलब्ध कराने हेतु निविदा प्रकाशित की गई थी। जिसमें निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि– 13.04.2026 निर्धारित की गई थी।

निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि तक एक ही निविदा प्राप्त होने की स्थिति में उपरोक्त प्रकाशित निविदा की अंतिम तिथि को विस्तारित करते हुए निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि– 20.04.2026 के अपराह्न 05.00 बजे तक निर्धारित की जाती है।

इच्छुक एजेंसी/ट्रैवल एजेंसी/वाहन सेवा प्रदाता/फर्म/प्रतिष्ठान निर्धारित अंतिम तिथि एवं समय तक असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जामताड़ा के कार्यालय में सीलबंद लिफाफा के माध्यम से निविदा समर्पित कर सकते हैं। सभी प्राप्त निविदा दिनांक 21.04.2026 को अपराह्न 12.30 बजे असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जामताड़ा के कक्ष में क्रय समिति के समक्ष खोला जाएगा। निविदा खोलने के समय निविदादाता उपस्थित रह सकते हैं।

निविदा समर्पित करने के लिए तकनीकी एवं वित्तीय बीड में संलग्न रहने वाले कागजातों का विवरण तथा शर्तों से संबंधित जानकारी वेबसाईट www.jamtara.nic.in पर देखा जा सकता है।

ह0/–
असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जामताड़ा

PR 377716 Health Med Edu and Family Welfare(26-27).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, जामताड़ा
email ID-eedwsd.jamtara@gmail.com

शुद्धि पत्र सूचना

इस कार्यालय का आमंत्रित ई० निविदा सूचना सं०–01/DWSD/JMT/2026-27 दिनांक–10.04.2026, जिसका PR No.-377144 है में निम्नलिखित हदतक सं ोधित समझा जाए।

कार्य का नाम	विवरणी	पूर्व की तिथि एवं समय	संशोधित तिथि एवं समय
Repairing and maintenance of Drilled Tube well in rural area of all Block in Jamtara District from April 2026 to March 2027 Under D.W.& S. Division Jamtara for the year 2026-27.	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	13.04.2026 समय 04.00 बजे अपराह्न तक	20.04.2026 समय 04.00 बजे अपराह्न तक
	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	18-04-2026 समय 04:00 बजे अपराह्न तक	25-04-2026 समय 04:00 बजे अपराह्न तक
	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस,झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	18.04.2026 समय 04:00 बजे अपराह्न तक	25.04.2026 समय 04:00 बजे अपराह्न तक
	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	19-04-2026 समय 04:00 बजे अपराह्न	26-04-2026 समय 04:00 बजे अपराह्न

अन्य शर्तें यथावत रहेंगें।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल जामताड़ा।

PR.NO.377799 Drinking Water and Sanitation(26-27):D

कार्यपालक अभियंता का कायलिय
भ0नि0वि0, भवन प्रमण्डल जामताड़ा

निविदा आमंत्रण सूचना सं0–01/2026–27.

1. विज्ञापनदाता का नाम : कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, जामताड़ा
2. परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि : 04.05.2026 तक (1.00 अपराह्न तक)
3. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 05.05.2026 को 3.00 बजे अप0 तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 05.05.2026 को 3.30 बजे अप0
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : 1) अधीक्षण अभियंता, भवन अंचल, दुमका। 2) कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, जामताड़ा। 3) सहायक अभियंता, भवन अवर प्रमंडल, जामताड़ा।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– तथैव– – तथैव–
7. कार्य का विवरण :–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Renovation of Fishery Office Building at Jamtara the Year-2026-27.	18,25,550=00	36,600=00	5,000=00	3 months
2	Construction of P.C.C. at Combined District Agriculture Building at Jamtara the Year-2026-27.	17,19,300=00	34,500=00	5,000=00	2 months
3	Renovation of Police Control Room at Jamtarta for the Year-2026-27.	9,75,100=00	20,000=00	1,250=00	2 months
4	Construction of Approach road in Gavya Vikas Kendra District- Jamtara the Year-2026-27.	8,08,100=00	16,200=00	1,250=00	2 months
5	Construction of Vahan Shed in Combined District Agriculture Building at Jamtara the Year-2026-27.	6,40,850=00	13,000=00	1,250=00	2 months
6	Construction of Paver Block, shed and Conertina in Gavya Vikas Kendra District-Jamtara the Year-2026-27.	4,08,850=00	8,200=00	750=00	2 months
7	Deep Boring (200 mmx165mmx125 dia) & Installation of 1.5 H.P Submersible Pump Set Combined District Agriculture Building at Jamtara the Year-2026-27.	2,48,300=00	5,000=00	500=00	1 month
8	Construction of Main Entrance Gate Combined District Agriculture Building at Jamtara the Year-2026-27.	2,37,600=00	5,000=00	500=00	1 month

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमंडल, जामताड़ा

PR 377801 Building(26-27)#D

बीएसएल प्रबंधन और विभिन्न श्रमिक संगठनों के मध्य संयुक्त संवाद बैठक का आयोजन

17 अप्रैल 2026 को बोकारो निवास में बीएसएल शीर्ष प्रबंधन एवं संयंत्र के विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में संयंत्र की वर्तमान प्रगति और आगामी परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी द्वारा स्वागत संबोधन से किया गया, जिसमें उन्होंने संयंत्र के लक्ष्यों की प्राप्ति में श्रमिकों के सामूहिक योगदान की सराहना की। इसके पश्चात निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन ने अपने संबोधन में गत वर्ष की उपलब्धियों, आगामी लक्ष्यों और आने वाली परियोजनाओं की जानकारी साझा करते हुए इस्पात उद्योग की वर्तमान चुनौतियों तथा बोकारो इस्पात संयंत्र की भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला।

बैठक के दौरान पीपीसी, प्रोजेक्ट्स एवं मानव संसाधन विभाग के प्रतिनिधियों द्वारा एक विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया गया, जिसमें संयंत्र के परिचालन प्रदर्शन और विकासात्मक परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति साझा की गई।

बैठक में बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन (इंटक), बोकारो इस्पात कामगार यूनियन (एटक), इस्पात मजदूर मोर्चा (सीटू), क्रांतिकारी इस्पात मजदूर संघ (एचएमएस), बोकारो स्टील राष्ट्रीय मजदूर संघ (बीएमएस), क्रांतिकारी इस्पात मजदूर संघ (SS) तथा जय झारखंड मजदूर समाज (JJMS) के पदाधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने बहुमूल्य सुझाव साझा किए। बैठक में उपस्थित वरीय अधिकारियों ने श्रमिक प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की।

निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन ने बैठक के दौरान विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि संयंत्र की प्रगति में श्रमिकों की सक्रिय सहभागिता अहम है। उन्होंने रेखांकित किया कि निरंतर आपसी संवाद और समन्वय के माध्यम से ही बोकारो इस्पात संयंत्र में एक सुरक्षित, समृद्ध एवं उच्च उत्पादक कार्य-संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकता है। बैठक का संचालन एवं समन्वय महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री प्रभाकर कुमार द्वारा किया गया। अंत में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री अंजनी कुमार शरण ने सभी उपस्थित अतिथियों एवं श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

यह बैठक प्रबंधन और श्रमिक संगठनों के बीच आपसी समन्वय को बढ़ावा देने की दिशा में बोकारो इस्पात संयंत्र की एक महत्वपूर्ण पहल है। नियमित रूप से आयोजित होने वाले ऐसे द्विपक्षीय संवाद न केवल कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण निर्मित करते हैं, बल्कि संगठनात्मक प्रदर्शन को बेहतर बनाने के साथ-साथ एक सकारात्मक कार्य-संस्कृति को भी सुदृढ़ करते हैं।

बोकारो इस्पात पुस्तकालय में कवि गोष्ठी का आयोजन

बोकारो।इस्पात संयंत्र के जनवृत-5 स्थित बोकारो इस्पात पुस्तकालय में एक कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस साहित्यिक समागम में मुख्य अतिथि के रूप में उप महाप्रबंधक (विधि) श्री शैलेश मिश्रा उपस्थित थे। कवियों एवं कवयित्रियों को संबोधित करते हुए श्री मिश्रा ने कहा कि साहित्य न केवल समाज का दर्पण है, बल्कि यह मस्तिष्क को भी उर्वर बनाता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि औद्योगिक शहर में निवास करने वाले कवियों, साहित्यकारों एवं रचनाकारों के लिए यह पुस्तकालय एक उत्कृष्ट मंच है, जहाँ वे अपनी लेखन क्षमता को और अधिक निखार सकते हैं। श्री मिश्रा ने युवाओं को अपनी मातृभाषा के महत्व को समझने और उससे जुड़ने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) श्री आलोक कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि साहित्यकारों के बीच उपस्थित होने से रचनात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि कवि और लेखक अपने कालखंड का प्रतिनिधित्व करते हैं तथा उनकी रचनाएँ भविष्य के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होती हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ शीला तिवारी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। इससे पूर्व, अखिल भारतीय चेतना परिषद की संस्थापक सदस्या कस्तूरी सिन्हा ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। गोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. आशा पुष्प ने की, जबकि मंच संचालन लव कुमार द्वारा किया गया। काव्य पाठ के सत्र में डॉ. नरेंद्र कुमार राय ने "त्राहि मां त्राहि माम्", लव कुमार ने "बोझ लिए फिरता हूँ", अमृता शर्मा ने "गर्मी की हठधर्मी", कस्तूरी सिन्हा ने "ईंट-गारे का सिमटा घरौंदा" तथा रिंकू गिरि ने "दर्शन तेरे" जैसी रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी क्रम में अर्चना मिश्रा, डॉ. आशा पुष्प, पूर्णिमा सुमन, ताराचंद महतो, कल्पना केसर, क्रांति श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, श्याम सुंदर केवट, सोनी कुमारी, आकाश खूंटी, अंकित उपाध्याय, पंकज दास, पद्मावती कोमल, शीला तिवारी, संजू कुमारी, सुप्रिया सरस तथा दुर्गेश कुमार ने भी विविध विषयों पर आधारित अपनी कविताओं से वातावरण को काव्यमय बना दिया।इस आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में सहायक प्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) श्री मानस चंद्र रजवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में अमृता शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर श्री मनोज कुमार निशांत, श्री आर. पी. वर्मा, रंजना श्रीवास्तव, आयुष रंजन, एम. के. अभिमन्यु तथा श्री आर. के. सिंह सहित बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

बाँसजोड़ा सेंदरा के असंगठित मजदूरो द्वारा जनता मजदूर संघ के बैनर तले एक सभा का आयोजन

लोयाबाद। बाँसजोड़ा कांटा घर समीप शुक्रवार को बाँसजोड़ा सेंदरा के असंगठित मजदूरो द्वारा जनता मजदूर संघ (बच्चा सिंह गुट) के बैनर तले एक सभा का आयोजन किया गया।जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में जनता मजदूर संघ के महामंत्री अभिषेक सिंह उर्फ गुड्डू सिंह उपस्थित हुए जहां उनके समर्थकों ने भारी फूलो का माला पहनाकर स्वागत किया।कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय नीरज सिंह के फोटो चित्र पर माला अर्पण कर श्रद्धा सुमन श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया।आयोजित असंगठित मजदूरों की सभा में जनता मजदूर संघ (बच्चा गुट) के महामंत्री अभिषेक सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने मजदूरों के अधिकारों को लेकर बीसीसीएल प्रबंधन पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि मजदूरों के शोषण को अब किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और प्रबंधन जिस भाषा में समझेगा, उसी भाषा में समझाया जाएगा।यहां के मजदूरों के जीविकोपार्जन के लिए ट्रक लोडिंग हेतु पर्याप्त मात्रा में कोयला उपलब्ध कराया जाए। साथ ही कोल डम्प में मजदूरों के लिए पीने के पानी और सेड की व्यवस्था कराना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधन को चेतावनी दी कि यहां बाँसजोड़ा कोलियरी की नई परियोजना बीएलए प्राइवेट लिमिटेड आउटसोर्सिंग कम्पनी में स्थानीय प्रभावित बेरोजगारों को नियोजन दिए बिना किसी भी कम्पनी को काम नहीं करने दिया जाएगा। मई तक समस्याओं का समाधान नहीं होने पर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।कार्यक्रम का अध्यक्षता जनता मजदूर संघ के उपाध्यक्ष मुन्ना सिंह व संचालन अरुण कुमार दुबे तथा धन्यवाद ज्ञापन मोहम्मद ग्यास अंसारी ने किया।इस मौके पर जनता मजदूर संघ बच्चा गुट के उपाध्यक्ष मुन्ना सिंह,जे0 पी0 सिंह, दिवाकर सिंह,संतोष मिश्रा,अनिल सिंह,रवीन्द्र नोनिया,शिवनाथ सिंह, कामु पाल,बैजनाथ सिंह,शिवनाथ साव, शंकर पासवान, मोहम्मद ग्यास, मोहम्मद कमाल,राहुल सिंह,संजय पाल,सुरेश राम, श्यामा, कपिल भुईया,सुरेन्द्र राम, मुर्तजा अली, भगवान दास, अशोक सिंह,आदि जनता मजदूर संघ बच्चा गुट के सैकड़ों असंगठित मजदूर मौजूद थे।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के दिव्येंदु कुमार ने संभाला धनबाद क्षेत्रीय प्रमुख का पदभार

धनबाद, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के धनबाद क्षेत्रीय कार्यालय में दिव्येंदु कुमार सहायक महाप्रबंधक ने क्षेत्रीय प्रमुख, रीजनल हेड के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण किया। उनके नेतृत्व से क्षेत्र में बैंकिंग सेवाओं के और अधिक सुदृढ़ एवं ग्राहक-केंद्रित होने की अपेक्षा की जा रही है। ज्ञात हो कि दिव्येंदु कुमार एक अनुभवी बैंकिंग पेशेवर हैं, जिनके पास बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र में समृद्ध अनुभव है। उन्होंने प्रतिष्ठित संस्थान में प्रबंधन में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है तथा बैंकिंग संचालन, ऋण प्रबंधन, जोखिम आकलन एवं व्यवसाय विकास में विशेष दक्षता रखते हैं।पदभार ग्रहण करने के उपरांत , कुमार ने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य धनबाद क्षेत्र में बैंकिंग सेवाओं को और अधिक सुलभ, पारदर्शी एवं ग्राहक-केंद्रित बनाना है। आगे उन्होंने बताया कि उनकी प्राथमिकताओं में एमएसएमई, खुदरा एवं कृषि क्षेत्र में ऋण विस्तार को बढ़ावा देना, डिजिटल बैंकिंग सेवाओं को सुदृढ़ कर ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करना, ग्राहक केंद्रित सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देना, एनपीए प्रबंधन एवं परिसंपत्ति गुणवत्ता में निरंतर सुधार, वित्तीय समावेशन योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से लागू करना व ग्राहकों एवं हितधारकों के साथ मजबूत एवं विश्वासपूर्ण संबंध स्थापित करना है।

उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने समाहरणालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया "आठवां पोषण पखवाड़ा" जागरूकता रथ

दुमकाः उपायुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा समाहरणालय परिसर से "आठवां पोषण पखवाड़ा" के तहत जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उपायुक्त ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और कुपोषण के उन्मूलन के लिए आमजन को प्रेरित करना है। जागरूकता रथ 23 अप्रैल तक विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों का भ्रमण करेगा।इसके बाद समाहरणालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने पहले की बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक समयबद्ध एवं प्रभावी रूप से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।बैठक के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पोषण ट्रैकर,अपार आई डी रिपोर्ट, पेयजल, शौचालय एवं विद्युत व्यवस्था, पी एम-जन मन , धरती आबा सहित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। इसके साथ ही सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों में आधारभूत संरचना, पोषण वाटिका निर्माण, केंद्र भवन निर्माण/रख-रखाव/उन्नयन, रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं एम टी सी से संबंधित प्रगति की भी समीक्षा की गई।उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, ताकि लाभुकों को योजनाओं का समुचित लाभ प्राप्त हो सके।बैठक के उपरांत उपायुक्त ने सहिया एवं सेविकाओं को शॉल एवं बंडी प्रदान की और पोषण पखवाड़ा 2026 के सफल आयोजन हेतु शपथ दिलाई।बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

वित्त विभाग के निर्देशों का अक्षरशः पालन करें डीडीओ : उपायुक्त

जिला स्तरीय टीम करेगी कार्यालयों का औचक निरीक्षण

बदले जाएंगे एक ही विभाग में तीन वर्ष से अधिक समय तक रहने वाले बिल क्लर्क,

धनबाद । उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी , आदित्य रंजन की अध्यक्षता में शुक्रवार को न्यू टाउन हॉल में जिले के सभी कार्यालयों के निकास एवं व्ययन पदाधिकारी ,डीडीओ द्वारा कोषागार के माध्यम से विपत्रों की निकासी के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने एवं झारखण्ड कोषागार संहिता-2016 के नियमों व वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत विभिन्न पत्रों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि सभी कार्यालयों में जिला स्तरीय टीम द्वारा औचक निरीक्षण किया जाएगा। इस दौरान गलती उजागर होने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान विगत वर्षों में किए गए भुगतान तथा भुगतान की प्रक्रिया की जांच होगी। कर्मियों के सर्विस बुक से मिलान किया जाएगा। कर्मियों की जन्म तिथि एवं उनके बैंक अकाउंट की जांच की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि सभी कार्यालयों में नियमित कर्मियों का डाटा एचआरएमएस पोर्टल पर अपलोड होना चाहिए। कर्मियों की जन्म तिथि एवं बैंक डिटेल्स का मिलान प्रमाणिक स्रोत से होना चाहिए। जिससे गलत भुगतान की संभावना नहीं रहे। इसमें त्रुटि मिलने पर इसकी पूरी जिम्मेदारी डीडीओ की होगी। सर्विस बुक अपडेट रखें। पीएफएमएस भुगतान पर सभी डीडीओ विशेष ध्यान दें। जिस कार्यालय में 3 वर्ष से अधिक समय तक बिल क्लर्क है, उसे शीघ्र बदलें। विभागीय अनुमति के बगैर खोले गए बैंक अकाउंट शीघ्र बंद करें। निजी अकाउंट में सरकारी राशि जमा नहीं करें ।

5000 से अधिक की राशि सीधे वेंडर के बैंक अकाउंट में भेजें। उन्होंने कहा कि सरकारी बैंक खातों तथा सरकारी कार्यालय में संचालित अन्य खातों की जानकारी आईएफएमएस सिस्टम में अपलोड करें। बैंक खातों में लंबित राशि से संबंधित प्रतिवेदन ट्रेजरी को उपलब्ध कराएं। सभी कार्यालय में स्थापना लिपिक एवं विपत्र लिपिक अलग अलग रखें। विशेष परिस्थिति में जहाँ एक ही लिपिक कार्यरत हैं वहाँ के निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी संबंधित लिपिक के कार्य पर विशेष निगरानी रखें। प्रत्येक निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी महीने में कम से कम एक बार अपने कार्यालय का विस्तृत निरीक्षण करें। विशेष रूप से लेखा की जाँच करें। बैठक के दौरान ट्रेजरी ऑफिसर , पंकज कुमार ने झारखंड कोषागार संहिता 2016 तथा जेटीसी 2016 के नियमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कार्यालय प्रधान, नियंत्री पदाधिकारी अपने अधीनस्थ पदाधिकारी को निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी की शक्ति प्रदत्त करते है, तो इससे कार्यालय प्रधान विपत्र की परिशुद्धता अथवा भुगतान में प्राप्त राशि के निस्तारण की जवाबदेही से किसी भी तरह मुक्त नहीं होगें। आगे उन्होंने कहा कि इसे ध्यान में रखकर ही लेखा का विहित ढंग से तथा विहित पंजियों में संधारण किया गया है। प्राप्तियों एवं व्यय में गैर मुनासिब उतार चढाव के कारणों का अवलोकन करना चाहिए। विशेष रूप से बजट आवटनों की सीमा से संभवतः अधिक खर्च होने के कारणों का अवलोकन करना आवश्यक है। ध्यान में आयी अनियमितताओं तथा उन्हें नियमित करने के लिये की गयी कार्रवाईयों को अंकित करते हुये ऐसे प्रत्येक निरीक्षण के उपरांत नियत्रंक पदाधिकारी को प्रत्येक तिमाही एक रिर्पोट सौंपनी है। आगे उन्होंने बताया कि झारखण्ड कोषागार संहिता 2016 के नियमों के अनुसार किसी कार्यालय का प्रधान उसके द्वारा या उसकी ओर से हस्तक्षरित किसी विपत्र पर निकासी किये गये वेतन तथा भत्तो की प्रत्येक मद के लिए स्वयं उत्तरदायी होते है।

बैठक में उपायुक्त , आदित्य रंजन, नगर आयुक्त , आशीष गंगवार, अपर समाहर्ता , विनोद कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी , विकास पालीवाल, निदेशक डीआरडीबी , राजीव रंजन, सिविल सर्जन डॉ० आलोक विश्वकर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी , अभिषेक झा, जिला शिक्षा अधीक्षक , आयुष कुमार के अलावा सभी कार्यालयों के डीडीओ, विपत्र लिपिक, स्थापना के प्रभारी लिपिक एवं नाजिर मौजूद थे।

दुमका प्रीमियर लीग में विजनरी-11 और एम एंड एस-11 की शानदार जीत

शिवांश यादव के शतक और आशीष कुमार की घातक गेंदबाजी बनी मैच का टर्निंग पॉइंट

दोनों मुकाबलों में 8-8 विकेट से जीत, खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

दुमका:शुक्रवार को दुमका के ए टीम क्रिकेट ग्राउंड में दुमका प्रीमियर लीग के अंतर्गत दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मैच में विजनरी-11 ने दुमका रॉयल्स को 8 विकेट से हराया, जबकि दूसरे मैच में एम एंड एस-11 ने अशोका लायंस को 8 विकेट से पराजित किया।दिन का पहला मुकाबला दुमका रॉयल्स और विजनरी-11 के बीच खेला गया। टॉस जीतकर विजनरी-11 ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दुमका रॉयल्स की टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 192 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से आनंद दुबे ने सर्वाधिक 58 रन बनाए। विजनरी-11 की ओर से संजय सुरीन, ऋषि शर्मा और मोहित कुमार सिंह ने 2-2 विकेट हासिल किए।लक्ष्य का पीछा करने उतरी विजनरी-11 की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की ओर से शिवांश यादव ने 60 गेंदों में 123 रनों की विस्फोटक शतकीय पारी खेली।शानदार प्रदर्शन के लिए शिवांश यादव को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। उन्हें मनीष शर्मा द्वारा मोमेंटो और 1000 रुपये नगद देकर सम्मानित किया गया।दिन का दूसरा मुकाबला अशोका लायंस और एम एंड एस-11 के बीच खेला गया। टॉस जीतकर एम एंड एस-11 ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अशोका लायंस की टीम ने 17 ओवर में 10 विकेट खोकर 127 रन बनाए। टीम की ओर से रोहित राज ने 21 गेंदों पर 31 रन बनाए। एम एंड एस-11 के गेंदबाज आशीष कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके।जवाब में एम एंड एस-11 की टीम ने 10.4 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की ओर से सूरज पाठक ने 29 गेंदों पर 59 रन और विक्की कुमार ने 23 गेंदों पर 51 रन बनाकर टीम को आसान जीत दिलाई।बेहतरीन गेंदबाजी के लिए आशीष कुमार को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। उन्हें जिला क्रिकेट संघ, दुमका के अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष द्वारा संयुक्त रूप से मोमेंटो और 1000 रुपये नगद देकर सम्मानित किया गया।मैच में निर्णायक की भूमिका जेएससीए से नियुक्त राजेश्वर सिंह एवं संजीव रंजन ने निभाई। स्कोरर के रूप में प्रदीप कुमार, जबकि कमेंटेटर की भूमिका अतुल झा और रोहित ने निभाई।इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ, दुमका के सचिव कुणाल झा, सह सचिव विश्वजीत चटर्जी, सहायक सचिव दिवाकर शर्मा, कार्यसमिति सदस्य आनंद कश्यप 'मोंटी' सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे ।

बिजली दर वृद्धि के विरोध में दुमका में भाजपा का जोरदार धरना-प्रदर्शन

दुमकाः झारखंड सरकार द्वारा बिजली दर में की गई भारी वृद्धि के विरोध में शुक्रवार को दुमका भाजपा ने जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल के नेतृत्व में महुआडंगाल स्थित बिजली विभाग कार्यालय के समक्ष जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और आम नागरिक मौजूद रहे तथा राज्य सरकार के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व सांसद अभयकांत प्रसाद, पूर्व सांसद सुनील सोरेन और जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री मृणाल मिश्रा ने किया।धरने को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद अभयकांत प्रसाद ने राज्य सरकार को जनविरोधी और असंवेदनशील बताते हुए कहा कि चुनाव के समय किए गए वादों से जनता को भ्रमित कर सत्ता में आई सरकार अब बिजली दर में बेतहाशा वृद्धि कर आम जनता की कमर तोड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 200 यूनिट मुफ्त बिजली का झूठा सपना दिखाकर अब बढ़े हुए दर के माध्यम से वसूली की जा रही है, जो जनता के साथ धोखा है।पूर्व सांसद सुनील सोरेन ने कहा कि राज्य की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। लगातार बिजली कटौती, जले हुए ट्रांसफार्मरों का समय पर नहीं बदला जाना और स्मार्ट मीटर के नाम पर आर्थिक शोषण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को एकमुश्त भारी-भरकम बिल देकर परेशान किया जा रहा है, जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। भाजपा इस मुद्दे को सड़क से सदन तक उठाएगी।

वहीं, जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर ने कहा कि बिजली दर में वृद्धि से किसान, गरीब और छोटे व्यवसायी सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति यूनिट 50 पैसे और शहरी क्षेत्रों में 55 पैसे की वृद्धि ने आम जनजीवन को संकट में डाल दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस निर्णय को वापस नहीं लिया तो भाजपा पूरे राज्य में उग्र आंदोलन करेगी।जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल ने कहा कि यह आंदोलन जनता की आवाज है और सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखेगी।

भाजपा की प्रमुख मांगें

- बढ़े हुए बिजली दर को अविलंब वापस लिया जाए।
- राज्य में 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।
- जले हुए ट्रांसफार्मरों को तत्काल बदला जाए।
- मरम्मत के नाम पर बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित करना बंद किया जाए।
- स्मार्ट मीटर के नाम पर हो रही लूट पर रोक लगाई जाए।

धरना-प्रदर्शन में जरमुंडी के विधायक देवेंद्र कुंवर, जिलाध्यक्ष रूपेश कुमार मंडल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभयकांत प्रसाद, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील सोरेन, पूर्व प्रदेश मंत्री रवि कांत मिश्रा, अमिता रक्षित, पवन केशरी, सोनी हेमब्रम, मनोज पांडे, मृणाल मिश्रा, धर्मेंद्र सिंह, गायत्री जयसवाल, अनिता देवी, कालेश्वर लायक, रघुनाथ रजक, श्रीधर दास, नवल किस्कु, पंकज वर्मा, दिप्तांशु कोचगवे, गनपति पाल, सुभाष यादव, मनीष कुमार, दिनेश सिंह, राजू पुजहर, प्रवीण सिंह, जितेंद्र कुमार, तरुण कुमार मंडल, सुजीत यदुवंशी, रवि राउत, नंद किशोर मंडल, संतोष कुमार, विजय ठाकुर, बसुदेव झा, राजेश वर्मा, अजय वर्मा, अखिलेश्वर सिंह, दुर्योधन राय, सुदीप राउत, राम कुमार साह, कामेश्वर मंडल, सुबोध मंडल, ओम केशरी, कृष्णा किशोर, हेमंत साह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

99 ग्रुप ,स्पोर्ट्स चैंपियंस ट्रॉफी 2026" का आयोजन

धनबाद , जिले में खेल प्रेमियों और बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। शहर में पहली बार इतने भव्य स्तर पर बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। 99 ग्रुप स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित "चैंपियंस ट्रॉफी 2026" को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। जिसे लेकर खेल जगत और खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। ज्ञात हो कि यह बहुप्रतीक्षित प्रतियोगिता 17 अप्रैल से 19 अप्रैल 2026 तक आयोजित होगी। आयोजन स्थल 99 ग्रुप स्पोर्ट्स बैडमिंटन एक्सीलेंस एकेडमी, मेमको मोड़, धनबाद रखा गया है। तीन दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में जिले और आसपास के क्षेत्रों से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी उत्कृष्ट खेल क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।99 ग्रुप के सी एम डी श्याम पांडेय, वाईस प्रेसीडेंट महेश मोदी , 99 ग्रुप के चीफ एग्जीक्यूटिव अफसर राम प्रताप सिंह और बैडमिंटन एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट राकेश तिवारी का कहना है कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य स्थानीय खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और बैडमिंटन खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। इस आयोजन के माध्यम से युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ेगी और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतरीन अवसर मिलेगा। धनबाद वासी को भी इस आयोजन में विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। ताकि इस खेल महोत्सव का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके । साथ ही खिलाड़ियों का मनोबल भी बढ़ाया जा सके। तीन दिनों तक चलने वाले इस बैडमिंटन महाकुंभ में रोमांचक मुकाबले भी देखने को मिलेंगा।

दुमका में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बाजार, ऋण व योजनाओं की दी गई जानकारी

औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने पर जोर, 'पलाश मार्ट' बनेगा मजबूत मंच

दुमकाःझारखंड सरकार के उद्योग विभाग एवं झारखंड औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम के संयुक्त तत्वावधान में विश्व बैंक समर्थित "एमएसएमई प्रदर्शन को बढ़ावा एवं तीव्र करने" कार्यक्रम के अंतर्गत दुमका जिले में महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन होटल युवराज पैलेस, गिलानपाड़ा में किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिले की महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ना है।

उन्होंने कहा कि बाजार से जोड़ने, ऋण उपलब्ध कराने एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में "पलाश मार्ट" के निर्माण के बाद महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के विपणन के लिए एक सशक्त मंच मिलेगा।यह कार्यशाला मुख्य रूप से वर्तमान एवं संभावित महिला उद्यमियों तथा स्व-सहायता समूहों की उन सदस्याओं के लिए आयोजित की गई थी, जो उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इसके साथ ही अपंजीकृत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, छोटे व्यवसाय के संचालक एवं उद्यमिता में रुचि रखने वाले युवाओं को भी इसमें शामिल किया गया।कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम से संबंधित विभिन्न योजनाओं, व्यवसाय विस्तार, वित्तीय साक्षरता तथा उद्यम पंजीकरण के लाभों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

इससे जिले में औपचारिक महिला उद्यम इकाइयों की संख्या में वृद्धि होने की संभावना जताई गई।

कार्यक्रम के दौरान "एमएसएमई प्रदर्शन संवर्धन कार्यक्रम" एवं उद्यम पारिस्थितिकी तंत्र पर जागरूकता, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम तथा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना जैसी योजनाओं की जानकारी, व्यवसाय योजना निर्माण, वित्तीय प्रबंधन तथा बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के माध्यम से ऋण सुविधा से संबंधित महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए।इस अवसर पर जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक दास कुमार एक्का, जिला कृषि पदाधिकारी निशा कुल्लु, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (जेएसएलपीएस), श्रम अधीक्षक सूरज हांसदा, अग्रणी जिला प्रबंधक आशुतोष कुमार, व्यवसाय सुगमता प्रबंधक मनोज कुमार प्रामाणिक, प्रखंड उद्यमी समन्वयक, मुख्यमंत्री लघु कुटीर एवं उद्यम विकास बोर्ड सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं महिला उद्यमी उपस्थित थीं।

स्कूली बसों में सुरक्षा की अनदेखी से बच्चों पर खतरा – हालिया घटनाओं के बाद झारखंड पेरेंट्सः एसोसिएशन का कड़ा रुख

रांचीः रांची जिले में लगातार सामने आ रही आपराधिक घटनाओं, विशेषकर नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म जैसी जघन्य घटनाओं ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। इन घटनाओं के बीच स्कूली बसों एवं वैन में बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हाल ही में सामने आए मामलों में एक आरोपी का स्कूल वैन चालक होना अत्यंत चिंताजनक है। यह न केवल कानून-व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है, बल्कि स्कूल परिवहन व्यवस्था में भारी लापरवाही को भी उजागर करता है।उन्होंने बताया कि चार दिन पूर्व ही झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन की ओर से उपायुक्त, रांची को ज्ञापन सौंपकर स्कूल बस एवं वैन चालकों के अनिवार्य पुलिस वेरिफिकेशन तथा सुरक्षा मानकों की जांच की मांग की गई थी। इसके बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं होना गंभीर चिंता का विषय है।अजय राय ने कहा कि वर्तमान में अधिकांश स्कूली बसें केवल ड्राइवर एवं खलासी के भरोसे संचालित हो रही हैं, जबकि कई वैन सिर्फ चालक के सहारे चल रही हैं। यह स्थिति बच्चों की सुरक्षा के साथ सीधा समझौता है और किसी भी समय बड़ी घटना को आमंत्रित कर सकती है।उन्होंने यह भी कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं परिवहन विभाग के स्पष्ट दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक स्कूली वाहन में एक जिम्मेदार शिक्षक/शिक्षिका या अधिकृत स्टाफ की उपस्थिति अनिवार्य है, लेकिन जमीनी स्तर पर इन नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

उदय प्रताप सिंह ने हर्ष को दसवीं बोर्ड परीक्षा में जिला टॉपर बनने पर किया सम्मानित

धनबाद : कुसुम बिहार कालोनी निवासी उमेश तिवारी के पुत्र, डीएवी मॉडल स्कूल सीएफआरआई डिगवाडीह के छात्र हर्ष कों दसवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में 98.8% अंक प्राप्त कर शानदार, गर्वपूर्ण सफलता हासिल करने के उपलक्ष्य में श्री रामसेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह के नेतृत्व में झारखंड अभिभावाक संघ के अध्यक्ष पप्पू सिंह,एयरपोर्ट मिशन के परवीन गोधा, अविनाष पांडे, सत्येंद्र नाथ तिवारी इत्यादि ने हर्ष को अंग वस्त्र तथा मिठाई खिलाकर आशीर्वाद दिया और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। बता दें हर्ष धनबाद जिले में जिला टॉपर बने हैं और राज्य में पांचवा स्थान हासिल किया है।उदय प्रताप सिंह ने कहा कि हर्ष ने अपने परिवार के साथ पूरे धनबाद और झारखंड का मान बढ़ाया है यह उसकी मेहनत,अनुशासन,परिवार के सकारात्मक माहौल और पढ़ाई के प्रति पूर्ण समर्पण का परिणाम है।

7 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से बने भव्य इको पार्क का हुआ उद्घाटन

गिरिडीह : जिले के जमुआ प्रखंड में आज 50 एकड़ क्षेत्र में फैले 7 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से बने भव्य इको पार्क का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मंजू कुमारी और जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी सहित कई जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लोजपा प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार राज, जिला परिषद सदस्य कुमारी प्रभा वर्मा, वन पदाधिकारी और अन्य गणमान्य लोग भी शामिल हुए। इस पार्क के बनने से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को प्रकृति के बीच मनोरंजन और घूमने के लिए एक नया सुंदर स्थान उपलब्ध हुआ है। स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल देखने को मिला।

96.4% अंक लाकर अंशिका श्रीवास्तव ने किया नाम रोशन

गिरिडीह : सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में एस.एस.वी.एम विद्यालय की छात्रा अंशिका श्रीवास्तव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 96.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने विद्यालय और परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। अंशिका की इस उपलब्धि से विद्यालय में खुशी का माहौल है। अमीत कुमार की पुत्री अंशिका श्रीवास्तव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और नियमित अध्ययन को दिया। उन्होंने बताया कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और सही मार्गदर्शन ही सफलता की कुंजी है। विद्यालय प्रबंधन ने अंशिका की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

नारी शक्ति वंदन अधिनियमः कायस्थ महासभा की महिलाओं ने भरी हुंकार

गिरिडीह : गिरिडीह के अरघा घाट स्थित डॉ. पुष्पा सिन्हा के निवास पर 15 अप्रैल 2026 को महिलाओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के प्रति महिलाओं ने एकजुट होकर पुरजोर समर्थन व्यक्त किया। सभा में उपस्थित महिलाओं ने सितंबर 2023 में पेश किए गए इस अधिनियम को जल्द से जल्द पूर्ण रूप से लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विधानसभा और राज्यसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने से महिलाएं अब केवल सहयोगी की भूमिका तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि नेतृत्व की मुख्य धारा में शामिल होकर देश के विकास को नई दिशा देंगी। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि इतिहास गवाह है—जब-जब महिलाओं को अवसर मिला है, उन्होंने हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं। ऐसे में यह अधिनियम न सिर्फ नारी सशक्तिकरण को मजबूती देगा, बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव भी रखेगा। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने एक स्वर में कहा कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' समाज में समानता, भागीदारी और सशक्तिकरण का मजबूत आधार बनेगा तथा आने वाले समय में यह देश की प्रगति का महत्वपूर्ण स्तंभ साबित होगा।

नारी विरोधी विपक्ष का घिनौना चेहरा देश के सामने-मैथिली ठाकुर

पटना, (ईएमएस)। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर हुई वोटिंग (पक्ष में 298, विरोध में 230) ने विपक्ष की नारी विरोधी मानसिकता को पूरी तरह उजागर कर दिया है। यह स्पष्ट हो गया है कि विपक्ष के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण सिर्फ एक राजनीतिक नारा है, वास्तविक प्रतिबद्धता नहीं। विधायक मैथिली ठाकुर ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, "महिला आरक्षण बिल का विरोध करना देश की आधी आबादी के अधिकारों पर सीधा और खुला हमला है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो लोग नारी सम्मान की बात करते हैं, वही संसद में महिलाओं के अधिकारों के खिलाफ खड़े हो जाते हैं।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं, लेकिन विपक्ष हमेशा ऐसे प्रयासों में बाधा डालता रहा है। मैथिली ठाकुर ने आगे कहा, "विपक्ष का असली चेहरा अब देश की हर महिला के सामने आ चुका है। यह केवल सत्ता की राजनीति करने वाले लोग हैं, जिन्हें महिलाओं के अधिकारों और उनके भविष्य की कोई चिंता नहीं है।" उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय जनता पार्टी महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और आगे भी इस दिशा में निरंतर कार्य करती रहेगी।

सृजन साथी जनसंपर्क अभियान'' की शुरुआतः बिहार कांग्रेस बनाएगी पारदर्शी और मजबूत डिजिटल संगठन

डिजिटल सिस्टम से जमीनी कार्यकर्ताओं को सीधे नेतृत्व से जोड़ेगी बिहार कांग्रेस- राजेश राम

पटना, (ईएमएस)। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से "सृजन साथी जनसंपर्क अभियान" नामक विशेष डिजिटल ड्राइव की शुरुआत की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य लक्ष्य पार्टी के नेतृत्व और सांगठनिक पदों को सीधे जमीनी कार्यकर्ताओं और आम जनता से जोड़ना है, ताकि संगठनात्मक ढांचा अधिक सशक्त और लोकतांत्रिक बन सके। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम पटना में शुक्रवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि इस अभियान के तहत इच्छुक लोग "सृजन साथी" के रूप में पंजीकरण कर कांग्रेस की विचारधारा और संगठनात्मक गतिविधियों से जुड़ सकेंगे। सृजन साथी बनने के लिए आवेदक का बिहार का पंजीकृत मतदाता होना और उसकी आयु न्यूनतम 18 वर्ष होना अनिवार्य है। साथ ही आवेदक किसी अन्य राजनीतिक दल का सदस्य नहीं होना चाहिए तथा पार्टी के संविधान और विचारधारा में उसका पूर्ण विश्वास होना चाहिए। उन्होंने बताया कि पंजीकरण के लिए वैध वोटर आईडी और एक ताज़ा लाइव फोटो अनिवार्य होगा। इस जनसंपर्क अभियान के तहत 50 रूपये का शुल्क निर्धारित किया गया है, जिसकी वैधता सामान्यतः 5 वर्ष तक रहेगी। राजेश राम ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से पार्टी ने संगठनात्मक पदों के लिए भी स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए हैं। इसके तहत बिहार के सभी 53 सांगठनिक जिलों के जिला अध्यक्षों को अभियान की पूरी जिम्मेदारी दी गई है। प्रत्येक जिला अध्यक्ष को स्वयं 2,000 सृजन साथी बनाने होंगे और अपने जिले में ब्लॉक एवं प्रदेश स्तर के दावेदारों द्वारा तय लक्ष्यों की निगरानी करनी होगी। इसी प्रकार ब्लॉक अध्यक्ष पद के दावेदारों के लिए कम से कम 200 सृजन साथी बनाना अनिवार्य किया गया है। वहीं प्रदेश स्तर के पदों के लिए भी लक्ष्य तय किए गए हैं, जिनके अनुसार प्रदेश उपाध्यक्ष पद के दावेदार को 3,000 सृजन साथी बनाना, महासचिव पद के दावेदार को 2,000 सृजन साथी बनाना, प्रदेश सचिव के लिए 1000 सृजन साथी बनाना और जिला में पदाधिकारी बनने के लिए 200 सृजन साथी बनाना होगा। साथ ही इस अभियान में महिला, ओबीसी, इबीसी, अल्पसंख्यक, एससी, एसटी समेत दिव्यांग के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई हैं।प्रदेश कांग्रेस एवं अन्य सभी समितियों के सांगठनिक ढांचे में 50 प्रतिशत सदस्य 50 वर्ष से कम आयु के होंगे ताकि नए लोगों को,युवाओं को भरपूर मौका मिल सके। राजेश राम ने बताया कि सृजन साथी बनने के लिए इच्छुक लोगों को प्ले स्टोर से बीपीसीसी एप डाउनलोड कर उसके माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन करना होगा। इस ऐप के जरिए कार्यकर्ता और समर्थक सीधे संगठन से जुड़ सकेंगे तथा पार्टी की गतिविधियों, कार्यक्रमों और अभियानों की जानकारी समय-समय पर प्राप्त कर सकेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि "सृजन साथी जनसंपर्क अभियान" संगठन को डिजिटल रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ कार्यकर्ताओं को सीधे नेतृत्व से जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से कांग्रेस का सांगठनिक ढांचा और अधिक पारदर्शी, सक्रिय और जनआधारित बनेगा तथा पार्टी को जमीनी स्तर पर नई ऊर्जा मिलेगी। संवाददाता सम्मेलन में मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, पार्टी के वरिष्ठ नेता असितनाथ तिवारी, बैद्यनाथ शर्मा, प्रेमचन्द्र सिंह एवं डॉ.अमन कुमार मौजूद थे।

भीषण गर्मी को देखते हुए समाजसेवी सुमंत पांडे ने उपायुक्त से की चापाकल की मांग

गिरिडीह : भीषण गर्मी को देखते हुए समाजसेवी सुमंत पांडे ने गिरीडीह उपायुक्त से मिलकर कहा कि गिरीडीह जिले में सभी जगह चापाकल न रहने से पेयजल समस्या उत्पन्न हो गई है। लाखों की आबादी वाले इस जिले में चापाकल न रहने की वजह से ग्रामीण इस भीषण गर्मी में पानी के लिए यत्र-तत्र भटकते हैं। गर्मी का पारा चरम पर है। चिलचिलाती धूप से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया है। तपिश भरी गर्मी के बावजूद प्रशासन ग्रामीणों को मूलभूत आवश्यकता पेयजल भी मुहैया नहीं करा पा रहा है। जिले के विभिन्न पंचायतों में खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत नहीं होने से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्या उत्पन्न हो रही है। समाजसेवी सुमंत पांडे ने गिरीडीह उपायुक्त से मांग की है कि सभी जगहों पर नए चापाकल और जो पुराने चापाकल बंद पडे है उन सभी का मरमत करा कर ग्रामीणों के बीच पानी मुहैया कराने की कष्ट करें।

बिहार में ''जनता दरबार'' कार्यक्रम को फिर से शुरू करने का फैसला

पटना, (ईएमएस)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तर्ज पर "जनता दरबार" कार्यक्रम को फिर से शुरू करने का फैसला लिया है। इस पहल को सरकार और जनता के बीच दूरी कम करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। दरअसल, नीतीश कुमार के कार्यकाल में "जनता के दरबार में मुख्यमंत्री" कार्यक्रम काफी लोकप्रिय रहा था। इस मंच के जरिए आम लोग सीधे मुख्यमंत्री के सामने अपनी समस्याएं रखते थे और मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहते थे। इससे शिकायतों का त्वरित समाधान संभव हो पाता था और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता भी बढ़ती थी। हालांकि कुछ निजी वजहों से इस कार्यक्रम को रोक दिया गया था। लेकिन अब सरकार बदली है तो इसे फिर से शुरू किया जा रहा है। अब सम्राट चौधरी के सीएम बनते ही उन्होंने जनता दरबार लगाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी इसी मॉडल को अपनाते हुए जनता दरबार लगाने की तैयारी में जुट गए हैं।

नए सीएम सम्राट चौधरी को जान से मारने की धमकी देने वाला गुजरात से गिरफ्तार

पटना,(ईएमएस)। बिहार के नए सीएम सम्राट चौधरी को जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को पुलिस ने गुजरात से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान बांका के मूल निवासी शेखर यादव के रूप में हुई है। मुंगेर पुलिस उसे ट्रांजिट रिमांड लेकर बिहार ला रही है। इस खबर के सामने आने के बाद राज्य के पुलिस महकमे में खलबली मच गई है। धमकी दिए जाने के बाद बिहार पुलिस कांड दर्ज करके गुप्त तरीके से छानबीन कर रही थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी गुजरात में रहकर मजदूरी कर रहा था। वह बांका जिले का रहने वाला है। उसके मोबाइल से सीएम को जान से मार देने की धमकी दी गई थी। वैज्ञानिक जांच में धमकी देने वाले नंबर के मोबाइल का टावर लोकेशन गुजरात मिला। बिहार पुलिस ने गुजरात जाकर अहमदाबाद पुलिस से संपर्क किया और फिर मोबाइल नंबर का लोकेशन ट्रैक करते हुए आरोपी को दबोच लिया। कानूनी कार्रवाई के बाद उसे बिहार लाया जा रहा है। पुलिस आरोपी शेखर यादव को लेकर अहमदाबाद से मुंगेर के लिए रवाना हो चुकी है। पुलिस पता लगाया रही है कि शेखर ने सीएम सम्राट चौधरी को धमकी क्यों दी। क्या उसके पीछे कोई और है या उसने खुद अपने स्तर से ऐसा काम किया है? यह भी जानना जरूरी हो गया है कि इसके पीछे किसी गैंग का हाथ तो नहीं है। बता दें दो दिन पहले ही सम्राट चौधरी ने बिहार सीएम के रूप में शपथ ली है। बिहार का गृहमंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी ने कानून व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए अपराधियों को कड़ी चेतावनी दी थी। इसका काफी असर भी दिखा। बड़ी संख्या बदमाशों को पुलिस ऑपरेशन लंगरा चलाकर शांत कर दिया। वैशाली में सोना लूट के कुख्यात को मार गिराया।

उपाध्यक्ष विजय यादव ने धनबाद उपायुक्त और उप विकास आयुक्त से क्षेत्र की महत्वपूर्ण समस्याओं से संबंधित विषयों पर चर्चा की

चिरकुंडा : चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष विजय यादव ने धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन एवं उप विकास आयुक्त सनी राज से शिष्टाचार मुलाकात कर क्षेत्र की महत्वपूर्ण समस्याओं एवं विकास कार्यों से संबंधित विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। मुलाकात के दौरान उन्होंने चिरकुंडा नगर परिषद अंतर्गत अवस्थित कापासरा/सुंदरनगर स्थित बराकर नदी के बालू घाट की वर्तमान कैटेगरी से अवगत कराते हुए बालू घाट की निविदा करने का आग्रह किया। साथ ही नगर विकास एवं आवास विभाग की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही भूमि संबंधी समस्याओं को रखते हुए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, ताकि क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिल सके। इसी क्रम में,डीएमएफटी मद से चिरकुंडा के विभिन्न वार्डों में प्रस्तावित बड़ी एवं छोटी विकास योजनाओं के संदर्भ में उप विकास आयुक्त सनी राज से भी विस्तृत चर्चा किया एवं शीघ्र स्वीकृति हेतु आग्रह किया गया। उप विकास आयुक्त महोदय द्वारा सभी प्रस्तावित योजनाओं को एक माह के भीतर पूर्ण कराने का आश्वासन दिया गया, जिससे क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर पूर्व उपाध्यक्ष वरुण दे भी उपस्थित रहे। चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर किए जा रहे इन प्रयासों से नगर में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा आम जनता को इसका सीधा लाभ प्राप्त होगा।

भीषण गर्मी में बिजली कटौती के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

गिरिडीह : भीषण गर्मी और लगातार बढ़ रही बिजली कटौती के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्यव्यापी आंदोलन के तहत बुधवार को गिरिडीह के डंडीडीह विद्युत सब स्टेशन परिसर में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। शहर के विद्युत कार्यालय के समीप आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना के दौरान भाजपा नेताओं ने कहा कि एक ओर तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे आम लोग गर्मी से बेहाल हैं, वहीं दूसरी ओर बिजली की अनियमित आपूर्ति ने लोगों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता को राहत देने के बजाय अपनी नीतियों से अतिरिक्त बोझ डाल रही है। भाजपा के जिला अध्यक्ष रंजीत राय ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर के नाम पर आम जनता से ठगी की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं के बिजली बिल में अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोग खासे परेशान हैं। उन्होंने बिजली दरों में तत्काल कटौती की मांग की। इसके साथ ही नेताओं ने लगातार हो रही बिजली कटौती और अनियमित आपूर्ति को गंभीर समस्या बताते हुए इसे जल्द सुधारने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने अपनी तीन सूत्री मांगों से संबंधित ज्ञापन विद्युत विभाग के अधिकारियों को सौंपा। इस अवसर पर ग्रामीण जिला अध्यक्ष महेंद्र वर्मा, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सालनी वेशकियार, पूर्व जिलाध्यक्ष महादेव दूबे समेत कई अन्य भाजपा नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती पर माल्यार्पण कर दी गई श्रद्धांजलि

पटना, (ईएमएस)। राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय पटना में शुक्रवार को समाजवादी नेता, पूर्व प्रधानमंत्री एवं युवा तुर्क स्वर्गीय चन्द्रशेखर जी की जयन्ती मनायी गयी। इस अवसर पर चन्द्रशेखर जी के तैलचित्र पर राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल सहित उपस्थित नेताओं ने माल्यार्पण कर उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर चन्द्रशेखर जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा कि चन्द्रशेखर जी की राजनीति समाजवादी आन्दोलन से प्रारंभ हुई। वे आचार्य नरेन्द्र देव एवं लोकनायक जयप्रकाश नारायण के विचारों से काफी प्रभावित थे। और प्रखर वक्ता भी थे तथा उनकी बात को संसद में सभी सांसद पुरे धैर्य के साथ शान्तिपूर्वक सुनते थे। वे आम और खास में फर्क नहीं करते थे, और सभी लोगों को एक नजरिये से देखते थे। 1991 में जब नयी आर्थिक नीति देश में लागू हुई तो इस नीति से पड़नेवाले कुप्रभाव से देश को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय चन्द्रशेखर जी ने राजसत्ता से ज्यादा महत्व लोकसत्ता को दिया। इस अवसर पर उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव बिनु यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी शैलेंद्र कुमार सिंह, अरविंद कुमार सहनी, राजेश यादव, प्रदेश महासचिव निर्भय कुमार अंबेडकर, मदन शर्मा, हरेंद्र कुशवाहा,संजय यादव, मुकुंद सिंह, ई अशोक यादव, प्रमोद कुमार राम, मनोज कुमार सिंह, डॉ.प्रेम कुमार गुप्ता, श्याम नंदन पासवान, कुमर राय, महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी, राजेश पाल, डॉ.बी एल यादव, सरदार रणजीत सिंह, उपेंद्र चंद्रवंशी, खालिद नसीरुद्दीन, रीना चौधरी, गणेश कुमार यादव, विमल राय, संजय यादव, गुड्डू यादव, दिनेश कुमार राम, ई संजय कुमार, डॉ.राजेश यादव, प्रणव कश्यप, बिंदन यादव, नीतू कुमारी, सुरेंद्र प्रसाद यादव, संजय कुमार वर्मा, गजेंद्र कुमार सहित अन्य गणमान्य नेताओं ने उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित की।

निशांत कुमार की अगुवाई में जद (यू) प्रवक्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक

- लोगों के बीच ''जय निशांत, तय निशांत'' के नारे के साथ जाएगी जदयू

पटना, (ईएमएस)। शुक्रवार को जनता दल (यू0) प्रदेश कार्यालय, पटना में निशांत कुमार ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा के साथ पार्टी प्रवक्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के दौरान पार्टी की आगामी रणनीतियों एवं समसामयिक मुद्दों पर विस्तृत और गहन विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के दो दशकों के ऐतिहासिक कार्यों एवं उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुँचाने की रूपरेखा पर विशेष चर्चा हुई। उन्होंने पार्टी की नीतियों एवं उपलब्धियों को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने पर बल दिया। निशांत कुमार ने पार्टी प्रवक्ताओं के साथ बैठक के दौरान यह निर्देश दिया कि हमारी पार्टी सभी तबकों का सम्मान करती है एवं किसी भी धार्मिक एवं सामाजिक समूह की भावना आहत न हो, यह हमारे नेता नीतीश कुमार एवं जद(यू) की नीति रही है। बैठक के दौरान पार्टी प्रवक्ताओं ने निशांत कुमार से आग्रह किया कि वे लोगों के बीच ''जय निशांत, तय निशांत'' के नारे के साथ जाना चाहते हैं। प्रदेश प्रवक्ताओं ने इस नारे को लेकर उनसे सहमति भी मांगी। इस अवसर पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद, विधान पार्षद सह मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार, विधायक शालिनी मिश्रा, प्रदेश प्रवक्ता डॉ.निहोरा प्रसाद यादव, प्रदेश प्रवक्ता नवल शर्मा, परिमल कुमार, हिमराज राम, अंजुम आरा, डॉ. भारती मेहता, अरविंद निषाद, डॉ. अनुप्रिया यादव, जितेंद्र कुमार, मनीष यादव, अजित पटेल एवं प्रदेश महासचिव मनीष कुमार सहित पार्टी के अन्य नेता उपस्थित रहे। बैठक के बाद निशांत कुमार ने पार्टी कार्यालय में विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात की एवं उनका हाल-चाल जाना।

एनडीए सरकार अपने वादे अनुसार चौथे चरण में 1.20 लाख शिक्षकों की बहाली नोटिफिकेशन जारी करे- अरुण यादव

पटना, (ईएमएस)। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने कहा कि बिहार की एनडीए सरकार ने चौथे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-4) को पिछले दो वर्षों से लटकाये हुए है। जबकि शिक्षक बहाली की मांग को लेकर शिक्षक अभ्यर्थी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। राजद प्रवक्ता ने कहा कि बीपीएससी ने दो-तीन दिन के अंदर टीआरई-4 के तहत नोटिफिकेशन जारी करने की संभावना व्यक्त किया है। ऐसे में एनडीए सरकार को अपने वादे अनुसार चौथे चरण में 1.20 लाख शिक्षकों की बहाली को लेकर नोटिफिकेशन जारी करना चाहिए। राजद प्रवक्ता ने कहा कि सम्राट चौधरी और नीतीश कुमार ने कई बार चौथे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-4) के तहत 1.20 लाख बहाली का ऐलान कर चुके हैं। सरकार ऐसे में 1.20 लाख से कम 45 से 46 हजार ही शिक्षकों की बहाली निकालने की बात कर शिक्षक अभ्यर्थियों के साथ क्रूर मजाक कर रही है। तेजस्वी यादव जी ने 17 माह के सेवा काल में 5 लाख नौजवानों को नौकरी देकर एक कीर्तिमान स्थापित किया था।

पूर्व मध्य रेल महाप्रबंधक ने किया व्यापक निरीक्षण

- डीडीयू से डगमगपुर तक चल निरीक्षण यान से लिया मार्ग का जायजा

- फ्रेट कॉरिडोर कनेक्टिविटी, रनिंग रूम एवं क्रू लॉबी का भी निरीक्षण

हाजीपुर, (ईएमएस)। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा शुक्रवार दिनांक 17 अप्रैल को श्रमजीवी एक्सप्रेस से पटना-डीडीयू रेलखंड विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने रेलखंड के मध्य स्टेशनों, रेल पुलों, रेलवे ट्रैक सहित संरक्षा से जुड़े पहलुओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक महोदय ने संरक्षा पर विशेष बल देते हुए इसके प्रति हमेशा चौकसी बरतने का निर्देश दिया । इसके उपरांत उन्होंने डीडीयू जंक्शन से परख निरीक्षण यान द्वारा चल निरीक्षण प्रारंभ किया गया। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि महाप्रबंधक द्वारा डीडीयू जंक्शन से चुनार तक भारतीय रेल के पारंपरिक रेलमार्ग पर तथा इसके उपरांत चुनार से न्यू डगमगपुर स्टेशन तक पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी) रेलखंड का निरीक्षण किया गया तथा वहां से वापसी में भी फ्रेट कॉरिडोर लाइन से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने मार्ग पर उपलब्ध रेल अवसंरचना, ट्रैक, सिग्नल व्यवस्था एवं परिचालन संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। साथ ही डीडीयू क्षेत्र से विभिन्न स्थानों पर भारतीय रेल एवं डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के मध्य कनेक्टिविटी, लिंक व्यवस्था तथा समन्वित परिचालन से जुड़े पहलुओं का भी जायजा लिया गया। डीडीयू जंक्शन क्षेत्र से पटना दिशा की ओर गुजरने वाली प्रस्तावित तीसरी एवं चौथी लाइन के एलाइनमेंट तथा संबंधित कार्यों को लेकर भी जायजा लिया गया। इसके उपरांत महाप्रबंधक ने न्यू डीडीयू जंक्शन स्थित डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के नवनिर्मित रनिंग रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान रनिंग स्टाफ हेतु उपलब्ध विश्राम कक्ष, स्वच्छ आवासीय व्यवस्था, भोजन कक्ष तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का अवलोकन किया गया। साथ ही न्यू डीडीयू जंक्शन स्थित क्रू लॉबी का भी निरीक्षण कर वहां की कार्य प्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के अंत में महाप्रबंधक महोदय द्वारा न्यू डीडीयू जंक्शन से न्यू गंजख्वाजा तक फ्रेट कॉरिडोर लाइन से निरीक्षण किया गया तथा वहां से भारतीय रेल के पारंपरिक ट्रैक से डीडीयू जंक्शन तक रेलखंड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डीडीयू मंडल के मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना सहित मंडल के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम बंगाल में आज फिर होगी सीएम योगी की सभायें और रोड शो

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक बार फिर पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने के लिए उतरेंगे। शनिवार को वे उत्तर से दक्षिण तक तीन जिलों में लगातार जनसभाएं और रोड शो कर पार्टी के पक्ष में माहौल बनाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सबसे पहले कूचबिहार जिले के माथाभांगा विधानसभा क्षेत्र में दोपहर 12 बजे जनसभा को संबोधित करेंगे। यहां वे भाजपा प्रत्याशी निशीथ प्रमाणिक के समर्थन में जनता से संवाद करेंगे।
सीमावर्ती इस क्षेत्र में पार्टी अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में है और योगी की सभा को इस दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके बाद मुख्यमंत्री जलपाईगुड़ी जिले के धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्र पहुंचेंगे, जहां दोपहर 1रू20 बजे भाजपा उम्मीदवार नरेश चंद्र रॉय के समर्थन में जनसभा करेंगे। उत्तर बंगाल में पिछले चुनावों में मिली बढ़त को और मजबूत करने पर पार्टी का विशेष फोकस है। दिन के अंतिम चरण में मुख्यमंत्री बांकुड़ा पहुंचेंगे, जहां शाम 4:15 बजे भाजपा प्रत्याशी नीलाद्रि शेखर दाना के समर्थन में रोड शो करेंगे। जंगलमहल क्षेत्र के इस अहम जिले में इस रोड शो को शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है और स्थानीय स्तर पर इसकी व्यापक तैयारियां की गई हैं।

राज्यसभा में राघव चड्ढा ने आप पर कसा तंज, बोले- मैं हाल ही में हटाया गया उपनेता हूं

नई दिल्ली,(ईएमएस)। राज्यसभा में शुक्रवार को एक दिलचस्प राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, जब आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने सदन में बोलते हुए अपनी ही पार्टी पर तंज कस दिया। उन्होंने कहा कि वह "हाल ही में हटाए गए उपनेता" हैं और इसके बावजूद सदन में मौजूद हैं, जबकि उनकी पार्टी के अन्य प्रमुख नेता अनुपस्थित हैं। सांसद चड्ढा ने यह टिप्पणी उस समय की, जब राज्यसभा में हरिवंश नारायण सिंह को लगातार तीसरी बार उपसभापति चुने जाने पर अभिनंदन प्रस्ताव पर चर्चा चल रही थी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के नेता और नवनियुक्त उपनेता सदन में मौजूद नहीं हैं, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से उन्होंने संजय सिंह और अशोक कुमार मित्तल पर निशाना साधा। इस दौरान चड्ढा ने उपसभापति को बधाई देते हुए उन्हें बोलने का अवसर देने के लिए धन्यवाद भी दिया। उनका यह बयान पार्टी के भीतर हालिया मतभेदों की ओर इशारा करता है, जो सार्वजनिक रूप से भी चर्चा में रहे हैं। उधर, राज्यसभा में हरिवंश नारायण सिंह को निर्विरोध उपसभापति चुना गया। उनके समर्थन में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन अन्य सदस्यों ने किया और इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। घोषणा के बाद सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने उन्हें उपसभापति निर्वाचित घोषित किया। इसके पश्चात सदन के नेता और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें उनकी सीट तक पहुंचाया, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि हरिवंश का यह लगातार तीसरा कार्यकाल है, जो उनकी स्वीकार्यता और संसदीय अनुभव को दर्शाता है। वहीं, राघव चड्ढा का बयान राज्यसभा के इस औपचारिक अवसर पर भी राजनीतिक हलचल पैदा कर गया।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस में बड़ी कार्रवाई आगरा से 15वां आरोपी गिरफ्तार

मुंबई,(ईएमएस)। चर्चित रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में जांच एजेंसियों को एक और बड़ी सफलता मिली है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के आगरा से फरार आरोपी प्रदीप कुमार उर्फ 'गाठ' को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश एसटीएफ के साथ संयुक्त रूप से की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी घटना के समय मौके पर मौजूद था और वारदात के बाद से लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए कई राज्यों में छापेमारी की जा रही थी, जिसके बाद उसे आगरा से पकड़ा गया। इस गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले में अब तक कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच एजेंसियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शूटर, हथियार सप्लायर और लॉजिस्टिक सपोर्ट देने वाले लोग शामिल हैं। इससे पहले 14 अन्य आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया जा चुका था। यह मामला 31 जनवरी की रात जुहू स्थित फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग से जुड़ा है। अज्ञात हमलावरों ने इमारत की पहली मंजिल को निशाना बनाते हुए कई राउंड गोलियां चलाई थीं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह हमला कथित रूप से उगाही (एक्सटॉर्शन) के उद्देश्य से किया गया था। आरोप है कि इस वारदात के लिए शूटरों को पैसों का लालच दिया गया था। मुख्य शूटर दीपक शर्मा को कथित तौर पर 15 लाख रुपये देने का वादा किया गया था, जिसमें से 50 हजार रुपये एडवांस के रूप में दिए गए थे। फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है और बाकी फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

पीएम मोदी को धन्यवाद देने पार्टी की महिलाएं खड़गपुर में करेंगी रैली : घोष

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल बीजेपी नेता दिलीप घोष ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी की महिलाएँ खड़गपुर में एक रैली करेंगी, ताकि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 के लिए धन्यवाद दे सकें। इस अधिनियम के तहत महिला विधायकों के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। खड़गपुर सदर से बीजेपी उम्मीदवार ने मीडिया से कहा कि हम पीएम मोदी को धन्यवाद देना चाहते हैं। उन्हें धन्यवाद देने के लिए आज खड़गपुर में महिलाओं द्वारा एक रैली आयोजित की जाएगी। जो लोग इस बिल का विरोध करेंगे, उन्हें महिलाएँ और देश कभी माफ़ नहीं करेंगे। उन्होंने परिसीमन बिल, 2026 का विरोध करने के लिए टीएमसी सांसद सौगत रॉय की कड़ी आलोचना की और कहा कि उन्हें दक्षिण भारत के बारे में सोचने की कोई ज़रूरत नहीं है। इसका विरोध करना महज़ राजनीति है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता मीनाक्षी लेखी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन लाने के लिए इसे सही समय बताया, ताकि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए दो-तिहाई आरक्षण को लागू किया जा सके। उन्होंने कहा, मैं महिला आरक्षण बिल पास करने के लिए प्रधानमंत्री और संसद का धन्यवाद करती हूँ।

नई दिल्ली में सेना कमांडरों का सम्मेलन संपन्न हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। द्विवार्षिक सेना कमांडरों का सम्मेलन (एसीसी) 16 अप्रैल, 2026 को समाप्त हुआ। यह सम्मेलन 13 अप्रैल से शुरु हुआ था। सेना प्रमुख (सीओएएस) की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने भाग लिया। कैबिनेट सचिव, रक्षा प्रमुख, रक्षा सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसबीए) अध्यक्ष के अलावा नौसेना प्रमुख सहित सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने संबोधित किया। भविष्य के लिए तैयार बल के रूप में विकसित होने की परिकल्पना के अनुरूप भारतीय सेना ने वर्ष 2026 को नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता का वर्ष घोषित किया है। सम्मेलन में आधुनिकीकरण, युद्ध अभियानों में प्रौद्योगिकी का समावेश, सैद्धांतिक और प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं के साथ-साथ परिचालन तत्परता बढ़ाने और उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए नेटवर्किंग और डेटा केंद्रितता से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की गई।
ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबक और वैश्विक स्तर पर मौजूदा परिचालन स्थितियों को ध्यान में रखते हुए, वरिष्ठ सेना नेतृत्व ने मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) और प्रतिमानवरहित हवाई प्रणालियों (सी-यूएएस) के उपयोग सहित परिचालन क्षमता संबंधी आवश्यकताओं पर भी ध्यान केंद्रित किया। विशिष्ट वक्ताओं ने बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और उभरते वैश्विक, क्षेत्रीय और आंतरिक सुरक्षा संबंधी पहलुओं पर प्रकाश डाला। वैश्विक संघर्षों से प्राप्त सबकों का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए, वक्ताओं ने देश की रणनीतिक और सुरक्षा हितों की गारंटीकृत सुरक्षा के लिए कठोर शक्ति की आवश्यकता पर बल दिया।

सुप्रीम कोर्ट में पवन खेड़ा को नहीं दी राहत ट्रांजिट जमानत आगे बढ़ाने से किया इनकार

कहा- खेड़ा असम कोर्ट का कर सकते हैं रुख वहां सुनवाई पूरी तरह स्वतंत्र होगी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट से कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को एक और झटका लगा है। यह मामला अब सिर्फ कानूनी नहीं, बल्कि राजनीतिक और रणनीतिक बहस का हिस्सा बन गया है। कोर्ट में वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी की दलीलों के बावजूद ट्रांजिट जमानत बढ़ाने की मांग खारिज कर दी गई है। इस फैसले ने यह साफ कर दिया कि सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले में सीमित दखल रखना चाहता है। छोटे-छोटे लेकिन सख्त सवालों के जरिए कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि प्रक्रिया का पालन जरूरी है। ऐसे में पवन खेड़ा के लिए यह सिर्फ कानूनी चुनौती नहीं, बल्कि समय और रणनीति की भी परीक्षा बन गई है। वहीं दूसरी ओर इस पूरे घटनाक्रम ने यह भी दिखाया गया कि अदालतें अब तकनीकी और प्रक्रियात्मक पहलुओं को लेकर कितनी सख्त हो गई हैं। सिंघवी ने ट्रांजिट बेल बढ़ाने के लिए कई दलीलें दीं। उन्होंने कहा कि अदालतें बंद हैं और असम जाने के लिए समय चाहिए, लेकिन कोर्ट ने इसे पर्याप्त आधार नहीं माना। जस्टिस जे के माहेश्वरी की अध्यक्षता वाली बेंच ने साफ कहा कि पवन खेड़ा तुरंत असम की सक्षम अदालत का रुख कर सकते हैं। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि वहां सुनवाई पूरी तरह स्वतंत्र होगी और किसी भी पूर्व टिप्पणी का असर नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पवन खेड़ा को कोई राहत नहीं मिली। कोर्ट ने उनकी ट्रांजिट अग्रिम जमानत को आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया। खेड़ा की ओर से दलील दी गई कि उन्हें असम की अदालत जाने के लिए समय चाहिए क्योंकि छुट्टियों के कारण अदालत बंद है, लेकिन कोर्ट ने कहा कि वे तुरंत याचिका दायर कर सकते हैं और वहां सुनवाई होगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह भी साफ किया कि असम की अदालत इस मामले को अपने गुण-दोष के आधार पर देखेगी। सुप्रीम कोर्ट के पिछले आदेश या तेलंगाना हाई कोर्ट की टिप्पणियों का कोई असर नहीं होगा। यह टिप्पणी इस बात का संकेत है कि निचली अदालत को पूरी स्वतंत्रता दी जा रही है। इसी बीच सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि पवन खेड़ा की याचिका में नई दलीलें जोड़ी गई हैं। इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि कोर्ट को एकतरफा आदेश पारित करने के लिए प्रेरित किया गया था। कोर्ट ने आधार कार्ड के पते और याचिका दाखिल करने के समय को लेकर भी सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट में पवन खेड़ा की याचिका पर सुनवाई के दौरान तीखी बहस देखने को मिली, जहां सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी आमने-सामने नजर आए।
सुनवाई के दौरान जस्टिस जे के माहेश्वरी ने दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर सख्त टिप्पणी की और कहा कि जाली या मनगढ़ंत कागजात स्वीकार नहीं किए जा सकते। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना में दायर याचिका में पते तक का स्पष्ट उल्लेख नहीं था। कोर्ट ने बार-बार कहा कि जमानत याचिका के मूल मुद्दे पर ध्यान दिया जाए। सिंघवी ने जवाब में कहा कि सही दस्तावेज बाद में पेश किए गए और उन्हें रिकॉर्ड में लिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पत्नी तेलंगाना में विधायक प्रत्याशी हैं और उसी दिन हलफनामा दाखिल किया गया था, साथ ही पुलिस कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाए। हालांकि इन दलीलों के बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांजिट जमानत बढ़ाने से इनकार कर दिया।

किसान हितों के मामले में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की जीरो टॉलरेंस की नीति

नई दिल्ली (ईएमएस)। नई दिल्ली में मध्यप्रदेश के धार और खरगोन के किसानों ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलकर उनके सामने करेला की फसल में अमानक बीज और रोपे से हुए भारी नुकसान का मामला रखा, जिस पर शिवराज सिंह ने इसे किसानों की आजीविका पर सीधा प्रहार मानते हुए तुरंत अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए और दोषी कंपनी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। केंद्रीय मंत्री शिवराज के निर्देशों के बाद मामले में तेज़ कार्रवाई हुई और धार जिले के मनावर थाने में संबंधित कंपनी- नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। कृषि मंत्री शिवराज ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि किसानों के हित उनके लिए सर्वोपरि हैं। मध्यप्रदेश के धार और खरगोन के किसानों ने नई दिल्ली में उनसे भेंट कर करेला फसल में अमानक बीज और रोपे के कारण हुए गंभीर नुकसान की जानकारी दी, जिस पर श्री चौहान ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को साफ कहा कि प्रभावित किसानों को न्याय मिलना चाहिए और उन्हें उचित मुआवजा दिलाने की दिशा में तेजी से कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिस कंपनी की भूमिका इस पूरे मामले में सामने आई है, उसके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इन निर्देशों के बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई तेज हुई और मनावर थाना, जिला धार में एफआईआर क्रमांक 266 दर्ज की गई। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराएं 318(4) और 324(5), आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धाराएं 3 व 7 तथा बीज अधिनियम, 1966 की धारा 19 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। प्राथमिकी में नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना को आरोपी के रूप में दर्ज किया गया है। किसानों की शिकायत है कि उन्होंने नवंबर 2025 में विभिन्न नर्सरियों और कृषि सेवा केंद्रों से संबंधित इस कंपनी के बीज और रोपे खरीदे थे, लेकिन बुआई और रोपण के बाद करेला फसल में अपेक्षित उत्पादन नहीं हुआ और फल छोटे, पीले होकर गिरने लगे। फसल उत्पादन में आई भारी गिरावट के बाद किसानों ने 17 फरवरी 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी।
इसके बाद कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों द्वारा जांच की गई, जिसमें प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि अमानक बीज एवं अमानक बीज से तैयार रोपे किसानों को प्रमाणित बताकर बेचे गए, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचा। किसानों ने जब दिल्ली आकर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह को ये सब बातें बताई तो श्री चौहान ने कहा कि यह मामला केवल फसल खराब होने का नहीं, बल्कि किसानों के भरोसे, मेहनत और पूंजी को नुकसान पहुंचाने का है। शिवराज सिंह के निर्देश पर इस पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए वैधानिक धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई और जांच आगे बढ़ाई गई है। साथ ही, करेला के अमानक बीज रूबासटा किस्म प्रतिबंध लगाने के निर्देश भी दिए हैं।

जब तक मैं खड़ी हूं, बांग्ला-विरोधी ज़मींदारों को लोगों पर तकलीफ नहीं पहुंचाने दूंगी

बंगाल चुनाव प्रचार में सीएम ममता ने बीजेपी के खिलाफ खोला मोर्चा

कोलकाता,(ईएमएस)। पिछले हफ्ते पश्चिम बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को उन्होंने बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कूच बिहार ज़िले की अलग-अलग सीटों से चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के लिए प्रचार करते हुए सीएम ममता ने बंगाल की रक्षा करने, लोगों के अधिकारों को सुरक्षित रखने और इसकी धर्मनिरपेक्ष बनावट को बनाए रखने के लिए लड़ने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि जब तक मैं खड़ी हूं, मैं इन बांग्ला-विरोधी ज़मींदारों को इस धरती के लोगों पर कोई भी दुख या तकलीफ नहीं पहुंचाने दूंगी। मैं बंगाल की रक्षा के लिए लड़ूंगी, उन लोगों के अधिकारों को सुरक्षित रखूंगी जिनकी सेवा के लिए मैं चुनी गई हूं, इस खूबसूरत राज्य के भविष्य को सुरक्षित करूंगी, और हमारी धर्मनिरपेक्ष बनावट और समावेशी भावना को हर उस ताकत से बचाऊंगी जो इसे तोड़ने की कोशिश करती रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उनकी पोस्ट में कहा कि मुझे आपकी जरूरत अपने पास है, जैसा कि आप हमेशा से रहे हैं। अपनी लंबी राजनीतिक यात्रा को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि वे अपनी विचारधारा पर हमेशा कायम रही हैं और उन्होंने इस यात्रा का हर कदम लोगों के साथ मिलकर तय किया है। यह कभी नहीं बदला। और न ही कभी बदलेगा। मेरे जीवन में मां, माटी, मानुष के बीच रहने से बढ़कर कोई खुशी नहीं है। आप ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी हैं।
ममता ने टीएमसी के कई उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार किया था, जिनमें माथाभंगा से सबलू बर्मन, शीतलकुची से हरिहर दास, कूचबिहार दक्षिण से अभिजीत दे भौमिक (हिप्पी), अलीपुरद्वार से सुमन कांजीलाल, कालचीनी से बीरेंद्र बारा, कुमारग्राम से राजीव तिर्की, फलाकाटा से सुभाष चंद्र रॉय, मदारीहाट से जयप्रकाश टोप्पो, दिनहाटा से उदयन गुहा और सिताई से संगीता रॉय बसुनिया शामिल थे। पश्चिम बंगाल में मतदान दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होना है, जबकि विधानसभा चुनावों के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। राज्य में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस जो लगातार चौथी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रही है और बीजेपी के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। बीजेपी पिछले चुनावों में शानदार प्रदर्शन के बाद इस बार सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

टीसीएस नासिक कांड में किसी को नहीं बख्शेंगे किसी को सुरक्षा नहीं मिलेगीः फडणवीस

मुंबई,(ईएमएस)। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) नासिक कांड पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि किसी भी आरोपी को छोड़ा नहीं जाएगा। साथ ही इस मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों से हस्तक्षेप करने की मांग की गई है। यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन से जुड़े मामले नासिक से 7 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला कर्मचारी भी शामिल है।
मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सीएम फडणवीस ने इस मामले को बेहद चिंताजनक बताया है। साथ ही कहा है कि कड़ी कार्रवाई की जाएगी और इसकी जड़ तक जाने के लिए जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम इसमें शामिल किसी को नहीं बख्शेंगे। किसी को भी सुरक्षा नहीं मिलेगी। हमने केंद्रीय एजेंसियों से इस मामले की जांच करने को कहा है। उन्होंने आशंका जताई है कि मामला बड़े मॉड्यूल से जुड़ा हो सकता है। बता दें गुरुवार को इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को कोर्ट में पेश किया था। जहां से उन्हें 18 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। कोर्ट में पेश किए गए आरोपियों की पहचान रजा रफीक मेमन (35) और शफी बिखान शेख (36) के रूप में हुई है। इन्हें संबंधित मामले में न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद बुधवार को फिर से गिरफ्तार किया गया। नासिक पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक ने दो महिला आरोपियों की भूमिका स्पष्ट करते हुए बुधवार को कहा था कि गिरफ्तार की गई यूनिट की ऑपरेशन और एचआर प्रमुख ने कथित तौर पर एक पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने से हतोत्साहित किया था।
इस सप्ताह की शुरुआत में पुलिस ने आठ महिला कर्मचारियों द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया। महिला कर्मचारियों ने दावा किया कि वरिष्ठ सहकर्मियों ने उनका मानसिक और यौन उत्पीड़न किया, जबकि एचआर विभाग ने उनकी शिकायतों को नजरअंदाज कर दिया। आरोपी की पहचान दानिश शेख, तौसीफ अत्तार, रजा मेमन, शाहरुख कुरैशी, शफी शेख, आसिफ आफताब अंसारी और शाहरुख शेख के रूप में हुई है।

850 होने से बोलने के लिए दोगुना समय चाहिए होगा सुनते ही हंसने लगे स्पीकर

शशि थरूर ने लोकसभा में परिसीमन के विरोध में जोरदार तरीके से रखी अपनी बात

नई दिल्ली,(ईएमएस)। महिला आरक्षण संशोधन विधेयक और परिसीमन पर शुक्रवार को भी बहस हुई। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बहस में हिस्सा लेते हुए परिसीमन के विरोध में जोरदार तरीके से अपनी बात रखी। उन्होंने स्पीकर ओम बिरला को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा में सदस्यों की संख्या 850 होने से बोलने के लिए दोगुना समय चाहिए होगा। इसपर लोकसभा अध्यक्ष ठहाके लगाने लगे और कहा कि सभी को बोलने का उचित समय दिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े विधेयकों को पारित कराने के लिए सत्तारूढ़ एनडीए के सामने संख्या बल की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। मौजूदा स्थिति में एनडीए के पास लोकसभा में दो तिहाई बहुमत नहीं है, जिससे इस अहम संवैधानिक संशोधन बिल को पास कराना विपक्ष के सहयोग या अनुपस्थिति पर निर्भर हो गया है। लोकसभा में एनडीए के पास कुल 293 सांसद हैं, जो सदन का करीब 54 फीसदी है, जबकि विपक्ष के पास 233 सांसद हैं। इसके अलावा कुछ निर्दलीय और छोटे दलों के सदस्य भी हैं, जिनकी भूमिका इस पूरे गणित में निर्णायक बन सकती है। नियमों के मुताबिक किसी भी संवैधानिक संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई समर्थन की जरूरत होती ह। यदि सभी 540 सदस्य उपस्थित रहते हैं, तो यह आंकड़ा 360 तक पहुंच जाता है। ऐसे में एनडीए को या तो विपक्षी दलों का समर्थन जुटाना होगा या फिर बड़ी संख्या में विपक्षी सांसदों को मतदान से दूर रखना होगा। उदाहरण के तौर पर यदि 30 सांसद मतदान से अनुपस्थित रहते हैं, तो कुल संख्या घटकर 510 हो जाएगी और दो तिहाई बहुमत 340 रह जाएगा। इसी तरह 60 सांसदों के अनुपस्थित रहने पर यह आंकड़ा 320 और 90 सांसदों के अनुपस्थित रहने पर 300 तक आ सकता है।

परिसीमन पर मोदी सरकार को मिला जगन मोहन रेड्डी का समर्थन

नई दिल्ली। महिला आरक्षण और परिसीमन जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक विधेयकों पर संसद में जारी बहस के बीच केंद्र सरकार को बड़ा राजनीतिक समर्थन मिला है। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वायएसआरसीपी) ने इन विधेयकों पर सरकार के पक्ष में समर्थन देने का फैसला किया है। वायएसआरसीपी की ओर से कहा गया है कि पार्टी को लोकसभा सीटों के आबादी आधारित पुनर्वितरण के बजाय सीटों में सीधे 50 प्रतिशत वृद्धि के प्रस्ताव पर कोई आपत्ति नहीं है। पार्टी के अनुसार, यदि मौजूदा सीटों के आधार पर समान अनुपात में वृद्धि की जाती है, तो इससे दक्षिणी राज्यों की चिंताओं का समाधान किया जा सकता है और प्रतिनिधित्व का संतुलन भी बना रहेगा।

प्रकाश राज ने सुनाई रामायण को लेकर कहानी, मामला दर्ज

एक्टर ने कहा-नॉर्थ से साउथ जाने वाले लोग हम पर जबरदस्ती हिन्दी न थोपें

मुंबई,(ईएमएस)। प्रकाश राज के खिलाफ अपराधिक मामला दर्ज किया गया है। दरअसल, प्रकाश राज ने हाल ही में हुए एक इवेंट में रामायण को लेकर एक ऐसी कहानी सुनाई, जिसे लेकर उनकी आलोचना हुई। उनपर आरोप लगाया जाने लगा कि उन्होंने हिंदू धर्म को मानने वाले लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। प्रकाश राज ने कहानी शुरू करते हुए कहा कि राम, लक्ष्मण और सीता साउथ की तरफ आ रहे थे। तभी लक्ष्मण ने कहा, राम! हम कितने भाग्यशाली हैं। वो देखिए जंगल। राम ने कहा, नहीं, ये किसी का खेत है। लक्ष्मण ने पूछा, वहां फल हैं। क्या हम उन्हें खा सकते हैं? राम बोले- हां। लक्ष्मण ने पूछा, पर क्या ये चोरी नहीं होगी? राम ने कहा, नहीं! अगर तुम भूखे हो, तो खा सकते हो। जब वो फल खाने लगे तब शूर्पणखा और रावण आ गए। प्रकाश राज ने आगे कहा कि शूर्पणखा को गुस्सा आया। उसने कहा भैया ये लोग फल खा रहे हैं। इस पर रावण ने कहा वो लोग भूखे हैं। उन्हें खाने दो। हम बाद में इनसे बात करेंगे। जब उन्होंने खा लिया तब राम ने लक्ष्मण से कहा, अरे लकी! राम लक्ष्मण को लकी कहते हैं...उन्होंने कहा कि कुछ आदिवासी (रावण-शूर्पणखा) आए हैं। इस पर रावण ने कहा, नहीं! हम ही मालिक हैं।
कहानी को आगे बढ़ाते हुए प्रकाश राज इसमें जीएसटी और नॉर्थ-साउथ की डिबेट भी ले आए। उन्होंने कहा कि राम बोले, हमने फ्रूट्स खाए हैं, तो हम पैसे भी देंगे। इस पर शूर्पणखा ने कैलकुलेट किया और कहा, आपके हुए 2000 डॉलर्स जीएसटी के साथ। राम-लक्ष्मण ने कहा, नहीं! हमारे पास पैसे नहीं हैं। तो रावण ने उन्हें 20फीसदी का डिस्काउंट दे दिया, लेकिन उन्होंने कहा कि नहीं, हमारे पास पैसे नहीं हैं। इसपर रावण ने कहा, अगर डिस्काउंट देने के बाद भी आपके पास पैसे नहीं हैं तो यहां काम करो। जो फल खाए हैं उसके बीज को प्लांट करो, पेड़ बनाओ और वापस जाओ।
इसके बाद प्रकाश राज ने नॉर्थ-साउथ डिबेट पर तंज कसा और कहा कि नॉर्थ से साउथ जाने वाले लोग हम पर जबरदस्ती हिन्दी न थोपें। किसी बैंक का मैनेजर बनकर हमें बीफ खाने से मत रोकिए, हम बीफ फेस्टिवल भी करेंगे।' प्रकाश राज के इस वीडियो पर जमकर बवाल हो रहा है। गुस्से से भड़के लोगों ने उन्हें एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी से हटाने की ही मांग की है। एक ने कमेंट में लिखा, 'उन्होंने हमारी संस्कृति का अपमान करके अपनी संस्कृति का सम्मान करने की बात कही है।' कुछ लोगों ने उन पर उत्तर और दक्षिण के बीच दरार पैदा करने का आरोप भी लगाया।

संपादकीय

राजनीतिक सरगर्मी बढ़ने का कारण सरकार पर बढ़ता दबाव

भारत की राजनीति में वर्तमान समय में तूफान देखने को मिल रहा है। विपक्ष सरकार के ऊपर आक्रामक होता चला जा रहा है। वहीं सरकार विपक्ष पर आक्रामक होकर अपना बचाव करने और अपनी सत्ता को मजबूत बनाने के लिए जिस तेजी के साथ काम कर रही है उसने भारतीय राजनीति में एक नया तूफान ला दिया है। इसी बीच सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संसद के इस विशेष सत्र में सरकार महिला आरक्षण के पीछे छिपकर 2029 के लोकसभा चुनाव का बड़ा खेल करना चाहती है। जिस तरह से सरकार की चुनौतियां बढ़ रही हैं, उसको देखते हुए सरकार के लिए जरूरी हो गया था कि वह महिला आरक्षण को लेकर जनगणना के पहले ही परिसीमन के माध्यम से सीटें बढ़ा ले। परिसीमन आयोग में अपने लोगों की नियुक्ति करके 2029 के लोकसभा चुनाव के पहले महिला आरक्षण निश्चित कर दे। सरकार ने इसके लिए भी ऐसा समय चुना जबकि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव चल रहे हैं। ऐसे में महिला आरक्षण की दुधारी तलवार चलाना सवाल खड़े कर रही है। सरकार का मानना है, कि इससे तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में फायदा होगा। जब राजनीतिक दल और उनके सांसद चुनाव प्रचार में फंसे होंगे उसी बीच विशेष सत्र बुलाकर संसद से बिल पास कराकर 2029 के लोकसभा चुनाव का चक्रव्यूह तैयार कर लेंगे।

परिसीमन का मुद्दा विशेष रुप से संवेदनशील है, क्योंकि परिसीमन आयोग सरकार बनाएगी। ठीक उसी तरह जिस तरह से चुनाव आयोग सरकार के इशारे पर काम कर रहा है, विपक्ष की यह आशंका है। यदि सरकार ने परिसीमन आयोग बना लिया, उसमें 2026 में जो जनगणना हो रही है उसको बिल में स्थान नहीं दिया, ऐसी स्थिति में सरकार हिंदी भाषी राज्यों की जहां भाजपा का प्रभाव है वहां अपनी सीटों को बढ़ा लेगी। सरकार यदि यह बिल पास कराने में सफल हो गई तो 2047 तक फिर उसके लिए कोई चुनौती नहीं रह जाएगी। इस बात को विपक्ष और दक्षिण के राज्य अच्छी तरह से समझ रहे हैं। 2023 में जब यह महिला आरक्षण बिल पास हुआ था उस समय विपक्ष ने महिला आरक्षण तुरंत लागू करने सरकार पर दबाव बनाया था। उस समय सरकार ने जनगणना और उसके बाद परिसीमन की बात कहकर आरक्षण को 2029 तक के लिए टाल दिया था। 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम भाजपा के पक्ष में नहीं रहे। उसे स्पष्ट बहुमत नहीं मिला उसके बाद से सरकार के लिए लगातार चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। भारत में राजनीतिक स्थितियों में बदलाव आया है। उसके बाद भाजपा को लग रहा है कि वह जल्द ही परिसीमन आयोग का गठन करके आयोग पर दबाव बनाकर महिला आरक्षण के बहाने जहां डबल इंजन की सरकारें हैं वहां पर लोकसभा और विधानसभा सीटों का परिसीमन इस तरह से कराई जाए ताकि विपक्ष भविष्य में फिर कभी चुनौती न दे सके।

जाति जनगणना को इस बिल में कोई महत्व नहीं दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में जो 33 प्रतिशत महिला आरक्षण है, उसमें भी अल्पसंख्यक समुदाय को दरकिनार करते हुए सामान्य वर्ग की महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा संख्या में लाकर सत्ता पर 2047 तक उन्हें फिर कोई चुनौती न मिले इसका इंतजाम मोदी सरकार करना चाह रही है। इसमें कितनी सफल होगी या नहीं होगी फिलहाल कहना मुश्किल है, लेकिन इसे लेकर जिस तरह से राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है उससे ऐसा लगता है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में अब आर-पार की लड़ाई शुरू हो गई है। हद तो यह है कि राजनीतिक उथल-पुथल के बीच संसद के विशेष सत्र में लाए गए बिल के परिणाम क्या हो सकते हैं इसको लेकर कोई भी राजनीतिक पंडित स्पष्ट राय कायम नहीं कर पा रहा है। यह स्पष्ट है कि वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य केवल विधेयकों या नीतियों का नहीं, बल्कि भरोसे और संतुलन का भी प्रश्न है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार और विपक्ष इस टकराव को लोकतांत्रिक संवाद में बदल पाते हैं या नहीं। क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती टकराव में नहीं, बल्कि सहमति और संतुलन में निहित होती है। संसद का विशेष सत्र गुरुवार को शुरू हो गया है महिला आरक्षण विधेयक परिसीमन और जाति जनगणना को लेकर क्या फैसला होता है इसका पता लग जाएगा। जो सोचते हैं वह होता नहीं है और जो नहीं सोचते हैं अक्सर वही हो जाता है। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने जो रणनीति बनाई थी वह सफल नहीं हो पाई, अभी जो रणनीति बनाई है वह सफल हो पाएगी या नहीं इसको लेकर तरह-तरह की अटकलों का दौर शुरू हो गया है।

युवा पीढ़ी को शिक्षा, कौशलता विकास अस्त्र से सशक्त करना भारत के भविष्य का को सशक्त करना है

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर किसी भी देश की संपन्नता, सफलता, उच्चस्तरीय अर्थव्यवस्था और हर क्षेत्र में मज़बूत पकड़ रखने की नींव के पहियों में से एक सबसे मज़बूत और महत्वपूर्ण आधारस्तंभ शिक्षा व कौशलता विकास है,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि शिक्षा और कौशलता विकास सफलता, संपन्नता सहित सभी क्षेत्रों की एक ऐसी चाबी है जिससे सफलता के द्वार खुलते हैं क्योंकि शिक्षा व कौशलता ग्रहण करने के बाद ही वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, अविष्कारक सहित नवोन्मेष, नवाचारों के प्रणेता बनने की और देश सेवा कर अपने देश के विकास करने का अवसर मिलता है। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो हम सभी जानते हैं कि भारत की 68 फ़ीसदी जनसंख्या युवा है और भारत एक युवा देश है इसको ध्यान में रखते हुए नई शिक्षा नीति 2020 बनाई गई है जिसके आधार पर वर्तमान समय में शैक्षणिक नीतियां, रणनीतियां व रणनीतिक रोडमैप बनाकर क्रियान्वयन किया जा रहा है जिसका परिणाम हमें आने वाले कुछ वर्षों में विस्तृत स्तर पर दिखेगा, क्योंकि इस एनईपी - 2020 में युवाओं और प्रौढ़ शिक्षा के अनेक स्तरों पर रणनीतिक रोडमैप बनाने के द्वार खोले गए हैं,जिसका क्रियान्वयन उसीके अनुरूप करने की विशेष ज़रूरत है क्योंकि किसी भी रणनीतिक रोडमैप को उसके कार्यक्रम के अनुसार क्रियान्वयन किए जाए, तो सीमित संसाधनों से भी अनुकूल सबसे बड़ा सकारात्मक परिवर्तन हो सकता है। साथियों बात अगर हम वर्तमान युग में युवा पीढ़ी को शिक्षा, कौशलता विकास के अस्त्र से सशक्त करने की करें तो आज के नए डिजिटल भारत में युवा पीढ़ी देश के नेशन बिल्डर हैं।शिक्षा की बेहतर गुणवत्ता के साथ युवाओं की क्षमता का विस्तार वैश्विक स्तर की उच्च शिक्षा के अनुरूप करने की ज़रूरत है जिससे हमारे भारत का भविष्य सशक्त होगा क्योंकि शिक्षा के मज़बूत अंतरराष्ट्रीय स्तर के ढांचे से निकलने के बाद हमारे युवा वैश्विक स्तरपर श्रेष्ठ वैज्ञानिक, इंजीनियर, डॉक्टर, अविष्कारक की भूमिका में होंगे जिस पर देश में नवाचार, नवोन्मेष, डिजिटल प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष की क्रांति आएगी और हर स्तरपर हर क्षेत्र में हमारे युवा उस क्षेत्र के विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं देंगे तो हमारा विज़न 2047, विज़न 5 ट्रिलियन डॉलर,विज़न आत्मनिर्भर भारत के स्वप्नों को उसकी डेट लाइन से कहीं बहुत अधिक समय पहले हम पहुंचजाएंगे। बस, जरूरत है संकल्प, जांबाज़ी और ज़ज्बे से अपने शिक्षा व कौशलता के स्तर को अपने अनुरूप बनाने में जुट जाने की। साथियों बात अगर हम केंद्र और राज्य सरकार द्वारा होली के विभिन्न योजनाओं की करें तो करें तो शिक्षा, उन्नति और प्रोत्साहन के लिए अनेक द्वार खोले गए हैं उसके लिए बज़ट एलोकेशन भी किए गए हैं परंतु बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं है बजट को यदि ठीक से क्रियान्वित किया जाए तो सीमित संसाधनों से भी बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है !बस,जरूरत है हमें कुछ कर गुजरने के संकल्प लेने की साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा शिक्षा और कौशलता विकास क्षेत्रों पर केंद्रीय बजट 2025 के सकारात्मक प्रभाव पर एक वेबीनार को संबोधन करने की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने बजट 2025 में शामिल पांच पहलुओं पर विस्तार से बताया। सबसे पहले, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को व्यापक बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं यानी शिक्षा क्षेत्र की बढ़ी हुई क्षमताओं के साथ बेहतर गुणवत्ता के साथ शिक्षा का विस्तार करना। दूसरा, कौशल विकास पर जोर दिया गया है। एक डिजिटल कौशल इको-सिस्टम बनाने, उद्योग की मांग के अनुसार कौशल विकास और बेहतर उद्योग संपर्क बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। तीसरा, भारत के प्राचीन अनुभव तथा शहरी तथा योजना एवं डिजाइनिंग के ज्ञान को शिक्षा में शामिल करना महत्वपूर्ण है। चौथा, अंतर्राष्ट्रीयकरण पर बल दिया गया है।

महिला आरक्षण बिल अब केवल महिला सशक्तिकरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह उत्तर बनाम दक्षिण जनसंख्या बनाम प्रतिनिधित्व और सत्ता बनाम संतुलन की बहस में बदला

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

विशेष संसद सत्र में तीखी बहस-महिला आरक्षण बनाम परिसीमन- विपक्ष क्रो महिला आरक्षण क्रा विरोध नहीं परिसीमन के साथ जोड़ने का विरोध?

विपक्ष को परिसीमन के बाद संसद में सत्ता संतुलन और अधिक एकतरफा होने की आशंका छाई- सियासी लड़ाई उत्तर बनाम दक्षिण पर आई-पुरे विश्व नें नज़रें लगाई

वैश्विक स्तरपर भारत की संसदीय राजनीति एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी है,जहाँ एक ओर महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक प्रयास दिखाई देता है,वहीं दूसरी ओर परिसीमन (डेलिमिटेशन) के माध्यम से राजनीतिक शक्ति संतुलन में संभावित बदलाव ने व्यापक विवाद को जन्म दिया है। संसद के विशेष सत्र में पेश किए गए तीन प्रमुख विधेयक (1) महिला आरक्षण से संबंधित संवैधानिक संशोधन बिल 2026 (2) परिसीमन (डेलिमिटेशन) बिल2026 (3) केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़े कानूनों में संशोधन बिल 2026 जहां कानून मंत्री ने संवैधानिक संशोधन और परिसीमन बिल पेश किए, वहीं केंद्रीय गृहमंत्री ने केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़ासटीक संशोधन विधेयक पेश किया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि महिला आरक्षण से संबंधित संवैधानिक संशोधन,परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेशों से जुड़े संशोधन ने न केवल राजनीतिक बहस को तेज किया है,बल्कि देश के संघीय ढांचे, प्रतिनिधित्व और क्षेत्रीय संतुलन को लेकर गहरे सवाल भी खड़े कर दिए हैं। यह मुद्दा अब केवल महिला सशक्तिकरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह उत्तर बनाम दक्षिण,जनसंख्या बनाम प्रतिनिधित्व और सत्ता बनाम संतुलन की बहस में बदल चुका है। 16 अप्रैल 2026 को विशेष संसद सत्र के पहले दिन सरकार द्वारा पेश किए गए तीनविधेयकों में सबसे अधिक ध्यान महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक पर केंद्रित रहा। संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 के तहत लोकसभा की सीटों को बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव रखा गया है,जिसमें 815 सीटें राज्यों और 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए निर्धारित की गई हैं। इसके साथ ही लगभग 272 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने की योजना है। तीनों बिलों को संसद में पेश करने के लिए ध्वनि मत से रखने के लिए विपक्ष तैयार नहीं हुआ इसलिए वोटिंग करानी पड़ी वोटिंग के दौरान सरकार को 251 सांसदों का समर्थन मिला,जबकि 185 सांसदों ने विरोध किया। यह स्पष्ट संकेत है कि संसद में यह मुद्दा केवल नीतिगत नहीं बल्कि गहराई से राजनीतिक और क्षेत्रीय विभाजन का विषय बन चुका है। ध्वनि मत के बजाय डिवीजन की मांग ने इस विवाद को और अधिक औपचारिक और गंभीर बना दिया।

साथियों बात अगर हम महिला आरक्षण बनाम परिसीमन असली विवाद कहाँ है? इसको समझने की करें तो यह समझना महत्वपूर्ण है कि विपक्ष महिला आरक्षण का विरोध नहीं कर रहा,बल्कि उसका मुख्य विरोध इस बात से है कि महिला आरक्षण को परिसीमन के साथ जोड़ा गया है। विपक्ष का कहना है कि महिला आरक्षण को तुरंत लागू किया जाना चाहिए,न कि इसे जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जोड़कर टाल दिया जाए दरअसल 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के लिए यह आवश्यक शर्त रखी गई थी कि पहले नई जनगणना होगी और उसके बाद परिसीमन के जरिए नई सीटों का निर्धारण किया जाएगा। यहीं से विवाद की जड़ शुरू होती है। विपक्ष इसे एक डिले टैक्टिक यानी देरी करने की रणनीति मानता है,जबकि सरकार इसे संरचनात्मक सुधार का महत्वपूर्ण तथा आवश्यक हिस्सा बताती है।

साथियों बात अगर हम विशेष रूप से परिसीमन का गणितः जनसंख्या आधारितप्रतिनिधित्व का सवाल इसको समझने की करें तो, परिसीमन का मूल उद्देश्य जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन करना होता है। लेकिन भारत में 1971 की जनगणना के आधार पर सीटों का निर्धारण लंबे समय तक स्थिर रखा गया, ताकि परिवार नियोजन को बढ़ावा देने वाले राज्यों को नुकसान न हो। 1976 में यह तय किया गया कि 2026 तक परिसीमन नहीं होगा। अब जब 2026 के बाद परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है,तो सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्याजनसंख्या के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण किया जाएगा? यदि ऐसा होता है,तो उत्तर भारत के अधिक जनसंख्या वाले राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश,बिहार,मध्य प्रदेश को अधिक सीटें मिलेंगी,जबकि दक्षिण भारत के अपेक्षाकृत कम जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों जैसे तमिलनाडु,केरल, कर्नाटक की सीटें घट सकती हैं।यही वह बिंदु है जहाँ यह मुद्दा एक राष्ट्रीय बहस से क्षेत्रीय संघर्ष में बदल जाता है। दक्षिण भारतीय राज्यों का तर्क है कि उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण में सफलता हासिल की है, शिक्षा और स्वास्थ्य में बेहतर प्रदर्शन किया है,और अब उन्हें सजा के रूप में कमप्रतिनिधित्व दिया जा रहा है।दक्षिण के राजनीतिक दलों, विशेषकर डीएमके और कांग्रेस, ने इसे संघीय ढांचे के लिए खतरा बताया है। उनका मानना है कि इससे संसद में दक्षिण की आवाज कमजोर हो जाएगी और राष्ट्रीय नीतियों में उनका प्रभाव घट जाएगा। यह स्थिति भारत के संघीय संतुलन को अस्थिर कर सकती है।

साथियों बात अगर हम सत्ताधारी पार्टी का दृष्टिकोणः समान वृद्धि और संतुलन का दावा इसको समझने की करें तो,सरकार का पक्ष इससे अलग है। सरकार का कहना है कि सभी राज्यों में सीटों की संख्या समान अनुपात में बढ़ाई जाएगी,जिससे किसी राज्य कावर्तमान प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा।पीएम ने संसद में अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि यह कदम महिलाओं को राजनीतिक मुख्यधारा में लाने और लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने के लिए उठाया गया है।सरकार का यह भी दावा है कि परिसीमन आयोग निष्पक्ष रूप से काम करेगा और किसी राज्य के साथ भेदभाव नहीं होगा।उनके अनुसार, यह केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं बल्कि व्यापक प्रतिनिधित्व और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक आशंकाः क्या यह पोलिटिकल कूप है? इसको समझने की करें तो विपक्ष का आरोप है कि यह पूरा कदम एक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है,जिससे उन राज्यों में सीटें बढ़ाई जाएँगी जहाँ सत्ताधारी दल का प्रभाव अधिक है। हिंदी भाषी उत्तर भारतीय राज्यों में बीजेपी की मजबूत पकड़ को देखते हुए विपक्ष को आशंका है कि परिसीमन के बाद संसद में सत्ता संतुलन और अधिक एकतरफा हो सकता है।यह आशंका केवल राजनीतिक नहीं बल्कि संरचनात्मक भी है, क्योंकि संसद में सीटों का वितरण सीधे तौर पर नीति निर्माण और संसाधनों के आवंटन को प्रभावित करता है।

साथियों बात अगर हम जनगणना का सवालः बिना डेटा के निर्णय? इसको समझने की करें तो एक और महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि परिसीमन से पहले जनगणना होनी चाहिए या नहीं। विपक्ष का कहना है कि बिना नई जनगणना के परिसीमन करना तर्कसंगत नहीं है,क्योंकि इससे वास्तविक जनसंख्या का सही प्रतिनिधित्व नहीं होगा।सरकार ने संविधान में जनसंख्या की परिभाषा को संशोधित कर यह प्रावधान किया है कि संसद जिस जनगणना को मान्यता देगी,उसी के आधार पर परिसीमन होगा। इससे सरकार को कुछ हद तक लचीलापन मिल जाता है, लेकिन इससे पारदर्शिता पर सवाल भी उठते हैं।

साथियों बात कर हम लोकसभा का विस्तारः प्रतिनिधित्व या जटिलता? इसको समझने की करें तो लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करना एक बड़ा कदम है। यह दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक संस्था को और भी विशाल बना देगा। इससे प्रतिनिधित्व तो बढ़ेगा,लेकिन साथ ही निर्णय लेने की प्रक्रिया और अधिक जटिल हो सकती है।इतिहास पर नजर डालें तो लोकसभा की सीटें समय-समय पर बढ़ाई गई हैं, लेकिन इस बार का विस्तार अभूतपूर्व है। यह बदलाव न केवल राजनीतिक बल्कि प्रशासनिक और संवैधानिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। बता दें लोकसभा में कब-कब बढ़ी सांसदों की संख्या, वर्ष /सीटें 1950/489, 1956/494, 1962/520, 1973/545 (जिसमें 2 एंग्लो इंडियन नामित) 2020+543 (एंग्लो-इंडियन मनोनयन समाप्त होने से) 2026 /850 (प्रस्तावित)

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि लोकतंत्र का विस्तार या नई असमानता की शुरुआत?महिला आरक्षण और परिसीमन का यह पूरा मुद्दा भारतीय लोकतंत्र के लिए एक दोधारी तलवार की तरह है। एक ओर यह महिलाओं को सशक्त बनाने और प्रतिनिधित्व बढ़ाने का अवसर देता है, वहीं दूसरी ओर यह क्षेत्रीय असंतुलन और राजनीतिक ध्रुवीकरण को भी बढ़ा सकता है। यह स्पष्ट है कि यह केवल एक विधेयक नहीं बल्कि भारत के राजनीतिक भविष्य की दिशा तय करने वाला निर्णय है। यदि इसे संतुलित, पारदर्शी और सहमति के साथ लागू किया गया, तो यह लोकतंत्र को मजबूत करेगा। लेकिन यदि इसमें राजनीतिक लाभ-हानि का संतुलन हावी रहा, तो यह उत्तर-दक्षिण विभाजन को और गहरा कर सकता है।इसलिए,यह सवाल केवल यह नहीं है कि महिलाओं को आरक्षण मिले या नहीं, बल्कि यह है कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ेगा समावेशिता की ओर या विभाजन की ओर इस पर सबकी नज़रें लगी हुई है।

विश्लेषण- क्या 'सम्राट' संभाल पाएंगे नीतीश के भरोसे की विरासत?

योगेश कुमार गोयल

चुनौतियों के चक्रव्यूह के बीच खड़ा बिहार का नया 'सम्राट'

बिहार की राजनीति में सत्ता का शिखर छूना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है उस शिखर पर टिके रहकर अपनी सर्वमान्यता सिद्ध करना। सम्राट चौधरी का बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में उदय राज्य के सियासी इतिहास में एक नए युग का सूत्रपात माना जा रहा है। यह केवल एक व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनना नहीं है बल्कि भारतीय जनता पार्टी का बिहार में उस 'बड़े भाई' की भूमिका को आधिकारिक रूप से स्वीकार करना है, जिसका इंतजार पार्टी कार्यकर्ता दशकों से कर रहे थे। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद पैदा हुए राजनीतिक शून्य को भरने की जिम्मेदारी अब सम्राट चौधरी के कंधों पर है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह नीतीश कुमार की उस लंबी और गहरी छाया से बाहर निकल पाएंगे, जिसने पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति को परिभाषित किया है? यही वह कसौटी है, जिस पर अब सम्राट चौधरी को परखा जाएगा।

सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनी चौधरी की विरासत, और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था। 1999 में राबड़ी देवी सरकार में सबसे कम उम्र के मंत्री बनने से लेकर आज मुख्यमंत्री की कुर्सी तक का सफर वैचारिक बदलावों और रणनीतिक फैसलों से भरा रहा है। राजद और जदयू जैसी क्षेत्रीय शक्तियों के साथ काम करने के बाद 2017 में भाजपा का दामन थामना उनके करियर का सबसे निर्णायक मोड़ साबित हुआ। भाजपा ने उनमें एक ऐसे पिछड़ा नेतृत्व (ओबीसी) को देखा, जो न केवल संगठन में जान फूंक सकता था बल्कि राजद के 'माई' (एमवाई) समीकरण के सामने एनडीए के 'लव-कुश' समीकरण को मजबूती दे सकता था। विशेषकर कुशवाहा समुदाय से आने के कारण सम्राट चौधरी भाजपा के लिए सामाजिक संतुलन का सबसे सटीक मोहरा साबित हुए। भाजपा ने उन्हें न केवल स्वीकार किया बल्कि प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद देकर उनकी नेतृत्व क्षमता पर भरोसा भी जताया। यही भरोसा आज उन्हें मुख्यमंत्री पद तक ले आया है।

मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी की नियुक्ति के साथ ही बिहार की राजनीति में एक दुर्लभ संयोग भी जुड़ा है। जननायक कर्पूरी ठाकुर के बाद वह दूसरे ऐसे नेता बने हैं, जिन्होंने पहले उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली और बाद में मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे। यह उपलब्धि उनके कद को तो बढ़ाती है लेकिन इसके साथ आने वाली अपेक्षाएं उनके लिए हिमालयी चुनौतियों जैसी हैं। नीतीश कुमार केवल एक राजनेता नहीं थे बल्कि वह बिहार के लिए एक 'इंस्टीट्यूशन' बन चुके थे। उनके 20 वर्षों के शासनकाल ने राज्य में सुशासन की एक ऐसी परिभाषा गढ़ी, जिसमें महिला सुरक्षा, सड़कें, बिजली और शराबबंदी जैसे मुद्दे हर घर से जुड़े थे। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि वे स्वयं को नीतीश कुमार के विकल्प के रूप में पेश करते हैं या एक ऐसी नई पहचान गढ़ते हैं, जो नीतीश के 'विकास' और भाजपा की 'वैचारिक प्रखरता' का संगम हो।

अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर एकमत हैं कि नीतीश कुमार जैसा सर्वमान्य नेता बनना सम्राट चौधरी के लिए रातों-रात संभव नहीं होगा। नीतीश कुमार की स्वीकार्यता समाज के हर वर्ग, चाहे वह महादलित हो, अति पिछड़ा हो या आधी आबादी (महिलाएं) हो, में गहराई तक थी। सम्राट चौधरी के पास फिलहाल एक मजबूत सांगठनिक ढांचा और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद है लेकिन उन्हें अपनी 'आक्रामक छवि' को अब 'प्रशासकीय संयम' में बदलना होगा। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद अब उनके हर फैसले की तुलना नीतीश कुमार के मानकों से की जाएगी। क्या वह उसी सहजता से महादलितों और अति पिछड़ों के हितों की रक्षा कर पाएंगे? क्या वह शराबबंदी जैसी पेचीदा नीतियों को लेकर जनता के बीच अपना स्पष्ट नजरिया रख पाएंगे? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका उत्तर उनके कार्यकाल के शुरुआती सौ दिन ही तय करेंगे।

चुनौतियां केवल बाहर ही नहीं, गठबंधन के भीतर भी हैं। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद जदयू के भविष्य और निशांत कुमार के सक्रिय राजनीति में प्रवेश ने नई चर्चाओं को जन्म दिया है। जदयू के भीतर इस बदलाव को लेकर एक दबी हुई छटपटाहट है। सम्राट चौधरी को यह सुनिश्चित करना होगा कि गठबंधन के सहयोगी दल खुद को उपेक्षित महसूस न करें। साथ ही, उन्हें भाजपा के भीतर भी उन वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेना होगा, जो मुख्यमंत्री पद की दौड़ में पीछे रह गए। सम्राट चौधरी पर उनके पुराने विवादों, जैसे कम उम्र में मंत्री पद से हटाए जाने की घटना और उनके शैक्षणिक पहलुओं को लेकर विपक्ष हमलावर रहेगा। एक मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पेशेवर छवि और शुचिता पर उठने वाले सवालों का सामना उन्हें अपनी कार्यशैली से ही करना होगा।

बिहार में 2025 का जनादेश एक तरह से 'फेयरवेल मैंडेट' जैसा रहा है, जहां जनता बदलाव की मानसिक तैयारी कर चुकी थी। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी ताकत उनका ओबीसी समुदाय से होना और भाजपा आलाकमान का पूर्ण समर्थन है लेकिन उनकी राह का सबसे बड़ा कांटा 'नीतीश कुमार का औरा' है। भाजपा ने अब तक बिहार में नीतीश कुमार के साये में राजनीति की है, अब उसे अपनी स्वतंत्र इमारत खड़ी करनी है, जिसकी नींव सम्राट चौधरी को रखनी है। यह सफर कांटों भरा है क्योंकि उन्हें न केवल विकास की रफ्तार बनाए रखनी है बल्कि बिहार की उस जटिल सामाजिक संरचना को भी साधे रखना है, जहां जाति की राजनीति कभी खत्म नहीं होती। सम्राट चौधरी की कहानी एक ऐसे संघर्षशील नेता की है, जिसने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया है लेकिन मुख्यमंत्री के रूप में उनकी असली परीक्षा अब शुरू होने जा रही है। क्या वे बिहार को 'बीमारू' छवि से पूर्णतः मुक्त कर 'विकसित बिहार' के संकल्प को सिद्ध कर पाएंगे? यह भविष्य के गर्भ में है मगर फिलहाल बिहार की सत्ता का यह नया 'सम्राट' चुनौतियों के चक्रव्यूह के बीच खड़ा है। सम्राट चौधरी के पास अवसर भी है और चुनौती भी, अब यह उनके नेतृत्व पर निर्भर करेगा कि वे इस अवसर को इतिहास में कैसे दर्ज कराते हैं।

कानून की ओट में, सम्मान का क्षरण

पं.नरेश शर्मा

प्रारंभ से ही सम्मान, संवेदना एवं अनुशासन पुलिस की मूल पहचान है। गणवेश केवल अधिकार नहीं अपितु मर्यादा, अनुशासन, सुरक्षा एवं सेवा का भी प्रतीक है। म.प्र.पुलिस का तो ध्येय वाक्य ही देशभक्ति जनसेवा है। यह अवधारणा राष्ट्र के प्रति समर्पण, नागरिक हित, समाज की सुरक्षा एवम् कर्तव्यनिष्ठा की द्योतक है। यदि वर्दी के भीतर सम्मान टूटता है तो समाज में विश्वास क्षीण होता है।

विगत 07 अप्रैल 2026 की थाना मडला जिला पन्ना द्वारा सेवा निवृत अस्वस्थ एवं वयोवृद्ध पुलिस अधिकारी को ड्राइवर के बाजू की सीट पर बगैर सीट बेल्ट के बैठे होने की साधारण सी मानवीय भूल के कारण पत्नि सहित घोर अपमानित कर गिरफ्तार करना उनकी संपूर्ण सेवा की गरिमा पर प्रश्न चिन्ह है। इसे केवल घटना नहीं अपितु एक चेतावनी के रूप में लेने एवम् पुलिस व्यवस्था के भीतर अनुशासन प्रशिक्षण व भारतीय मूल्यों को पुनर्स्थापित करने का एक अवसर समझना होगा।

घटना से अनेक प्रश्न उत्पन्न होते हैं कि -- क्या पुलिस में अयोग्य व्यक्तियों को भर्ती किया जा रहा है? क्या उनका प्रशिक्षण युक्तियुक्त नहीं हो रहा है? पुलिस में आंतरिक अनुशासन का सर्वोपरि होना सिखलाया नहीं जा रहा है? वरिष्टों के प्रति सम्मान का ह्रास न हो, यह परंपरा पुलिस की रीढ़ है। विशेष आयु एवं अनुभव के प्रति संवेदनशीलता आवश्यक है, क्या यह पाठ प्रशिक्षण में या जिला स्तर के सेमिनारों में नहीं पढ़ाया जा रहा है? ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस में अनुशासन का संकट गहरा रहा है। कुछेक रक्षक मर्यादा भूल रहे हैं, जिनके कारण आंतरिक अनुशासन को चुनौती मिल रही है। यह चिंताजनक संकेत है। यह वर्दी का गौरव नहीं अपितु अहंकार का प्रतीक है। यह कहते हुए अत्यन्त पीड़ा हो रही है कि सम्मान खोती वर्दी पर से समाज का विश्वास टूटा जा रहा है।

प्रश्न केवल थाने के समक्ष उपस्थित होकर कानून की ओट में वाहन चेकिंग कर रहे अनाधिकृत पुलिस के आरक्षक स्तर के कर्मचारियों का ही नहीं है अपितु विवाद बढ़ता देख घटना स्थल पर आई महिला थाना प्रभारी ने भी उदण्डता कर रहे अनुशासनहीन अधीनस्थों का न केवल समर्थन किया अपितु स्वयं भी पर्याप्त सम्मानजनक व्यवहार न कर दीर्घ कालीन पुलिस सेवा से निवृत अस्वस्थ दम्पत्ति पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 296, 132, 351, 221, 3(5) सहपठित धारा 27, 30 आयुध अधिनियम 1959 के अंतर्गत प्रकरण पंजीकृत कर बिना किसी अनुसंधान के, गिरफ्तारी के समस्त नियमों एवं विधान में वर्णित प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए, अवैधानिक रूप से, कारण बताये बिना उन्हें गिरफ्तार कर लिया एवम् साशय विलम्ब कर सायं 05.30 बजे जेल भेजने की पूर्ण मंशा से न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। संयोगवश न्यायालय द्वारा जमानत स्वीकार कर ली गई। ग्वालियर जा रहे दंपत्ति की कार भी जप्त कर ली गई जिसे दो दिनों बाद न्यायालय के आदेश से छोड़ा गया।

अत्यंत दुखद एवम् आश्चर्य का विषय यह है कि वरिष्ठ सम्माननीय वृद्धा तो मात्र शालीनता पूर्वक उभय पक्षों को समझा रही थी। उनका यह प्रयास आपराधिक कैसे हो गया? उनकी 40 वर्ष पुरानी लाइसेंस युक्त बंदूक भी जप्त कर ली गई।

प्रकरण में अधिरोपित आरोपों में 07 वर्ष से अधिक कारावास के दण्ड का प्रावधान नहीं है व प्रकरण प्रथम श्रेणी दंडाधिकारी के न्यायालय में विचारण योग्य हैं। दृष्टांत प्रकरण अर्नेश कुमार विरुद्ध बिहार राज्य (2014) में पारित सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के प्रकाश में इस प्रकरण में गिरफ्तारी की आवश्यकता ही नहीं थी। ऐसे प्रकरणों में न्यायालय में अभियोग प्रस्तुत करते समय अभियुक्तों की उपस्थिति मात्र सूचना पत्र देकर सुनिश्चित करना पर्याप्त होता है किन्तु पुलिस के द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की स्पष्ट अवहेलना ही नहीं की गई अपितु संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करते हुए एक वरिष्ठ दम्पत्ति के सम्मानपूर्वक जीने के अधिकार का भी अतिक्रमण किया है। इसमें पुलिस अधीक्षक की असंवेदनशीलता एवं मौन स्वीकृति भी स्पष्ट प्रतीत होती है अतः प्रकरण का स्वतंत्र इकाई से अनुसंधान नितान्त अवश्यक है व दुर्भावनापूर्वक मिथ्या अंकित प्रथम सूचना पत्र का निरस्तीकरण वांछनीय है।

एक समय था !

बहुत पुराना नहीं, कुछ ही साल पहले का... हमारा जमाना।

यद्यपि यह स्वीकार्य तथ्य है कि पश्चात्वर्ती को पूर्ववर्ती से निंदा का सामना करना पड़ता है किंतु मेरी निसंकोच स्वीकारोक्ति है कि हमसे पहले का समय और भी अच्छा था। वरिष्ठों के अनुसरण से ही हमारे द्वारा थानों में शासकीय विभागों के वर्गीकरण युक्त पेंशनधारियों की पंजी संधारित कर रखी जाती थी एवम् समय समय पर उनसे विमर्श कर उनके अनुभवों का लाभ भी प्राप्त किया जाता था।

हम तो एक पखवाड़े के एक निश्चित दिन को सेवानिवृत पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों से संपर्क स्थापित कर उनके साथ चाय पीते व समस्याओं के निराकरण पर मार्गदर्शन प्राप्त किया करते थे। तब जबलपुर का अपराधिक जगत अड़ियल घोड़े के सामान था फिर भी हम वरिष्ठों से प्राप्त सुझावों का अनुसरण कर उसकी सवारी कर नकेल कस देते थे। अब वह घोड़ा बारात का घोड़ा बन गया है, पुलिसिंग अपेक्षाकृत सरल एवम् सुविधा संपन्न हो है किंतु वर्तमान पुलिस का व्यवहार अपने पूर्व वरिष्ठों के प्रति उसी अनुपात में चिंतनीय हो गया है। मंथरा की भांति यह कहकर कि "कोउ नृप होई हमै का हानि हम पल्ला झाड़ भी लें तो भरत सिंह साहब के साथ जैसी उत्पन्न स्थिति से कैसे निपटें? प्रतिकार नही अपितु प्रतिक्रिया करना तो अनिवार्य है, चाहे ऐसा कृत्य पुलिस द्वारा अथवा अन्य विभाग के द्वारा या जनता के द्वारा ही कारित क्यों न हो।

।।।मैं अधिवक्ताओं की एकजुटता, उनके द्वारा प्रदर्शित किए जाने वाले विरोध का अहिंसक रहने की सीमा तक का समर्थक हूँ। ऐसा भी नहीं है कि पूरे कुएं में ही भांग घुली हुई है - इंदौर पुलिस यातायात का एक प्रधान आरक्षक अपने कर्तव्य का पालन आकर्षक प्रकार से करने, एक अन्य प्रधान आरक्षक माइलस्टोन की जानकारी, वरिष्ठ नागरिकों को अपने वाहनों में E लिखवाने के परामर्श देने के एवम् एक निरीक्षक बिना हेलमेट लगाये 90 वर्षीय नॉन आरटीओ दुपहिया वाहन चालक से उनके चरणस्पर्श कर समझाइश देने के तरीके से विख्यात होकर सोशियल मीडिया में अत्यंत लोकप्रियता प्राप्त कर रहे हैं। अधिकांशतः पुलिस कर्मी, पुलिस शब्द यथा पु-पुरुषार्थ, लि-लिप्सा रहित, स- साहसी / सहयोगी को चरितार्थ करते हैं तो दूसरी ओर कुछेक ऐसे कर्मचारी एवं अधिकारी हैं जो वर्दी को लज्जित करते हैं जिनके कारण पूरे प्रदेश में सेवानिवृत पुलिस में असंतोष एवम् रोष में व्याप्त है।

पुलिस मानव जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण अवयव है। पुलिस के बिना एक ही दिन में समाज में भारी अराजकता विस्तारित हो जाएगी। प्रत्येक नागरिक की यह अपेक्षा रहती है कि उसके घर के समक्ष खड़ा बंदूकधारी एक पुलिस वाला हो न कि कोई अवांछनीय तत्व।

मै स्वतः की पुलिस सेवा पर इतना गर्वांवित हूँ कि श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित पुनर्जन्म की परिकल्पना अनुरूप अगले जन्म में भी पुलिसमेन ही बनना चाहुँगा। इस घटना के परिपेक्ष्य में म.प्र. के सभी सेवा निवृत पुलिस संघों ने एकता, शालीनता, अनुशासन एवम् संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। जो सुखद अनुभूति का कारण है।

पुलिस के निरंकुश एवम् अधिनायकवादी प्रवृत्ति के कर्मियों का समय रहते उचित निदान आवश्यक है जिनके कारण पुलिस की धवल छवि मलिन हो रही हैं।

इज़्ज़तें...शोहरतें... चाहतें... उल्फतें...
.
कोई भी चीज़ दुनिया में रहती नहीं...
आज मैं हूँ जहाँ, कल कोई और था...
ये भी एक दौर है, वो भी एक दौर था...

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, प्रतिपदा, अश्वनी नक्षत्रे, प्रीत योगे, वलकरणे, मेष की चंद्रमा, सौम्यगोष्ठ चंद्रदर्शन मुर्हूत तथापि पूर्व दिशा की यात्रा उत्तम फलदायी होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, धनी मानी कुशल होगा।

मेष राशि :- स्वभाव में अचानक परिवर्तन हो सकता है, व्यवसाय गति अच्छी बनेगी, समय का ध्यान रखें।

वृष राशि :- कार्यों में सफलता मिलेगी, मान-सम्मान की प्राप्ति होगी, शत्रु पक्ष कमजोर होगा।

मिथुन राशि :- सप्ताह उत्तम फलकारक है, अधिकारियों का पूर्ण समर्थन व सहयोग मिलेगा, कार्य बनेंगे।

कर्क राशि :- नौकरी में व्यवधान हो सकता है, व्यवसाय ठीक नहीं रहेगा, समय का ध्यान अवश्य रखें।

सिंह राशि :- आप आनंद का अनुभव करेंगे, केतु ग्रह पीड़कारक है, आपसी मतभेद से बचें।

कन्या राशि :- मनोरंजन से अति हर्ष होगा, व्यवसाय में लाभ होगा, रुके कार्य बन जायेंगे।

तुला राशि :- पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, आमोद-प्रमोद में विशेष ध्यान देंगे।

वृश्चिक राशि :- मानसिक तनाव आकस्मिक बढ़ेगा, स्वजनों से सहानुभूति अवश्य ही प्राप्त होगी।

धनु राशि :- व्यवसाय की उन्नति से आर्थिक स्थिति में विशेष सुधार होगा, कार्य पर विशेष ध्यान दें।

मकर राशि :- विलास सामग्री का संचय होगा, अधिकारी वर्ग की कृपा का लाभ मिलेगा।

कुंभ राशि :- इष्ट मित्रों से अच्छा सहयोग मिलेगा, उन्नति एवं लाभ के योग बनेंगे।

मीन राशि :- गृह कलह, हीन मनोवृत्ति, शरीर पीड़ा से परेशानी अवश्य ही होगी, धैर्य रखें।

आज का इतिहास 18 अप्रैल

1612 शाहजहां ने मुमताज से निकाह किया.

1774 माधवराव द्वितीय को पेशवा गद्दी पर बैठाया गया.

1859 तात्या टोपे को फांसी दी गयी.

1859 दो अंग्रेजों कैंड और ऐयरेस्ट की हत्या के सिलसिले में दामोदर हरि चापेकर को फांसी की सजा दी गयी.

1906 सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका में भूकम्प के पश्चात लगी आग में 4 वर्ग मील क्षेत्र जलकर नष्ट जिसमें 700 लोगों की मृत्यु, लगभग 300 मिलियन डॉलर की सम्पत्ति नष्ट.

1930 इंडियन रिपब्लिकन आर्मी के 62 सदस्यों ने सूर्यसेन के नेतृत्व में चटगांव शस्त्रागार पर हमला किया.

1938 हिन्दी के जानेमाने साहित्यकार महावीर प्रसाद द्विवेदी का निधन हुआ.

1942 अमेरिकी विमानों ने द्वितीय विश्व युद्ध में टोकियो और अन्य जापानी शहरों पर बमबारी की.

1971 भारत का पहला जम्बो जेट 'इम्पर्र अशोक' मुम्बई आया.

1986 लीबिया पर हमले के विरोध में दुनिया भर में अमेरिकी दूतावास के बाहर प्रदर्शन हुए.

2001 मेघालय से सटी बांग्लादेश की सीमा पर बांग्लादेश राइफल्स द्वारा की गई गोलीबारी में सीमा सुरक्षा बल के 16 जवान मारे गये.

फिल्म भूत बंगला लेकर आ रहे अक्षय

अभिनेता अक्षय कुमार दर्शकों के लिए अपनी आने वाली फिल्म भूत बंगला पेश करने के लिए पूरी तैयार है। इस फिल्म में उनके साथ वामिका गब्बी, तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, मिथिला पालकर और असरानी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस बीच अक्षय कुमार ने दिवंगत अभिनेता असरानी के साथ अपने लंबे सफर को याद करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा किया। अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर असरानी के साथ ब्लैक एंड व्हाइट एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में दोनों कुर्सियों पर बैठे नजर आ रहे है और कुछ पढ़ते दिख रहे है। इस तस्वीर के साथ अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा, कभी-कभी एक तस्वीर सिर्फ यादों का टुकड़ा नहीं होती। एक पूरी यात्रा को समेटती है। ये तस्वीर हमारी भूत बंगला की शूटिंग से है। असरानी जी के साथ ये मेरी दूसरी और आखिरी फिल्म थी।

कुल 12 फिल्में हमने साथ की और हर एक में मैंने उनसे कुछ नया सीखा। हर बार यह एक मास्टरक्लास थी। अक्षय कुमार ने अपने पोस्ट में बताया, मैंने असरानी के साथ कुल 12 फिल्मों में काम किया है। हर बार उनसे बहुत कुछ नया सीखा। हर बार मास्टरक्लास जैसा था। अक्षय कुमार ने असरानी की सबसे बड़ी खासियत के बारे में बात करते हुए कहा, जब वह परदे पर कॉमेडी करते थे, तो सब बहुत आसान लगता था। लेकिन असल में लोगों को हंसाना एक मुश्किल कला है, जिसे हर कोई नहीं कर सकता। असरानी कॉमेडी के उस्ताद थे और उनकी जगह लेना किसी के लिए आसान नहीं है। अक्षय कुमार ने आगे कहा, मेरे लिए भूत बंगला सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि एक भावनात्मक अनुभव है। यह मेरे लिए एक याद, एक श्रद्धांजलि और एक सम्मान है, जो मैं असरानी को देना चाहता हूं। असरानी हमेशा यादों में जिंदा रहेंगे और उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।

लॉफिंग ज़ोन

सुधा (साड़ी विक्रेता से)- 'कहिए जनाब धंधा कैसा चल रहा है?'

दुकानदार - 'कल एक साड़ी बिकी थी. आज उससे भी ज्यादा मंदा है.'

सुधा - 'अरे, इससे ज्यादा मंदा और क्या हो सकता है?'

दुकानदार - 'जो महिला कल साड़ी खरीदकर ले गई थी आज वापस कर गई.'

☺ ☺ ☺

एक मूर्ख संग्रहालय देखने गया और वहां रखी एक पुरानी मूर्ति से टकरा गया. मूर्ति टूट गयी. संग्रहालय के अधिकारी ने जब यह देखा, तो गुस्से से बोला, 'हे भगवान, आपने 500 साल पुरानी यह मूर्ति तोड़ दी?'

मूर्ख ने राहत की सांस ली और बोला, 'तो नाराज क्यों होते हो?' मैं तो इसे नयी मूर्ति समझ बैठा था.

☺ ☺ ☺

दो महिलाएं आपस में बातचीत कर रही थीं.

पहली बोली- मेरे पति दिन भर में बहुत से भूखे लोगों को खाना खिला देते हैं.

हां बहन, आजकल देवता जैसे लोग मिलते ही कहां है. तू बहुत ही भाग्यवान है, जो तुझे ऐसे पति मिले है. वैसे तेरे पति करते क्या हैं? दूसरी महिला ने कहते हुए पूछा.

'वे एक होटल मे वेटर है.' पहली महिला ने जवाब दिया.

विश्व धरोहर दिवसः सभ्यता की अमूल्य धरोहरों को बचाने का संकल्प

सुनील कुमार महला
18 अप्रैल दिवस विशेष आलेख

प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। इसे विश्व विरासत दिवस, वर्ल्ड हेरिटेज डे तथा आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस (इंटरनेशनल डे फोर मोन्यूमेंट्स एंड साइट्स) कहा जाता है। यह दिवस मानवता की साझा सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।वास्तव में, विश्व धरोहर स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स) वे स्थान हैं जिन्हें मानवता के लिए उनके असाधारण सार्वभौमिक महत्व के आधार पर मान्यता दी जाती है और भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने हेतु विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाता है। इन स्थलों का संरक्षण यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन, 1972 के अंतर्गत किया जाता है, जिसे यूनेस्को सदस्य देशों द्वारा स्वीकार किया गया एक महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समझौता माना जाता है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विश्वभर के ऐतिहासिक स्मारकों, सांस्कृतिक स्थलों, पुरातात्विक अवशेषों, प्राकृतिक संपदाओं तथा मानव सभ्यता से जुड़ी अमूल्य विरासतों के संरक्षण के प्रति जनचेतना उत्पन्न करना है। वास्तव में धरोहर केवल पत्थरों से बनी इमारतें नहीं हैं, बल्कि वे हमारी संस्कृति, परंपरा, कला, ज्ञान, संघर्ष, इतिहास और सामूहिक पहचान की जीवंत प्रतीक हैं। उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरुआत वर्ष 1982 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स द्वारा ट्यूनीशिया में आयोजित बैठक में हुई, जहाँ 18 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने का प्रस्ताव रखा गया। इसके बाद वर्ष 1983 में यूनेस्को की 22वीं महासभा ने इसे औपचारिक मान्यता प्रदान की। तभी से प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को यह दिवस विश्वभर में मनाया जाता है। विश्व धरोहर स्थल विशेष स्थान, भवन, दुर्ग, नगर, वन, पर्वत, झील, मरुस्थल या प्राकृतिक क्षेत्र हो सकते हैं, जिन्हें मानवता के लिए विशिष्ट महत्व का माना जाता है। किसी स्थल को विश्व विरासत सूची में शामिल करने से पूर्व यूनेस्को उसे कठोर मानकों पर परखता है। वर्तमान में 10 चयन मानदंड निर्धारित हैं, जिनमें से कम से कम एक को पूरा करना आवश्यक है। इनमें ऐतिहासिक महत्व, स्थापत्य कला, सांस्कृतिक प्रभाव, प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता तथा वैज्ञानिक महत्त्व जैसे पहलू सम्मिलित हैं।विश्व धरोहर मुख्यतः तीन प्रकार की होती है- पहली, सांस्कृतिक धरोहर, जिसमें स्मारक, मंदिर, मस्जिद, चर्च, किले, मूर्तियाँ, प्राचीन नगर, स्थापत्य कला, भाषा, संगीत, नृत्य और परंपराएँ शामिल हैं। दूसरी, प्राकृतिक धरोहर, जिसमें पर्वत, नदियाँ, समुद्र, वन, वन्यजीव, जैव विविधता और अद्वितीय प्राकृतिक परिदृश्य आते हैं तथा तीसरी, मिश्रित धरोहर, जिनमें सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों विशेषताएँ विद्यमान होती हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यूनेस्को केवल स्थायी संरचनाओं या प्राकृतिक स्थलों को ही नहीं, बल्कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को भी मान्यता देता है। भारत की योग परंपरा और कुंभ मेला इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

विश्व स्तर पर सबसे अधिक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों वाला देश इटली है, जिसके बाद चीन का स्थान आता है। भारत भी विश्व धरोहर स्थलों की दृष्टि से अग्रणी देशों में सम्मिलित है। यूनेस्को एक विशेष सूची वर्ल्ड हेरिटेज इन डेंजर भी संचालित करता है, जिसमें उन स्थलों को शामिल किया जाता है जो युद्ध, प्रदूषण, प्राकृतिक आपदा, अतिक्रमण, अत्यधिक पर्यटन, जलवायु परिवर्तन या उपेक्षा के कारण संकट में हों। यदि कोई स्थल संरक्षण मानकों का पालन न करे या उसका मूल स्वरूप गंभीर रूप से बदल जाए, तो उसे सूची से हटाया भी जा सकता है। उदाहरणस्वरूप ओमान का अरेबियन ओरिक्स अभयारण्य तथा जर्मनी की ड्रेसडेन एल्बे घाटी को सूची से हटाया जा चुका है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2024 तक विश्वभर के 196 देशों में लगभग 1,223 विश्व धरोहर स्थल थे, जिनमें 952 सांस्कृतिक, 231 प्राकृतिक और 40 मिश्रित स्थल शामिल हैं। भारत जैसे प्राचीन और बहुसांस्कृतिक देश में इस दिवस का विशेष महत्व है। अप्रैल 2025 तक भारत में 43 विश्व धरोहर स्थल (34 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 2 मिश्रित) तथा 62 स्थल संभावित सूची में सम्मिलित थे। भारत के प्रमुख धरोहर स्थलों में ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी, अजंता-एलोरा गुफाएँ, एलीफेंटा गुफाएँ, खजुराहो समूह, सांची स्तूप, महाबोधि मंदिर, हम्पी, महाबलीपुरम, जंतर-मंतर, कुतुब मीनार, लाल किला, कोणार्क सूर्य मंदिर, नालंदा, भीमबेटका, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिमी घाट तथा कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान प्रमुख हैं। राजस्थान धरोहर संपदा की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ जयपुर शहर, जंतर-मंतर जयपुर, आमेर किला, चित्तौड़गढ़ दुर्ग, कुंभलगढ़, रणथंभौर दुर्ग, जैसलमेर किला, गागरोन दुर्ग तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान जैसे विश्व धरोहर स्थल स्थित हैं। वर्ष 2021 में भारत के रामप्पा मंदिर (तेलंगाना) तथा धोलावीरा (गुजरात) को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया, जिससे भारत की संख्या में वृद्धि हुई।विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष एक विशेष थीम घोषित की जाती है।वर्ष 2025 की थीम थी-आपदाओं और संघर्षों से विरासत खतरे मेंः आइसीओएमओएस के 60 वर्षों के अनुभवों से तैयारी और सीख। तथा वर्ष 2026 की थीम है-संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया। रखी गई है।इसका आशय यह है कि युद्ध, संघर्ष और प्राकृतिक आपदाओं के समय केवल भवनों और स्मारकों की ही नहीं, बल्कि जीवित विरासतों-जैसे लोक परंपराएँ, सामाजिक ज्ञान, सांस्कृतिक पहचान और समुदाय आधारित परंपराएँ की भी त्वरित सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। वर्तमान समय में बढ़ता शहरीकरण, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अवैध निर्माण, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएँ और लापरवाही अनेक धरोहरों के अस्तित्व पर संकट बनकर खड़े हैं। इसलिए इनका संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। धरोहरों से हमारी जड़ें मजबूत होती हैं, राष्ट्रीय गौरव बढ़ता है और पर्यटन उद्योग को नई दिशा मिलती है। भारत सरकार ने भी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु अनेक महत्त्वपूर्ण पहलें की हैं। विदेशों में पहुँचे प्राचीन पुरावशेषों की वापसी के प्रयास तेज किए गए हैं, और वर्ष 1976 से अब तक लगभग 655 पुरावशेष भारत वापस लाए जा चुके हैं। इतना ही नहीं, वर्ष 2024 में रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-स्थान जैसी कृतियों को यूनेस्को की विश्व स्मृति समिति के एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय रजिस्टर में शामिल किया गया, जिससे भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक सम्मान मिला। यह अच्छी बात है कि वर्ष 2017 में प्रारंभ हेरिटेज एडॉप्ट कार्यक्रम के माध्यम से सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओं को सीएसआर फंडिंग के जरिए विरासत स्थलों के संरक्षण और विकास में भागीदारी का अवसर दिया गया। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय स्मारक और पुरावशेष मिशन के अंतर्गत 12.3 लाख से अधिक पुरावशेषों तथा 11,400 विरासत स्थलों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही डिजिटल स्पेस में भारतीय विरासत पहल के माध्यम से लोगों को आभासी रूप से विरासत स्थलों का अनुभव कराया जा रहा है।भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) द्वारा विकसित मस्ट सी पोर्टल पर लगभग 100 प्रमुख स्मारकों की जानकारी, चित्र और दृश्य उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे पर्यटकों और शोधकर्ताओं को सुविधा मिलती है। जुलाई 2024 में भारत ने दिल्ली में यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र की मेज़बानी कर वैश्विक सांस्कृतिक नेतृत्व में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

निष्कर्षतः, विश्व धरोहर दिवस केवल कैलेंडर की एक तिथि नहीं, बल्कि मानवता की साझा विरासत को सुरक्षित रखने का वैश्विक संकल्प है। यदि हम अपनी धरोहरों की रक्षा नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ अपने इतिहास, संस्कृति और पहचान से वंचित हो जाएँगी। अतः विकास के साथ-साथ विरासतों के संरक्षण, संवर्द्धन और सम्मान के लिए हमें दृढ़ संकल्पित होकर कार्य करना चाहिए।

दैनिक पंचांग

18 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

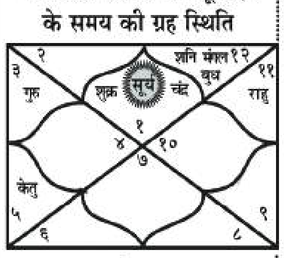

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.25 बजे से
चंद्र	मेष में	वृष	07.09 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.07 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.21 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	13.37 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	15.49 बजे से
शनि	मीन में	तुला	17.59 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.14 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	22.30 बजे से
		मकर	00.35 बजे से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	कुंभ	02.22 बजे से
		मीन	03.55 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 108 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 14.11 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 09.43 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 23.56 बजे को समाप्त।
करण बव 14.11 बजे तदनन्तर बालव 00.31 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 0.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 10° 45'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872683
जूलियन दिन 2461148.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 29
विशेष चन्द्रदर्शन, पराशर ऋषि जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म "टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोनअप्स" को लेकर आ रहे यश

जब सिनेमा कॉन 2026 में लास वेगास में इंडियन सिनेमा ने ग्लोबल स्टेज पर अपनी धाक जमाई, तब रॉकिंग स्टार यश ने अपनी अपकमिंग फिल्म "टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोनअप्स" को लेकर ऐसे-ऐसे खुलासे किए कि सबकी नजरें बस उन पर टिक गईं। रामायण के को-प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा के साथ बातचीत करते हुए, यश ने इस फिल्म की दुनिया की एक झलक दिखाई और भाई, ये कुछ अलग ही लेवल का गेम लग रहा है! फिल्म के बारे में बात करते हुए यश ने कहा,"पहली बार, हमने इस फिल्म को इंग्लिश में भी शूट किया है। कॉन्सेप्ट के तौर पर ये काफी लेयर्ड है। ये कोई टाइपिकल गैंगस्टर एक्शन कहानी नहीं है। ऊपर-ऊपर से देखोगे तो लगेगा कि फुल एक्शन से भरी गैंगस्टर फिल्म है, लेकिन अंदर से ये डीप साइकोलॉजी और इंसानी जिंदगी के दिलचस्प पहलुओं को एक्सप्लोर करती है, जिससे लोग आसानी से कनेक्ट कर पाएंगे। और एक डार्क किरदार को पेश करने का तरीका भी काफी यूनिक है।" डायरेक्टर गीटू मोहनदास और टीम के साथ काम करने का एक्सपीरियंस शेयर करते हुए यश बोले,"ये एक्सपीरियंस काफी एक्साइटिंग था। हमारी डायरेक्टर गीटू मोहनदास और टीम के बेहतरीन टेक्नीशियंस ने गैंगस्टर फिल्म को एक नया ट्विस्ट दिया है। मुझे इस पर काम करके बहुत मजा आया। ये फिल्म सिर्फ विजुअल ट्रीट नहीं होगी, बल्कि ऑडियंस की साइकोलॉजी पर भी गहरा असर डालेगी।"

इंडियन सिनेमा के बदलते रूप पर बात करते हुए यश ने इंडिया को "अपने आप में एक पूरी दुनिया" बताया — जहां हर कुछ सौ किलोमीटर में भाषा और कल्चर बदल जाता है। उन्होंने ये भी कहा कि डबिंग और पैन-इंडिया स्टोरीटेलिंग ने अलग-अलग क्षेत्रों के ऑडियंस को जोड़ने में बड़ा रोल निभाया है। उनके लिए टॉक्सिक इसी बदलाव का हिस्सा है — एक ऐसी फिल्म जो इंडियन जड़ों से जुड़ी है, लेकिन ग्लोबल ऑडियंस को ध्यान में रखकर बनाई गई है।"ये उन फिल्मों में से है जो हर किसी को अपील करेगी और साथ ही एक यूनिक एक्सपीरियंस भी देगी," उन्होंने आखिर में कहा।

गीटू मोहनदास के डायरेक्शन में बनी और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स व केवीएन प्रोडक्शन्स द्वारा प्रोड्यूस की गई "टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोनअप्स" में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया की दमदार कास्ट नजर आएगी। फिल्म 4 जून 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिल्म जन नायकन के फुटेज इंटरनेट पर आने से केवीएन प्रोडक्शंस नाराज

बहुप्रतीक्षित फिल्म जन नायकन के कुछ दृश्य और फुटेज इंटरनेट पर गैर-कानूनी तरीके से लीक होने के बाद फिल्म जगत में हलचल मच गई है। इस घटना पर अपनी गहरी निराशा व्यक्त करते हुए, फिल्म की अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने दर्शकों से भावुक अपील की है कि वे पायरेसी को बढ़ावा न दें और फिल्म को सिनेमाघरों में बड़े पर्दे पर देखें। वहीं, फिल्म के निर्माता, केवीएन प्रोडक्शंस ने लीक के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है और तुरंत जांच शुरू कर दी है।पूजा हेगड़े ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि एक फिल्म अनगिनत घंटों की मेहनत, रचनात्मक जोखिम और पूरी टीम की व्यक्तिगत कुर्बानियों का परिणाम होती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि फिल्म को ऑनलाइन लीक होते और गैर-कानूनी तरीके से साझा होते देखना बेहद दुखद है। यह सिर्फ कमाई का नुकसान नहीं, बल्कि हर कलाकार और टेक्नीशियन की मेहनत और इज्जत को भी छीन लेता है। पूजा ने विशेष रूप से यह भी उल्लेख किया कि जन नायकन थलापति विजय की आखिरी फिल्म है, और हर कोई इसे बड़े पर्दे पर सही तरीके से देखने और उसका जश्न मनाने का हकदार है। उन्होंने दर्शकों से अनुरोध किया, चलिए, थोड़ा इंतजार करते हैं। फिल्म सही समय पर रिलीज होगी। पायरेसी को बढ़ावा न दें। इसी तरह सिनेमा और कला जिंदा रहेंगे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स 505, निफ्टी 156 अंक उछला

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध जल्द समाप्त होने की उम्मीदों से भी निवेशकों में उत्साह है जिससे भी बाजार उछला है। आज कारोबार के दौरान इसी कारण सेंसेक्स और निफ्टी में 0.65 फीसदी की बढ़त रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 504.86 अंकों के उछाल के साथ ही 78,493.54 स्तर पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 156.80 अंक बढ़कर 24,353.55 पर बंद हुआ। आज एक समय सेंसेक्स 78,553.45 वही निफ्टी 24,371.90 तक पहुंच गया। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 में 1.27 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.48 फीसदी की बढ़त रही। दूसरी ओर निफ्टी आईटी जिसमें 0.02 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। सभी इंडेक्स हरे निशान में कारोबार करते हुए नजर आए। सबसे ज्यादा निफ्टी एफएमसीजी में 2.65 फीसदी, निफ्टी मीडिया में 1.34 फीसदी, निफ्टी मेटल में 1.10 फीसदी, निफ्टी रियल्टी में 0.94 फीसदी की बढ़त रही। इसके अतिरिक्त निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.78फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.74 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.61 फीसदी की तेजी रही।निफ्टी में जेएसडब्ल्यू स्टील, नेस्ले इंडिया, अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज, पावर ग्रिड, मैक्स हेल्थ के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई जबकि एचडीएफसी लाइफ, सनफार्मा, बजाज-ऑटो, एमएंडएम, एचसीएल टेक, एलएंडटी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। इससे पहले आज सुबह बाजार में गिरावट के साथ शुरुआत हुई पर जल्द ही रिकवरी के साथ बाजार लाभ में आ गया। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 78,000 के स्तर के पास 74.05 अंक की मामूली बढ़त के साथ 78,062.73 पर, और निफ्टी 4.50 अंक बढ़कर 24,201.25 के स्तर पर खुला।

संक्षिप्त खबरें

नेटफ्लिक्स को-फाउंडर रीड हेस्टिंग्स निदेशक मंडल से हटेंगे

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। ओटीटी दिग्गज नेटफ्लिक्स के सह-संस्थापक और वर्तमान चेयरमैन रीड हेस्टिंग्स इस साल जून में अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद कंपनी के निदेशक मंडल से हट जाएंगे। कंपनी ने इस अहम बदलाव की जानकारी देते हुए बताया कि हेस्टिंग्स अब परोपकारी कार्यों और अन्य गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने 1990 के दशक के अंत से 2023 तक दो दशकों से अधिक समय तक कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में कार्य किया। हेस्टिंग्स ने अपने कार्यकाल में हमेशा ग्राहकों की खुशी, बेहतर कार्य संस्कृति और दीर्घकालिक सफलता पर जोर दिया। यह महत्वपूर्ण घोषणा कंपनी के नवीनतम तिमाही परिणामों के साथ की गई।

विप्रो के शेयर धड़ाम, चौथी तिमाही के नतीजे उम्मीद से कमजोर

नई दिल्ली (ईएमएस)। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी विप्रो के शेयरों में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में लगभग चार प्रतिशत की तेज गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट कंपनी द्वारा अपनी जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे घोषित किए जाने के बाद आई। कंपनी का मुनाफा बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में घटकर 3,501.8 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 3,569.6 करोड़ रुपये था। चुनौतीपूर्ण व्यापक आर्थिक परिस्थितियों को लाभ में इस कमी की मुख्य वजह बताया गया। नतीजों की घोषणा के बाद बीएसई पर विप्रो का शेयर 3.61 प्रतिशत गिरकर 202.60 रुपये पर, जबकि एनएसई पर 3.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 202.50 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

एचडीएफसी लाइफ का मुनाफा बढ़कर 496 करोड़ हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस ने मार्च 2026 को समाप्त तिमाही में 495.65 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में चार प्रतिशत अधिक है। कंपनी की प्रीमियम आय भी बढ़कर 25,829 करोड़ रुपए हो गई, जो मजबूत प्रदर्शन को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कंपनी का मुनाफा छह प्रतिशत बढ़कर 1,910 करोड़ रुपए हो गया, जबकि कुल प्रीमियम 12 प्रतिशत बढ़कर 79,387 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। कंपनी ने प्रति इक्विटी शेयर 2.10 रुपए का लाभांश भी घोषित किया है। इसके अतिरिक्त, निदेशक मंडल ने अपने प्रवर्तक एचडीएफसी बैंक को 1,000 करोड़ रुपए के तरजीही शेयर जारी करने को मंजूरी दी।

एंथ्रोपिक के एआई मॉडल से फिनटेक पर साइबर खतरा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के वित्तीय सेवा क्षेत्र में एंथ्रोपिक के उन्नत एआई मॉडल क्लॉड मिथोस से जुड़े शुरुआती साइबर सुरक्षा खतरों को महसूस किया जा रहा है। फिनटेक स्व-नियामकीय संगठन फिनटेक एसोसिएशन फॉर कंज्यूमर एम्पावरमेंट (फेस) ने सबसे पहले इस पर कार्रवाई करते हुए अपने सदस्यों से आवश्यक रक्षात्मक उपाय मजबूत करने का आग्रह किया है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब क्लॉड मिथोस प्रीव्यू ने सॉफ्टवेयर कमजोरियों, विशेषकर जीरो-डे वल्नरबिलिटी (जिनके बारे में डेवलपर्स को पहले से जानकारी नहीं होती) की पहचान करने और उनका फायदा उठाने की उल्लेखनीय क्षमता का प्रदर्शन किया है। फेस के सीईओ सुगंध सक्सेना ने सदस्यों को ईमेल भेजकर साइबर सुरक्षा मजबूत करने, संभावित कमजोरियों को दूर करने और खतरों की तत्काल सूचना देने की सिफारिश की है। यह चिंताजनक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी नई तकनीकों की यह क्षमता गलत हाथों में पड़ सकती है, जिससे भारत और दुनिया भर में सॉफ्टवेयर प्रणालियों की स्थिरता पर गंभीर सवाल उठते हैं। इन चिंताओं के जवाब में, एंथ्रोपिक ने प्रोजेक्ट ग्लास विंग की घोषणा की है, जिसमें एमेजॉन, ऐपल, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट सहित एक दर्जन प्रमुख कंपनियां रक्षात्मक सुरक्षा कार्यों के लिए मिथोस का उपयोग करेंगी।

बुल स्प्रेड रणनीतिः सिर्फ 3700 लगाकर 6300 रुपए कमाने का मौका!

नई दिल्ली (ईएमएस)। शेयर बाजार में इस समय कुछ स्टॉक्स अचानक सुर्खियों में आए हैं, जहां तेजी का रुझान देखा जा रहा है। ऐसे में निवेशक सीमित जोखिम के साथ अधिकतम मुनाफा कमाने के तरीकों की तलाश में हैं। इसी कड़ी में एक बाजार विशेषज्ञ ने जेएसडब्ल्यू एनर्जी और आईईएक्स :पर बुल स्प्रेड ऑप्शन रणनीति अपनाने की सलाह दी है। बाजार विशेषज्ञ का मानना है कि इन दोनों स्टॉक्स में वर्तमान में तेजी का माहौल बन रहा है। बुल स्प्रेड एक ऐसी ऑप्शन ट्रेडिंग रणनीति है जिसमें नुकसान की सीमा तय होती है और मुनाफे का अनुमान पहले से लगाया जा सकता है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी के लिए, 28 अप्रैल एक्सपायरी का 540 कॉल ऑप्शन 11.75 रुपये में खरीदने और साथ ही 550 कॉल ऑप्शन 8.05 रुपये में बेचने का सुझाव दिया गया है। इस रणनीति में यदि शेयर 550 रुपये या उससे ऊपर बंद होता है, तो लगभग 6300 रुपये तक का मुनाफा हो सकता है। स्टॉक में शॉर्ट कवरिंग और तकनीकी रूप से मजबूत स्थिति के कारण तेजी की संभावना है। इसी तरह आईईएक्स के लिए भी बुल स्प्रेड रणनीति सुझाई गई है, जिसमें 136 कॉल ऑप्शन 2.90 रुपये में खरीदने और 140 कॉल ऑप्शन 1.40 रुपये में बेचने की सलाह दी गई है। अगर आईईएक्स 140 रुपये या उससे ऊपर बंद होता है, तो लगभग 9375 रुपये का मुनाफा संभव है। आईईएक्स में भी हालिया शॉर्ट कवरिंग और 3 महीने के उच्च स्तर पर बंद होने से मजबूत ब्रेकआउट के संकेत मिल रहे हैं। यह रणनीति उन निवेशकों के लिए आदर्श है जो बाजार में नियंत्रित जोखिम के साथ अवसर तलाश रहे हैं।

रूसी-ईरानी तेल पर अमेरिकी छूट खत्म,भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका ने रूस और ईरान से कच्चे तेल तथा पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद पर दी गई एक महीने की विशेष छूट को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसंट ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह छूट, जो भारत के लिए पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण बढ़ी आपूर्ति की कमी को पूरा करने में सहायक थी, अब समाप्त हो गई है। इस निर्णय से भारत की ऊर्जा आपूर्ति रणनीतियों में नई चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसंट ने स्पष्ट किया कि रूसी और ईरानी तेल के लिए सामान्य लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं किया जाएगा, क्योंकि 11 मार्च से पहले समुद्र में मौजूद सारा तेल अब इस्तेमाल हो चुका है। रूसी तेल पर यह छूट 11 अप्रैल को समाप्त हुई, जबकि ईरानी तेल पर इसी तरह की छूट 19 अप्रैल को खत्म हो रही है। इस अवधि के दौरान, पश्चिम एशिया में तनाव के चलते आपूर्ति में आई कमी को पूरा करने के लिए भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि की थी। आंकड़ों के अनुसार, मार्च में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात बढ़कर नौ महीने के उच्चतम स्तर 20.6 लाख बैरल प्रतिदिन पर पहुंच गया था, जो फरवरी में 10.6 लाख बैरल प्रतिदिन था। हालांकि, अमेरिकी छूट खत्म होने के बावजूद, भारतीय रिफाइनरियों ने संकेत दिया है कि वे उन रूसी आपूर्तिकर्ताओं और जहाजों से कच्चे तेल की खरीद जारी रखेंगी जिन पर कोई अमेरिकी प्रतिबंध नहीं है। गौरतलब है कि भारत ने 2019 से अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करने से बचने के लिए ईरान से ऊर्जा उत्पादों की खरीद रोक दी थी, जबकि प्रतिबंध से पहले ईरानी तेल भारत के कुल कच्चे तेल आयात का 11.5 फीसदी था। रूसी कच्चे तेल पर पहले मिलने वाली 8-10 डॉलर प्रति बैरल की छूट भी पश्चिम एशिया संकट के बाद कम हो गई है, और अब भारतीय रिफाइनरियों को कम से कम 6-7 डॉलर प्रति बैरल अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है, जिससे उनके मार्जिन पर दबाव बढ़ सकता है।

सोना 1.53 लाख के पार, चांदी फिर 2.5 लाख रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने और चांदी के भाव में शुक्रवार को शुरुआत में सुबह के कारोबार में जोरदार तेजी देखने को मिली। घरेलू बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों कीमती धातुओं ने बढ़त के साथ कारोबार शुरू किया। खबर लिखे जाने तक सोने के वायदा भाव 1,53,200 रुपए के करीब और चांदी के भाव 2,49,650 रुपए के आसपास कारोबार कर रहे थे, जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार कामेक्स पर भी समान सकारात्मक रुझान दिखा, जिससे निवेशकों के बीच उत्साह का माहौल है। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रैक्ट 149 रुपए की तेजी के साथ 1,53,301 प्रति दस ग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,53,152 रुपए था। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 59 रुपए की बढ़त के साथ 1,53,211 रुपए पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसने 1,53,301 रुपए का उच्च और 1,53,050 रुपए का निचला स्तर छुआ। उल्लेखनीय है कि इस साल सोने ने 1,80,779 रुपए प्रति दस ग्राम का रिकॉर्ड उच्च स्तर दर्ज किया था। वहीं एमसीएक्स पर चांदी के मई कॉन्ट्रैक्ट ने भी तेज शुरुआत की। यह 1,373 रुपए की मजबूत बढ़त के साथ 2,50,001 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,48,628 रुपए था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 1,062 रुपए की तेजी के साथ 2,49,680 रुपए पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में इसने 2,50,086 रुपए का उच्चतम और 2,49,532 रुपए का निम्नतम स्तर दर्ज किया। चांदी ने इस साल 4,20,048 रुपए प्रति किलोग्राम का सर्वोच्च स्तर छुआ था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी दर्ज की गई। कॉमेक्स पर सोना 4,811.80 डॉलर प्रति औंस पर खुला और खबर लिखे जाने तक 7.50 डॉलर की तेजी के साथ 4,815.80 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। इसका पिछला बंद भाव 4,808.30 डॉलर था। वहीं चांदी 78.66 डॉलर प्रति औंस पर खुली और 0.32 डॉलर की बढ़त के साथ 79.03 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। कॉमेक्स पर सोने ने इस साल 5,586.20 डॉलर और चांदी ने 121.79 डॉलर का सर्वोच्च स्तर छुआ है।

ओम पावर ट्रांसमिशन की धमाकेदार लिस्टिंग

नई दिल्ली (ईएमएस)। पावर ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी ओम पावर ट्रांसमिशन के शेयर शुक्रवार को शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत के साथ लिस्ट हुए। कंपनी ने अपने आईपीओ से 150 करोड़ रुपए जुटाए थे, जिसमें निवेशकों को लिस्टिंग के दिन ही अच्छा मुनाफा हुआ। ओम पावर ट्रांसमिशन के शेयर एनएसई पर 186 रुपये पर लिस्ट हुए, जो इश्यू प्राइस 175 रुपये से 11 रुपये या 6.28 प्रतिशत अधिक है। वहीं, बीएसई पर यह 181 रुपये पर खुला, जो 3.4 फीसदी प्रीमियम दर्शाता है। कंपनी के आईपीओ को निवेशकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी और यह कुल 3.33 गुना सब्सक्राइब हुआ। इसमें गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) का हिस्सा 7.06 गुना और योग्य संस्थागत खरीदारों का 3.65 गुना भरा। खुदरा निवेशकों का कोटा 1.54 गुना भरा गया। कंपनी आईपीओ से जुटाई गई राशि का उपयोग मशीनरी खरीदने, कर्ज चुकाने और अपनी दीर्घकालिक कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने में करेगी।

एशिया के सबसे अमीर बने गौतम अडानी मुकेश अंबानी को पछाड़ रचा इतिहास

मुंबई (ईएमएस)। एशिया के सबसे धनी व्यक्तियों की सूची में एक बड़ा उलटफेर हुआ है। अडानी ग्रुप के प्रमुख गौतम अडानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी को पछाड़ते हुए अब एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति का खिताब हासिल कर लिया है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार गौतम अडानी की कुल संपत्ति 92.6 अरब डॉलर पहुंच गई है, जिससे वह दुनिया के 19वें सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। वहीं मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 90.8 अरब डालर रह गई है, और वे वैश्विक सूची में 20वें स्थान पर खिसक गए हैं। इस साल अडानी की संपत्ति में 8.10 अरब डालर की वृद्धि हुई, जबकि अंबानी की संपत्ति में 16.9 अरब डालर की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। लिस्ट में 656 अरब डॉलर के साथ एलन मस्क पहले नंबर पर बने हुए हैं। गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज 286 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। अमेजन के जेफ बेजोस (269 अरब डॉलर), सर्गेई ब्रिन (266 अरब डॉलर), मार्क जुकरबर्ग (239 अरब डॉलर), लैरी एलिसन (230 अरब), माइकल डेल (170 अरब), जेंसन हुआंग (164 अरब), बर्नार्ड आरनॉल्ट (164 अरब) और जिम वॉल्टन (150 अरब डालर) भी टॉप 10 में शामिल हैं।

तेल-गैस सेक्टर में उछाल, ओएनजीसी और ऑयल इंडिया को रिकॉर्ड मुनाफा!

- कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और उत्पादन वृद्धि से बढ़ सकता है इन कंपनियों का एबिट्डा

मुंबई (ईएमएस)। भारत के तेल और गैस सेक्टर में काम करने वाली अपस्ट्रीम कंपनियों, खासकर ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के लिए आने वाला समय बेहद मजबूत दिख रहा है। एंटीक स्टॉक ब्रोकरेज की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2027 में इन कंपनियों को कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और उत्पादन में अनुमानित वृद्धि के कारण रिकॉर्ड फायदा मिल सकता है। रिपोर्ट ने ब्रेंट क्रूड के वित्त वर्ष 27 के औसत अनुमान को बढ़ाकर 75 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है, जो पहले 65 डॉलर था। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कई कारणों से मजबूत बनी हुई हैं। हालिया सप्लाई झटकों, विशेषकर होर्मुज क्षेत्र में बाधा के कारण बाजार में कच्चे तेल की कमी हुई है। मार्च और अप्रैल के दौरान करीब 500 मिलियन बैरल की आपूर्ति प्रभावित हुई, जिससे कीमतों में उछाल आया। लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन की दिक्कतों के चलते अगले 4 से 6 महीने तक कच्चा तेल 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना रह सकता है, भले ही सप्लाई सामान्य होने लगे। इन अनुकूल परिस्थितियों का सीधा लाभ ओएनजीसी और ऑयल इंडिया को मिलेगा। इन कंपनियों को एक तरफ कच्चे तेल की ऊंची कीमतें मिलेंगी, वहीं दूसरी तरफ उनके उत्पादन में भी बढ़ोतरी का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 से 2028 के बीच ओएनजीसी के उत्पादन में सालाना 2.5 प्रतिशत और ऑयल इंडिया के उत्पादन में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। इस दोतरफा फायदे के परिणामस्वरूप, वित्त वर्ष 2027 में इन कंपनियों की कमाई में बड़ा उछाल आने की संभावना है। ओएनजीसी का एबिट्डा करीब 26 प्रतिशत और ऑयल इंडिया का एबिट्डा 27 प्रतिशत तक बढ़ने का अनुमान है, जो इनकी वित्तीय स्थिति को और मजबूत करेगा।

क्या कम एसआईपी रिटर्न से परेशान हैं? रुकने की बजाय अपनाएं ये रणनीति

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगर पिछले 2-3 सालों में आपके एसआईपी पोर्टफोलियो में अपेक्षित रिटर्न नहीं मिला है या एक्सआईआरआर नकारात्मक हो गया है, तो परेशान होना स्वाभाविक है।

कई निवेशक ऐसे में अपनी एसआईपी बंद करने या फंड बदलने का विचार करते हैं। हालांकि, वित्तीय विशेषज्ञ ऐसी स्थिति में घबराने की बजाय धैर्य रखने और कुछ रणनीतियों का पालन करने की सलाह देते हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि सिर्फ 3 साल के प्रदर्शन के आधार पर एसआईपी का मूल्यांकन करना सही नहीं है। तीन साल का समय इक्विटी निवेश के लिए काफी नहीं म्युचुअल फंड एक्सपर्ट एके निगम स्पष्ट करते हैं कि इक्विटी एसआईपी के प्रदर्शन को तीन साल में आंकना जल्दबाजी है। उनके अनुसार, इक्विटी निवेश को 5 से 7 साल का समय देना चाहिए, ताकि वह बाजार के विभिन्न चरणों (तेजी, गिरावट, रिकवरी) से गुजर सके। निगम इसे टेस्ट मैच के पहले दिन ही नतीजा निकालने जैसा बताते हैं, जो कि अक्सर गलत साबित होता है। खासकर मिड और स्मॉल कैप फंड्स में तो और भी धैर्य की जरूरत होती है, क्योंकि उनमें बाजार का चक्र लंबा होता है। बाजार विशेषज्ञों की राय है कि गिरते या कमजोर बाजार में एसआईपी रोकना एक बड़ी गलती हो सकती है। वह बताते हैं कि एसआईपी का मूल सिद्धांत ही बाजार की अस्थिरता को निवेशक के पक्ष में मोड़ना है। जब बाजार गिरता है, तो आपकी तय निवेश राशि से आपको अधिक यूनिट्स मिलती हैं। बाद में जब बाजार वापसी करता है, तो ये अतिरिक्त यूनिट्स आपके कुल रिटर्न को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा देती हैं।

भारतीय बाजार निचले स्तर के करीब, पर एकमुश्त निवेश से बचेंः बाजार विशेषज्ञ

नई दिल्ली (ईएमएस)। शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव निवेशकों की चिंता बढ़ा रहा है। ऐसे में यह सवाल अहम हो गया है कि क्या बाजार अपने निचले स्तर (बॉटम) पर पहुंच गया है या अभी और गिरावट बाकी है। इस पर आशिका ग्लोबल फैमिली ऑफिस सर्विसेज के को-फाउंडर अमित जैन का मानना है कि भारतीय बाजार काफी हद तक अपने बॉटम के करीब पहुंच चुका है, हालांकि अमेरिकी बाजारों से कुछ असर दिख सकता है। उन्होंने निवेशकों को सोच-समझकर, धीरे-धीरे निवेश करने की सलाह दी है। एक बाजार विशेषज्ञ के मुताबिक, भारतीय शेयर बाजार काफी हद तक अपने निचले स्तरों के करीब पहुंच गया है और 21,000-22,000 का स्तर बाजार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हालांकि, उन्होंने यह भी आगाह किया कि अमेरिकी बाजारों में अभी कुछ और गिरावट संभव है, जिसका प्रभाव भारतीय बाजार पर भी देखा जा सकता है। निवेश की नई रणनीति निवेश रणनीति पर जैन ने स्पष्ट किया कि यह समय एकमुश्त बड़े निवेश का नहीं है। निवेशकों को धीरे-धीरे, अच्छी गुणवत्ता वाले शेयरों में पैसा लगाना चाहिए। उनका सुझाव है कि कुल निवेश का लगभग 40 फीसदी हिस्सा अभी लगाया जा सकता है, जबकि बाकी पूंजी को बाजार की चाल और सुधार देखकर निवेश किया जाए। बाजार विशेषज्ञ आईटी सेक्टर को लेकर काफी सकारात्मक बताते हैं। वे इसे एक रिवर्सल ट्रेड मानते हैं, जहां भविष्य में अच्छी वापसी की उम्मीद है। जोखिम कम करने के लिए वे सीधे शेयरों के बजाय बैंक, बीईईएस, आईटी ईटीएफ और पीएसयू बैंक ईटीएफ जैसे फंड्स को बेहतर विकल्प बताते हैं। पोर्टफोलियो में 20 फीसदी हिस्सा सोने में रखने की सलाह भी दी गई है, ताकि यह मुश्किल समय में एक सुरक्षा कवच का काम कर सके। छोटे निवेशकों को आगाह करते हुए, उन्होंने ऐसे माइक्रो कैप स्टॉक्स से दूर रहने को कहा जो केवल आत्म-संतोष देते हैं लेकिन पोर्टफोलियो में बड़ा योगदान नहीं करते।

स्पेसएक्स का रिकॉर्ड आईपीओ, मस्क अंतरिक्ष के बाद अब शेयर बाजार में रचेंगे इतिहास?

2 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य के साथ नेस्डेक में गोपनीय दस्तावेज दाखिल, कंपनी के लिए नियमों में भी मिली ढील

वाशिंगटन (ईएमएस)। एलन मस्क की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने अमेरिकी शेयर बाजार नेस्डेक में लिस्टिंग की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ के लिए गोपनीय दस्तावेज दाखिल कर दिए हैं, जिसका लक्ष्य लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर के अभूतपूर्व मूल्यांकन के साथ बाजार में उतरना है। यदि यह सौदा सफल रहा, तो यह इतिहास का सबसे बड़ा प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बन सकता है। स्पेसएक्स अपनी कुल हिस्सेदारी का एक छोटा सा भाग बेचकर लगभग 75 अरब डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। 2002 में स्थापित, इस कंपनी का मूल उद्देश्य मानवता को बहुग्रह बनाना है। उसने रॉकेट के दोबारा उपयोग की तकनीक विकसित कर अंतरिक्ष प्रक्षेपण की लागत को नाटकीय रूप से 5 फीसदी तक कम कर दिया है, जिससे 600 से अधिक सफल रॉकेट लैंडिंग हुई हैं। कंपनी की आय का बड़ा हिस्सा उसके सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक से आता है, जिसके दुनिया भर में एक करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। विस्तार और रणनीतिक विलयः फरवरी 2026 में ग्रोक का डेवलपर के साथ हुए 1.25 ट्रिलियन डॉलर के विलय ने इस आईपीओ की नींव तैयार की है। मस्क के मुताबिक आईपीओ से जुटाई गई रकम का उपयोग अंतरिक्ष में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा संचालित डेटा सेंटर सैटेलाइट स्थापित करने के लिए किया जाएगा, ताकि पृथ्वी की ऊर्जा सीमाओं को पार किया जा सके। नेस्डेक के नियमों में बदलावः स्पेसएक्स की संभावित लिस्टिंग को देखते हुए, नेस्डेक ने अपने कुछ नियमों में ढील दी है। इसमें आमतौर पर आवश्यक 10 फीसदी सार्वजनिक हिस्सेदारी की शर्त और इंडेक्स में शामिल होने की समय-सीमा को तीन महीने से घटाकर 15 ट्रेडिंग दिन करना शामिल है। इससे स्पेसएक्स तेजी से नेस्डेक 100 जैसे प्रमुख इंडेक्स का हिस्सा बन सकेगी, जिससे इंडेक्स फंड्स से स्वतः निवेश आकर्षित होगा। चुनौतियां और विशेषज्ञ सलाहः हालांकि, कंपनी की ऊंची वैल्यूएशन (पिछले साल का राजस्व करीब 15 अरब डॉलर बनाम 2 ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य) को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जो टेस्ला जैसी महंगी कंपनियों के मुकाबले भी कई गुना अधिक है। स्पेसएक्स अपने 30 फीसदी शेयर खुदरा निवेशकों को उपलब्ध कराने की योजना बना रही है, जिससे भारी उत्साह की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने नियमों में ढील और इतनी ऊंची वैल्यूएशन के कारण निवेशकों को सावधानी बरतने की सलाह दी है, क्योंकि इससे बाजार में अस्थिरता और जोखिम बढ़ सकता है।

पश्चिम एशिया संकट की मार, महंगी हो सकती हैं जीवनरक्षक औषधियां

- इनपुट लागत में तेजी से बढ़ोत्तरी और मार्जिन पर दबाव के कारण उत्पादन प्रभावित

नई दिल्ली (ईएमएस)। पश्चिम एशिया में गहराते संकट का असर अब सीधा मरीजों की जेब पर पड़ने वाला है। पेट्रोल-एलपीजी की बढ़ती कीमतों से पहले ही जूझ रहे आम आदमी को अब जीवनरक्षक दवाओं के लिए भी अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। सरकार ने कैंसर की दवाओं, एंटीबायोटिक्स और इंजेक्शन सहित कई जरूरी औषधियों की कीमतों में लगभग 10 से 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव किया है, जिसका मुख्य कारण वेस्ट एशिया में जारी तनाव के चलते दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग लागत में भारी उछाल आना है। यह कदम फिलहाल एक अल्पकालिक समाधान के तौर पर उठाया जा रहा है, जिसकी अवधि लगभग तीन महीने तक सीमित रखने पर चर्चा हो रही है। सरकार का उद्देश्य है कि दवा उद्योग को मौजूदा संकट से राहत मिले, लेकिन उपभोक्ताओं पर लंबे समय तक बोझ न पड़े। हालांकि, मरीजों के लिए यह एक बड़ा झटका होगा, जो पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे हैं। दवाओं की लागत में यह उछाल मुख्य रूप से खाड़ी देशों से सॉल्वेंट्स की आपूर्ति में बाधा के कारण आया है। ये सॉल्वेंट्स दवा निर्माण प्रक्रिया में जरूरी रसायनों को घोलने, शुद्ध करने और प्रोसेस करने में उपयोग होते हैं। ईरान युद्ध और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण इन रसायनों की आवक कम हो गई है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमतें आसमान छू रही हैं। दवा कंपनियों का कहना है कि इनपुट लागत में तेजी से बढ़ोत्तरी और मार्जिन पर दबाव के कारण उनका उत्पादन प्रभावित हो रहा है। उद्योग संगठनों जैसे ओपीपीआई और आईपीए ने सरकार से मूल्य समायोजन की मांग की है, ताकि त्पादन को बनाए रखा जा सके। कुछ उद्योग समूहों ने तो 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की मांग भी रखी थी। दवा निर्माताओं ने चेतावनी दी है कि यदि कीमतों में वृद्धि नहीं की गई, तो कई आवश्यक दवाओं का उत्पादन आर्थिक रूप से घाटे का सौदा बन जाएगा और उन्हें उत्पादन रोकना पड़ सकता है। इससे बाजार में दवाओं की कमी हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि यह स्थिति दो से तीन महीने तक बनी रहती है, तो दवा उत्पादन पर व्यापक असर पड़ सकता है। सरकार ऐसे प्रावधानों की जांच कर रही है जिनके तहत असाधारण परिस्थितियों में दवा कीमतों में बदलाव किया जा सकता है। मंजूरी मिलने पर यह बढ़ी हुई कीमत सीधे खुदरा बाजार में लागू होगी।

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तान में गैस पाइपलाइन फटने से धमाका, 8 लोगों की मौत, कई झुलसे

कराची,(ईएमएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हरिपुर जिले में गुरुवार को एक औद्योगिक क्षेत्र में गैस पाइपलाइन फटने से विस्फोट हुआ, जिसकी चपेट में आने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। प्रशासन ने आशंका जताई है कि हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। आपातकालीन सेवा रेस्क्यू के अधिकारियों के मुताबिक यह घटना हरिपुर के प्रसिद्ध हत्तर इंडस्ट्रियल एस्टेट में हुई। विस्फोट ग्रैंड ट्रंक रोड के पास स्थित एक कारखाने के पास हुआ। धमाका इतना जोरदार था कि पाइपलाइन फटने के बाद वहां भीषण आग लग गई। मीडिया रिपोर्ट में रेस्क्यू सूत्रों के हवाले से बताया गया है यह विस्फोट 'ग्रैंड ट्रंक रोड' के पास एक कारखाने के पास हुआ, जहां गैस पाइपलाइन में हुए जोरदार धमाके के बाद भीषण आग लग गई। निकट स्थित एक मकान भी आग की चपेट में आ गया, जिससे नुकसान बढ़ गया और बचाव कार्य में बाधा आई। उन्होंने बताया कि इस घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। हरिपुर के जिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि आग के तेजी से फैलने के बीच कम से कम चार महिलाओं और छह बच्चों को बचा लिया गया है। उन्होंने बताया कि कई महिलाएं और बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए हैं। लोगों की मौत का मुख्य कारण दम घुटना बताया जा रहा है।

रूस ने कर दिया भीषण हमला- एक साथ टूट पड़े 659 ड्रोन और 44 मिसाइले 18 की मौत

कीव,(ईएमएस)। रूस-यूक्रेन युद्ध एक बार फिर अत्यंत विनाशकारी मोड़ पर पहुंच गया है। रूस ने इस साल के सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम देते हुए, यूक्रेन के विभिन्न शहरों पर ड्रोन और मिसाइलों की भीषण बारिश कर दी है। इस ताजा हमले में कम से कम 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है, जबकि 100 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यूक्रेन की वायुसेना द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, रूस ने पिछले 24 घंटों के भीतर रिकॉर्ड 659 ड्रोन और 44 मिसाइलें दागीं। यह हमला मुख्य रूप से नागरिक ठिकानों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किया गया। कीव, खारकीव, ओडेसा, डिन्प्रो और जापोरिज्जिया जैसे प्रमुख शहर इस गोलाबारी से बुरी तरह दहल उठे। ओडेसा में नेशनल म्यूजिक अकादमी के हॉस्टल पर हमला होने से वहां रह रहे छात्रों में हड़कंप मच गया; पांच छात्र घायल हुए जिन्हें रात के समय सुरक्षित बाहर निकाला गया। डिन्प्रो में तीन और जापोरिज्जिया में एक व्यक्ति की जान जाने की पुष्टि हुई है। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबीहा ने इस हमले को आतंकी कार्रवाई करार देते हुए कहा कि रूस जानबूझकर रिहायशी इलाकों को निशाना बना रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने वैश्विक समुदाय को संदेश देते हुए कहा कि रूस केवल जंग के रास्ते पर चल रहा है और यह विनाशकारी रात साबित करती है कि रूस पर लगे प्रतिबंधों में कोई ढील नहीं दी जानी चाहिए। यह हमला उस समय हुआ है जब ईस्टर के अवसर पर घोषित किया गया 32 घंटे का युद्धविराम कुछ ही देर में टूट गया। इस भीषण गोलाबारी ने स्पष्ट कर दिया है कि युद्धविराम की कोशिशें फिलहाल विफल साबित हो रही हैं। इसी बीच, जेलेंस्की अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने के लिए इटली के दौरे पर हैं, जहां उन्होंने सुरक्षा और रक्षा सहयोग को लेकर महत्वपूर्ण बैठकें की हैं। इस हमले के बाद अब पूरे क्षेत्र में तनाव और अधिक बढ़ गया है।

कतर दौरे पर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री की हवाई सलामी हुई वायरल, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इन दिनों अपने कतर दौरे को लेकर सुर्खियों में हैं, लेकिन उनकी यह चर्चा कूटनीतिक समझौतों से ज्यादा एक वायरल वीडियो के कारण हो रही है। दरअसल, जब प्रधानमंत्री का विमान कतर के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुआ, तो कतर एयरफोर्स के लड़ाकू विमानों ने उनके विमान को एस्कॉर्ट कर विशेष सम्मान दिया। इसी दौरान शहबाज शरीफ विमान की खिड़की से कतरी फाइटर जेट्स को सलामी देते नजर आए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आते ही वायरल हो गया। इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स के बीच दो फाड़ देखने को मिल रहे हैं। बड़ी संख्या में यूजर्स ने इस वीडियो पर तंज कसते हुए इसे ओवरएक्टिंग करार दिया। कुछ लोगों ने मजाक उड़ाते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री ने जमीन पर उतरने का इंतजार भी नहीं किया और हवा में ही सलामी देना शुरू कर दिया। वहीं, दूसरी ओर कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह कोई असामान्य घटना नहीं है। अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत जब किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष का दूसरे देश में इस तरह स्वागत किया जाता है, तो मेहमान नेता अक्सर हाथ हिलाकर या सलामी देकर उस देश की मेहमाननवाजी और सम्मान के प्रति अपना आभार व्यक्त करता है। यह एक स्थापित डिप्लोमैटिक जेस्चर है जो दुनिया के कई नेता अपनाते रहे हैं। अपनी इस यात्रा के दौरान शहबाज शरीफ का दोहा एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया, जहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। प्रधानमंत्री शरीफ का यह दौरा मध्य पूर्व में क्षेत्रीय तनाव को कम करने और विशेष रूप से अमेरिका व ईरान के बीच संवाद की संभावनाओं को तलाशने के उद्देश्य से किया गया है। भले ही सोशल मीडिया पर इस वीडियो को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा हो, लेकिन कूटनीतिक दृष्टिकोण से इसे राजकीय सम्मान के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक जरिया माना जा रहा है। कुल मिलाकर, शहबाज शरीफ की यह हवाई सलामी कूटनीति और सोशल मीडिया के दौर में एक नए विवाद और चर्चा का विषय बन गई है।

इंडोनेशिया में लापता हेलीकॉप्टर घने जंगल में मिला, आठ लोगों की मौत

जर्काता,(ईएमएस)। इंडोनेशिया के पश्चिम कालीमंतन प्रांत से पिछले कुछ समय से लापता एक निजी हेलीकॉप्टर का मलबा वीरवार यानि सुदूर और घने वन क्षेत्र में बरामद हुआ है। इस दुर्घटना में सवार सभी 8 लोगों की मौत हो चुकी है। दुर्गम इलाका होने के कारण बचाव दल को शवों को निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। वहीं बचाव दल के अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल नूर्चमन गिंधा द्राधिज्र्या ने बताया कि फिलहाल चार लोगों के शवों को निकाला गया है, जबकि तीन अन्य अभी भी हेलीकॉप्टर के मलबे के अंदर हैं। एक अन्य की तलाश जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हेलीकॉप्टर की पहचान पीटी मैथ्यू एयर एयरबस एच-130 के रूप में हुई है। उड़ान विवरण के हवाले से बताया गया है कि हेलीकॉप्टर में आठ लोग सवार थे। अंधेरा और दुर्गम भूभाग के कारण बचाव कार्य अस्थायी रूप से रोक दिया गया था और आज फिर से शुरू इंडोनेशियाई पुलिस ने कहा था कि सेकाडाऊ के घने जंगलों में मलबा मिलने के बाद संयुक्त बचाव दल सक्रिय रूप से निकासी अभियान में जुट गए हैं। इंडोनेशियाई वायु सेना के एक सुपर प्यूमा हेलिकॉप्टर ने वीरवार को करीब तीन किलोमीटर दूर मलबे को देखा था। राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी के संचालन एवं तैयारी उप प्रमुख एडी प्राकोसो ने कहा कि हवाई निगरानी से संभावित स्थान का पता चल गया है। हमने बचाव अभियान में सहायता के लिए ये निर्देशांक जमीनी इकाइयों को भेज दिए हैं।

क्या हमास को ट्रेनिंग दे रहा पाकिस्तान? बयान से बढ़ी अंतरराष्ट्रीय चिंता

तेल अवीव,(ईएमएस)। पाकिस्तान को लेकर एक बार फिर गंभीर आरोप सामने आए हैं, जिनसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है। पाकिस्तानी सीनेटर मुशाहिद हुसैन सैयद के एक बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है, जिसमें उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान के सैन्य संस्थानों में फिलिस्तीनी कैडेट्स और हमास से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में मुशाहिद हुसैन ने कहा कि उन्होंने हाल ही में पाकिस्तान के नेवी वॉर कॉलेज का दौरा किया, जहां उन्हें फिलिस्तीनी कैडेट्स दिखाई दिए। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान के विभिन्न सैन्य संस्थानों में ऐसे लोगों की मौजूदगी देखी जा सकती है, जिन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उनके इस बयान को लेकर कई तरह की व्याख्याएं सामने आ रही हैं। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है, लेकिन बयान ने वैश्विक राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। खासकर इजराइल और भारत जैसे देशों के लिए यह मामला संवेदनशील माना जा रहा है, क्योंकि हमास को इजराइल एक प्रमुख सुरक्षा खतरे के रूप में देखता है। मध्य-पूर्व में पहले से ही तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।

2006 से अब तक सत्ताधीशों के घर से काली कमाई निकालेगी नेपाल सरकार

काठामांडु(ईएमएस)। नेपाल की राजनीति में एक ऐतिहासिक मोड़ आया जब प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की सरकार ने पिछले दो दशकों में सत्ता के गलियारों में रहे प्रमुख नेताओं और वरिष्ठ नौकरशाहों की संपत्ति की गहन जांच करने के लिए एक शक्तिशाली आयोग के गठन की घोषणा की। कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में लिए गए इस निर्णय के तहत वर्ष 2006 से लेकर अब तक शासन करने वाले तमाम प्रभावशाली व्यक्तियों की चल-अचल संपत्ति को खंगाला जाएगा। यह वह कालखंड है जब नेपाल में राजशाही के अंत के बाद लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल और माओवादी केंद्र जैसी प्रमुख राजनीतिक पार्टियों ने देश की कमान संभाली थी।
सरकार के इस कड़े रुख का उद्देश्य उन आरोपों की सच्चाई सामने लाना है, जिनमें नेताओं पर सत्ता का दुरुपयोग कर अवैध तरीके से धन अर्जित करने और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगते रहे हैं। इस जांच के दायरे में पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' जैसे कद्दावर नाम भी शामिल हैं। सरकार के आधिकारिक प्रवक्ता और शिक्षा मंत्री सस्मित पोखरेल ने स्पष्ट किया कि इस पांच सदस्यीय आयोग की कमान सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश राजेंद्र कुमार भंडारी को सौंपी गई है। आयोग का प्राथमिक कार्य 2006 से 2026 के बीच सत्तासीन रहे लोगों की संपत्ति का विवरण जुटाना और उसका सत्यापन करना होगा।
प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह द्वारा लिया गया यह साहसिक फैसला उनके 100 सूत्रीय सुधार एजेंडे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। योजना के मुताबिक, भ्रष्टाचार विरोधी यह अभियान दो चरणों में चलेगा। पहले चरण में 2006 के बाद के मामलों को देखा जाएगा, जबकि दूसरे चरण में 1992 से 2006 तक के कार्यकाल की जांच की जाएगी। इस कदम को पिछले साल सितंबर में हुए जेन-जी विरोध प्रदर्शनों की प्रतिक्रिया के रूप में भी देखा जा रहा है, जिसमें युवाओं ने स्थापित राजनीतिक नेतृत्व के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर जबरदस्त नाराजगी जाहिर की थी। इसी जन-आक्रोश के कारण केपी शर्मा ओली की सरकार का पतन हुआ और बाद में हुए चुनावों में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने भारी बहुमत के साथ सत्ता हासिल की। वर्तमान सरकार ने भरोसा दिलाया है कि जांच की प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष और सबूतों पर आधारित होगी। आयोग की सिफारिशों के आधार पर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जानकारों का मानना है कि यदि यह जांच सही दिशा में आगे बढ़ती है, तो यह नेपाल की राजनीति में शुचिता लाने और जनता का लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भरोसा बहाल करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है। फिलहाल, इस घोषणा ने नेपाल के राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है।

ताइवान की एकता की देवी पहुंची चीन, शी जिनपिंग से की मुलाकात

अमेरिका की बढी चिंता, ताइवान सरकार ने बताया लोकतंत्र के खिलाफ

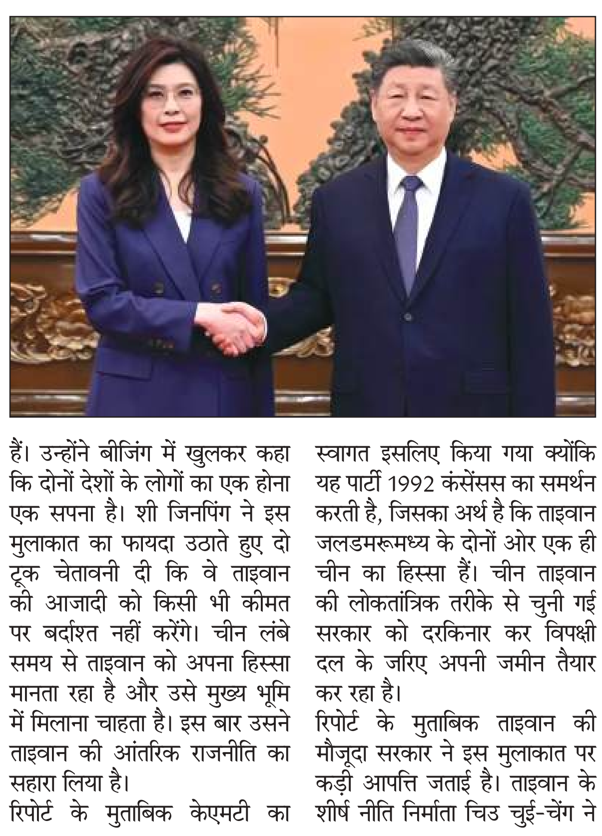

बीजिंग,(ईएमएस)। ताइवान की प्रमुख विपक्षी पार्टी कुओमिन्तांग (केएमटी) की अध्यक्ष चेंग ली-वुन ने हाल ही में बीजिंग की अपनी ऐतिहासिक यात्रा पूरी की, जहां उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। पिछले 10 सालों में यह पहली बार है जब ताइवान के किसी बड़े विपक्षी नेता ने चीन का दौरा किया है और सीधे जिनपिंग से बातचीत की।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ताइवान में अपने चीन समर्थक रुख के कारण एकता की देवी के नाम से मशहूर ली-वुन की इस यात्रा को चीन एक चीन नीति के समर्थन के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, जबकि ताइवान की मौजूदा लोकतांत्रिक सरकार इसे अपने लोकतंत्र के खिलाफ मान रही है। इस घटनाक्रम ने अमेरिका समेत अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी चिंता में डाल दिया है, क्योंकि चीन ताइवान को लुभाने के लिए नए दांव खेल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक चेंग ली-वुन, जो 2025 में केएमटी अध्यक्ष बनीं, शुरुआत से ही ताइवान और चीन के पुनर्मिलन की पक्षधर रही हैं। उन्होंने बीजिंग में खुलकर कहा कि दोनों देशों के लोगों का एक होना एक सपना है। शी जिनपिंग ने इस मुलाकात का फायदा उठाते हुए दो टूक चेतावनी दी कि वे ताइवान की आजादी को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। चीन लंबे समय से ताइवान को अपना हिस्सा मानता रहा है और उसे मुख्य भूमि में मिलाना चाहता है। इस बार उसने ताइवान की आंतरिक राजनीति का सहारा लिया है।
रिपोर्ट के मुताबिक केएमटी का स्वागत इसलिए किया गया क्योंकि यह पार्टी 1992 कंसेंसस का समर्थन करती है, जिसका अर्थ है कि ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों ओर एक ही चीन का हिस्सा हैं। चीन ताइवान की लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को दरकिनार कर विपक्षी दल के जरिए अपनी जमीन तैयार कर रहा है।
रिपोर्ट के मुताबिक ताइवान की मौजूदा सरकार ने इस मुलाकात पर कड़ी आपत्ति जताई है। ताइवान के शीर्ष नीति निर्माता चिउ चुई-चेंग ने साफ किया कि लोग अपने भविष्य का फैसला खुद कर सकते हैं और चीन को लोकतांत्रिक सरकार से ही बात करनी चाहिए। वहीं, अमेरिका ने भी चीन को कड़ा संदेश दिया है, जिसमें उसे ताइवान के पास सैन्य अभ्यास बंद करने और ताकत दिखाने के बजाय बातचीत का रास्ता अपनाने की सलाह दी गई है। चीन ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते को अलगाववादी मानता है और इसलिए उनसे बात करने के बजाय केएमटी जैसे दलों को बढ़ावा दे रहा है।
इस यात्रा की टाइमिंग भी अहम है, क्योंकि अमेरिका ईरान जैसे अन्य वैश्विक संकटों में उलझा है, जिससे बीजिंग को ताइवान पर प्रभाव बढ़ाने का मौका मिल गया है। चीन एक तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ा रहा है, वहीं दूसरी तरफ उसने ताइवान के पास 100 से ज्यादा नौसैनिक जहाज तैनात कर दिए हैं, जो उसके दोहरे रुख को दर्शाता है। उसकी गिरती अर्थव्यवस्था भी उसे आर्थिक रिश्ते सुधारने पर मजबूर कर रही है, लेकिन कब्जा करने का उसका दीर्घकालिक इरादा बरकरार है।

राष्ट्रपति ट्रंप के दावों को ईरान ने बताया झूठ, कहा

अमेरिका को नहीं देंगे अपना यूरेनियम

तेहरान,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप झूठ बोलने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं उन्होंने यूरेनियम को लेकर भी झूठ बोला और कहा कि ईरान अपना यूरेनियम अमेरिका को देने के लिए तैयार हो गया। इन इटकलों के बीच तेहरान ने साफ कर दिया कि ट्रंप पूरी तरह झूठ बोल रहे हैं उन्हे एक मुटठी भी यूरेनियम नहीं दिया जाएगा।
व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने उत्साह जताते हुए कहा कि दोनों देश एक ऐतिहासिक शांति समझौते के बेहद करीब हैं और ईरान ने उन्हें न्यूक्लियर डस्ट देने पर सहमति जताई है। ट्रंप ने संकेत दिया कि यदि यह समझौता सिरे चढ़ता है, तो वे इसके हस्ताक्षर समारोह के लिए पाकिस्तान का दौरा भी कर सकते हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस डील के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य खुल जाएगा, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति सामान्य हो सकेगी। हालांकि, ईरान ने राष्ट्रपति ट्रंप के इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए इन्हें सिरे से नकार दिया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर कालिबाफ के करीबी सूत्रों और अन्य आधिकारिक अधिकारियों ने ट्रंप के बयानों को झूठ करार दिया है। ईरान का कहना है कि अमेरिका को यूरेनियम सौंपने के विषय पर अब तक कोई ठोस बातचीत नहीं हुई है और न ही वार्ता में कोई बड़ा ब्रेकथ्रू या सफलता हाथ लगी है। तेहरान ने स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य की बातचीत तभी आगे बढ़ेगी जब अमेरिका ईरान की सभी शर्तों को स्वीकार करेगा।
इस पूरे विवाद की जड़ परमाणु कार्यक्रम की समयसीमा और यूरेनियम संवर्धन पर टिकी है। पिछले सप्ताह इस्लामाबाद में दोनों पक्षों के बीच करीब 21 घंटे तक मैराथन बैठक चली, लेकिन वह बेनतीजा रही। अमेरिका का प्रस्ताव है कि ईरान अगले 20 वर्षों तक यूरेनियम संवर्धन की अपनी गतिविधियों को पूरी तरह रोक दे, जबकि ईरान केवल 5 वर्षों तक ही इस तरह के प्रतिबंध स्वीकार करने को राजी है। डोनाल्ड ट्रंप ने दो टूक शब्दों में कहा है कि किसी भी समझौते का आधार यह होना चाहिए कि ईरान भविष्य में कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। उन्होंने समयसीमा वाले किसी भी अस्थायी समझौते को खारिज करते हुए इसे स्थायी बनाने पर जोर दिया है। फिलहाल, दोनों देशों के दावों में भारी अंतर ने शांति वार्ता की दिशा पर अनिश्चितता के बादल मंडरा दिए हैं।

इजरायल-लेबनान युद्धविराम की घोषणा, 10 किलोमीटर के सुरक्षा क्षेत्र पर अड़े नेतन्याहू

बैरुत,(ईएमएस)। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच बढ़ते तनाव को नियंत्रित करने की दिशा में एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता के बाद इजरायल और लेबनान के बीच 10 दिनों के युद्धविराम की घोषणा की गई है। यह समझौता इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन के बीच हुआ है, जिसे वाशिंगटन समय के अनुसार शाम 5 बजे से प्रभावी माना जाएगा। हालांकि, इस युद्धविराम के बावजूद प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने स्पष्ट कर दिया है कि सुरक्षा के मोर्चे पर इजरायल कोई समझौता नहीं करेगा। नेतन्याहू ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि युद्धविराम लागू होने के बाद भी इजरायली सेना दक्षिणी लेबनान के भीतर 10 किलोमीटर का एक विशेष सुरक्षा क्षेत्र (बफर जोन) बनाए रखेगी। उन्होंने हिजबुल्लाह की उस मांग को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें इजरायली सेना को अंतरराष्ट्रीय सीमा तक पूरी तरह पीछे हटने के लिए कहा गया था। नेतन्याहू का तर्क है कि यह सुरक्षा क्षेत्र उत्तरी इजरायल के रिहाइशी इलाकों को हिजबुल्लाह के हमलों और टैंक रोधी मिसाइलों से बचाने के लिए अनिवार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इजरायली सेना फिलहाल इसी क्षेत्र में तैनात रहेगी। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इसे लेबनान के साथ एक ऐतिहासिक शांति समझौते की ओर बढ़ने का सुनहरा अवसर बताया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए दोनों देशों के शीर्ष नेताओं को सीधी बातचीत के लिए आमंत्रित करना चाहते हैं। नेतन्याहू के अनुसार, इजरायल ने सैन्य कार्रवाई के जरिए लेबनान में ताकत का संतुलन अपने पक्ष में कर लिया है, जिसके कारण पिछले एक महीने में लेबनान की ओर से शांति वार्ता के सकारात्मक संकेत मिले हैं। हालांकि, उन्होंने स्थायी शांति के लिए दो मुख्य शर्तें रखी हैं— पहली, हिजबुल्लाह को पूरी तरह निरस्त्रीकरण (हथियार छोड़ना) करना होगा और दूसरी, एक ठोस व स्थायी शांति समझौता सुनिश्चित करना होगा। क्षेत्रीय राजनीति और ईरान के मुद्दे पर नेतन्याहू ने दावा किया कि उन्हें अमेरिकी प्रशासन से समुद्री नाकेबंदी जारी रखने और ईरान की शेष परमाणु क्षमता को खत्म करने का पूर्ण आश्वासन मिला है। उन्होंने इन कदमों को इजरायल की दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए मील का पत्थर बताया।

ट्रंप ने पीएम मोदी की जमकर की तारीफ, पश्चिम एशिया के तनाव और सुरक्षा पर हुई चर्चा

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें अपना बेहतरीन दोस्त बताया है। ईरान और अमेरिका के बीच चल रही शांति वार्ता और क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच, ट्रंप ने मीडिया से बातचीत में खुलासा किया कि उन्होंने पश्चिम एशिया के संघर्षपूर्ण हालात को लेकर प्रधानमंत्री मोदी से विस्तार से चर्चा की है। ट्रंप ने कहा, मेरी उनसे बहुत अच्छी बात हुई। वह भारत के मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं और शानदार काम कर रहे हैं। हम दोनों के बीच की बातचीत बेहद सकारात्मक रही। दोनों वैश्विक नेताओं के बीच यह फोन कॉल मंगलवार को हुई थी, जो करीब 40 मिनट तक चली। यह बातचीत उस समय हुई है जब पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान शांति वार्ता में आई अड़चनों के कारण तनाव चरम पर है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस संवाद की पुष्टि करते हुए सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में हुई प्रगति की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि दोनों देश अपनी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इस महत्वपूर्ण वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला और सुरक्षित रखने के महत्व पर चर्चा की, जो वैश्विक तेल आपूर्ति और व्यापार के लिए जीवन रेखा माना जाता है। अमेरिकी दूत सर्जियो गोर के अनुसार, बातचीत के दौरान ट्रंप और मोदी के बीच व्यक्तिगत गर्मजोशी भी देखने को मिली। ट्रंप ने बातचीत के दौरान यहां तक कह दिया कि हम सब आपको प्यार करते हैं, जो दोनों नेताओं के बीच के गहरे व्यक्तिगत संबंधों को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि इस साल प्रधानमंत्री मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच यह तीसरी आधिकारिक बातचीत थी। 28 फरवरी को ईरान पर हुए हमलों के बाद दोनों नेता दूसरी बार फोन पर जुड़े हैं। इससे पहले फरवरी में द्विपक्षीय व्यापार समझौते और मार्च में क्षेत्रीय सुरक्षा की बदलती स्थिति पर भी मंथन हुआ था।

बांग्लादेश को रूपपुर परमाणु संयंत्र से जल्द मिलेगी बिजली

ढाका। ऊर्जा संकट से जूझ रहे बांग्लादेश ने अपने ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए इस वर्ष परमाणु ऊर्जा को राष्ट्रीय ग्रिड से जोड़ने की तैयारी तेज कर दी है। सरकार को उम्मीद है कि रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र की पहली यूनिट से जल्द ही बिजली उत्पादन शुरू हो जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, ईश्वरदी उपजिला में स्थित इस महत्वाकांक्षी परियोजना की यूनिट-1 में ईंधन भरने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। बांग्लादेश परमाणु ऊर्जा नियामक प्राधिकरण (बीरा) ने इसके लिए कमीशनिंग लाइसेंस जारी कर दिया है, जिससे संयंत्र के संचालन की दिशा में औपचारिक शुरुआत हो गई है।

ईरान-अमेरिका में शांति के बीच सबसे बड़ा अड़ंगा यूरेनियम एनरिचमेंट का मुद्दा

पाक पीएम शहबाज और आर्मी चीफ मुनीर दोनों देशों को मेज पर लाने कर रहे कोशिश

तेहरान,(ईएमएस)। अमेरिका और ईरान के बीच ठप पड़ी शांति वार्ता को फिर से पटरी पर लाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर तेहरान पहुंचे, जहां वह ईरानी नेतृत्व से बातचीत कर रहे हैं उनके साथ पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी भी मौजूद हैं, जो इस कूटनीतिक मिशन की अहमियत को दिखाता है। इस्लामाबाद में हुई पिछली वार्ता के बेनतीजा रहने के बाद यह पहली बड़ी पहल मानी जा रही है। पाकिस्तान दोनों देशों के बीच मध्यस्थ के तौर पर सक्रिय भूमिका निभा रहा है और ईरान को फिर से बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान ईरान को अमेरिका के 'फाइनल और बेस्ट ऑफर' के करीब लाने की कोशिश करेगा। हालांकि यह आसान नहीं दिख रहा, क्योंकि ईरान पहले ही कह चुका है कि उसकी तरफ से कोई नया प्रस्ताव नहीं आया है। सबसे बड़ा अड़ंगा यूरेनियम एनरिचमेंट का मुद्दा है, जिस पर दोनों देशों के बीच गहरी खाई है। इस बीच व्हाइट हाउस ने भी संकेत दिए हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच दूसरी दौर की बातचीत फिर से पाकिस्तान में हो सकती है। प्रेस सेक्रेटरी कैरोलाइन लेविट ने कहा कि बातचीत 'प्रोडक्टिव' है और पाकिस्तान ही इस पूरे संवाद का मुख्य मध्यस्थ बना रहेगा।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी संकेत दिया है कि अगले कुछ दिनों में बातचीत दोबारा शुरू हो सकती है। उन्होंने पाकिस्तान की भूमिका की तारीफ करते हुए कहा कि यह बातचीत जल्द आगे बढ़ सकती है। इधर, खाड़ी क्षेत्र में भी कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और विदेश मंत्री सऊदी अरब, कतर और तुर्की के दौरे पर हैं। ये सभी देश इस संघर्ष से सीधे प्रभावित हुए हैं और स्थायी शांति चाहते हैं। हालांकि, दूसरी तरफ अमेरिका ने दबाव की रणनीति भी जारी रखी है। अमेरिका ने रूस और ईरान के तेल पर दी गई छूट खत्म करने का फैसला लिया है। इससे वैश्विक तेल बाजार पर असर पड़ सकता है और भारत जैसे देशों को भी झटका लग सकता है, जिन्होंने इस छूट के दौरान बड़ी मात्रा में तेल खरीदा था। विशेषज्ञ मानते हैं कि एक तरफ बातचीत की कोशिशें चल रही हैं, तो दूसरी तरफ आर्थिक दबाव और सैन्य रणनीति भी जारी है। यही 'डुअल स्ट्रैटेजी' इस पूरे संकट को और जटिल बना रही है।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और सनराइजर्स में मुकाबला

हैदराबाद (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम शनिवार को यहां आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर जीत के इरादे से उतरेगी। अपने शुरुआती चार मैचों में से तीन में हारने के बाद सनराइजर्स ने अपने घरेलू मैदान पर शानदार वापसी की है। पिछले मैच में उसने प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की गेंदबाजी से राजस्थान रॉयल्स को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इन दोनो ही गेंदबाजी ने रॉयल्य के खिलाफ चार-चार विकेट लेकर अपने को साबित किया था। इन दोनों युवा गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से सनराइजर्स का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है। टीम की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन पर आधारित है। वहीं दूसरी और रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतर रही सीएसके का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और वह अंक तालिक में काफी नीच है। रुतुराज सहित टीम के बल्लेबाज फार्म में नहीं हैं। टीम अब तक एक संजू सैमसन के शतक से एक ही मैच जीती है। सैमसन ने ही अब तक एक अर्धशतक और एक शतक लगाया है। टीम को अब तक दो जीत मिली है जिससे वह वापसी की राह पर है। टीम के पास बल्लेबाजी में युवा आयुष म्हात्रे ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और दो अर्धशतक लगाये हैं। किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद के चोटिल होकर बाहर होने से सीएसके की गेंदबाजी कमजोर हुई है। ऐसे में टीम इस मैच में मुकेश कुमार को शामिल कर सकती है। दोनो के बीच अब तक कुल 22 मैच खेले गए हैं, जिनमें से 15 में सीएसके और 7 में सनराइजर्स जीती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :सनराइजर्स हैदराबादः ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जीशान अंसारी।

चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, उर्विल पटेल, संजू सैमसन, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, श्रेयस गोपाल, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, गुरजापनीत सिंह, नूर अहमद, अकील हुसैन, प्रशांत वीर, कार्तिक शर्मा, मैथ्यू शॉर्ट, अमन खान, सरफराज खान, मैट हेनरी, राहुल चाहर, जैकरी फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष और मुकेश चौधरी।

आईपीएल में आज दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी आरसीबी

बेंगलुरू (ईएमएस)। यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी का इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है और उसने पांच में से अपने चार मैच जीते हैं। जिससे वह अंक तालिका में दूसरे स्थान है। ऐसे में वह इस मैच में भी जीत की प्रबल दावेदार है। आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सहित सभी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम के बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। इस सत्र में वह केवल एक मैच राजस्थान रॉयल्स से हार है। अब वह इस मैच को जीतकर अपने प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी संभावनाएं और मजबूत करने उतरेगी। वहीं अक्षर पटेल की कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का प्रदर्शन मिला जुला रहा है। चार मैचों में दो जीत के साथ ही वह पांचवें स्थान पर है। उसे गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। टीम में निरंतरता की कमी है। उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी आरसीबी से कमजोर है। ऐसे में उसे अगर ये मैच जीतना है तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टीम की बल्लेबाजी केएल राहुल पर निर्भर करती है जबकि गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी संभालेंगे। आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अबतक कुल 33 मैच हुए हैं। इसमें से आरसीबी को 20 बार जबकि दिल्ली कैपिटल्स को 12 बार जीत मिली है वहीं एक मैच को परिणाम नहीं निकला।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

आरसीबी : रजत पाटीदार (कप्तान), फिल साल्ट, विराट कोहली, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, रसिख सलाम डार, सुयश शर्मा
इम्पैक्ट प्लेयरः देवदत्त पडिक्कल

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), पाथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, औकिब नबी डार, विप्रज निगम, लुंगी एनगिडी, कुलदीप यादव, टी नटराजन, मुकेश कुमार
इम्पैक्ट प्लेयरः समीर रिजवी

मनोज तिवारी ने कहा हार्दिक की जगह पर रोहित को फिर कप्तान बनाये मुम्बई इंडियंस

कोलकाता (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर और बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मनोज तिवारी ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लगातार खराब प्रदर्शन के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या को जिम्मेदार बताते हुए कहा है कि उन्हें कप्तानी स्वयं छोड़ देनी चाहिये जिससे एक बार फिर रोहित शर्मा को कप्तानी दी जा सके। आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के बाद से ही पांड्या प्रशंसकों के निशाने पर हैं। ऐसे में तिवारी का मानना है कि पांड्या को कप्तानी छोड़ देनी चाहिए जिससे रोहित को एक बार फिर टीम की कमान दी जा सके। रोहित की कप्तानी मे टीम ने पांच बार खितब जीता है। वहीं जब से उन्हें कप्तानी से हटाकर हार्दिक को कप्तानी दी गयी है टीम लगातार हारी है। इस सत्र में भी खराब प्रदर्शन के कारण मुंबई अंक तालिका में नौवें स्थान पर खिसक गयी है। इन चार हार में से तीन मैचों में हार्दिक ने कप्तानी की है, जबकि एक मैच में सूर्यकुमार यादव कप्तान थे। टीम के इस खराब प्रदर्शन और हार्दिक की कप्तानी के लिए मनोज तिवारी ने उनकी आलोचना भी की है। इस पूर्व क्रिकेटर ने हार्दिक की कप्तानी को कमजोर बताया। उन्होंने कहा, रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने 2022 तक पाँच आईपीएल ट्रॉफी जीती थीं, जबकि हार्दिक पांड्या ने गुजरात टाइटन्स के साथ 2023 और 2024 में कोई ट्रॉफी नहीं जीती, और इस साल भी ऐसा होने की संभावना कम ही है। तिवारी ने जोर देते हुए कहा कि कप्तान के तौर पर जितना सजग और सक्रिय होना चाहिये वैसे हार्दिक नहीं हैं। गौरतलब है कि हार्दिक आईपीएल 2021 तक मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे पर साल 2022 में दो नई टीमों के आने के बाद उन्हें गुजरात टाइटन्स का कप्तान बना दिया गया था पर दो साल बाद ही वह वापस मुम्बई पहुंच गये।

25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से वापसी कर सकते हैं कमिंस

मुम्बई (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस अपनी चोट से उबर गये हैं और आईपीएल में अपनी टीम सनराइजर्स हैदराबाद से शीघ्र ही खेलते दिख सकते हैं। कमिंस के 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से इस सत्र में वापसी की उम्मीद है। कमिंस के आने से अपनी कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशान सनराइजर्स की मुश्किलें समाप्त हो जाएंगी। कमिंस के नहीं होने से अभी टीम ईशान किशन की कप्तानी में खेल रही है। कमिंस अगर वापसी करने में सफल रहते है तो टीम के जीतने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। कमिंस की वापसी सनराइजर्स हैदराबाद के लिए एक बड़ी राहत है, जो उन्हें प्लेऑफ की दौड़ में आगे बढ़ने और संभावित रूप से खिताब की ओर बढ़ने में मदद कर सकती है।अब तक ईशान की कप्तानी में टीम ने पांच मैचों में तीन जीत और दो हार के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है। वहीं कमिंस की वापसी के साथ, ईशान के पास अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देने का अवसर रहेगा। जिससे टीम की बल्लेबाजी और मजबूत होगी। कमिंस के टीम से जुड़ने से टीम को एक अनुभवी कप्तान और तेज गेंदबाज मिल जाएगा। उनका मैदान पर होना टीम के मनोबल को बढ़ाएगा और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।कमिंस पिछले साल अगस्त में कमर की हड्डी में स्ट्रेस फ्रैक्चर से जूझ रहे थे, जिसके कारण उन्हें पीठ में लगातार दर्द रहता था।

कोलकाता ने गुजरात को 181 का दिया टारगेट

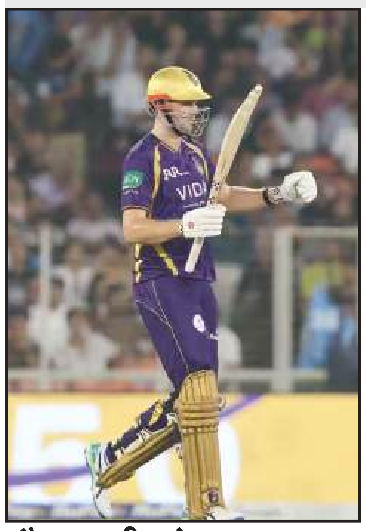

कैमरन ग्रीन के 79 रन, रबाडा को 3 विकेट

अहमदाबाद (ईएमएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल के 25वें मैच में गुजरात टाइटंस को 181 रन का टारगेट दिया है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कोलकाता ने बैटिंग चुनी। कोलकाता की टीम 20 ओवर में 180 पर ऑलआउट हो गई। कैमरन ग्रीन ने सीजन की पहली फिफ्टी लगाई। उन्होंने 55 बॉल पर 7 चौके और 4 छक्के के सहारे 79 रन की पारी खेली। कगिसो रबाडा ने 3 विकेट झटके। मोहम्मद सिराज और अशोक शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान को एक-एक विकेट मिला।इस मैच में केकेआर की नजरें सीजन की पहली जीत हासिल करने पर हैं। कोलकाता ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। गुजरात की पारी शुरू हो चुकी है। साई सुदर्शन और शुभमन गिल क्रीज पर मौजूद हैं।

सीएसके के तेज गेंदबाज खलील अहमद आईपीएल से बाहर हुए

मुकेश या रामकृष्ण को मिल सकता है अवसर

मुम्बई (ईएमएस)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज खलील अहमद चोटिल होने के कारण आईपीएल के पूरे सत्र से बाहर हो गये हैं। पहले ही ही खिलाड़ियों के चोटिल होने से परेशान सीएसके की मुश्किले अब खलील के बाहर होने से और बढ़ गयी हैं। खलील के बाहर होने से सीएसके की गेंदबाजी कमजोर हुई है। जिसकी भरपाई के लिए अब टीम मुकेश कुमार या रामकृष्ण घोष में से किसी एक को शामिल कर सकती है। सीएसके ने खलील के बाहर होने की पुष्टि की है। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया में बताया, केकेआर के खिलाफ हाल ही में हुए मुकाबले में दाएं क्वाड्रिसेप्स में खिंचाव के बाद खलील आईपीएल से बाहर हो गए। हम खलील के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। उसे केकेआर की पारी के दौरान अपने रन-अप में परेशानी हुई और अचानक रुकना पड़ा था। शुरुआती तौर पर यह गंभीर ऐंठन का मामला लग रहा था पर बाद में जांच में इसे गंभीर पाया गया। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया, जिससे उनके साथी खिलाड़ी गुरजपनीत सिंह को ओवर की बची हुई पांच गेंदें फेंकनी पड़ी थीं।

डी कॉक आईपीएल में तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बने

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियान प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और उसे अब तक केवल एक पांच में से एक ही मैच में जीत मिली है। गत दिवस पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी उसे हार का सामना करना पड़ा था हालांकि इस मैच में टीम के सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे क्विंटन डी कॉक ने शानदार शतक लगया था। डी कॉक के नाम इस शतक के साथ ही एक अनौखा रिकार्ड दर्ज हो गया है। वह तीन अलग-अलग टीमों से शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गये हैं। मुंबई इंडियंस से पहले, उन्होंने लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली डेयरडेविल्स (जो अब दिल्ली कैपिटल्स है) के लिए भी शतक बनाए थे। उनकी यह हैट्रिक दिखाती है कि कि वह अलग-अलग आईपीएल टीमों से भी बेहतर प्रदर्शन करते आये हैं। इसके अलावा डी कॉक आईपीएल में बतौर विकेटकीपर भी तीन शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी बने हैं। ये उपलब्धि उन्हें लीग के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक बनाती है। डी कॉक से संजू सैमसन ने ये रिकार्ड बनाया था। सैमसन ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इस सत्र में जबकि इससे पहले राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए भी शतक लगाये थे। वहीं, केएल राहुल आईपीएल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने पंजाब किंग्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए शतक लगाये हैं।आईपीएल के बाहर भी डी कॉक ने अपने टी20 क्रिकेट करियर में भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ लगाया गया यह शतक उनके टी20 करियर का नौवां शतक था, जिसके साथ ही वह विराट कोहली के शतकों की बराबरी पर आ गये हैं। डी कॉक अब टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

स्टूगर्ट में अमेरिका की कोको गाफ स्टूगर्ट औपन टेनिस में खेलती हुई।

उत्तरी चीन में एशियाई जूडो चैम्पियनशिप में पुरुषों के 66 किलो वर्ग के फाइनल में भाग लेते हुए नूराली इमोमाली।

रसिख सलाम आरसीबी के भरोसे पर खरे उतरे

बेंगलुरु (ईएमएस)। आईपीएल के इस सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे जम्मू कश्मीर के 26 वर्षीय तेज गेंदबाज रसिख सलाम डार टीम के भरोसे पर खरे उतरे हैं। इस खिलाड़ी ने साबित किया है कि अगर किसी खिलाड़ी पर लगातार भरोसा किया जाए, तो वह असाधारण परिणाम दे सकता है।रसिख सलाम के आईपीएल करियर की शुरुआत 2019 में हुई थी, जब मुंबई इंडियंस ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया। उस सीजन उन्हें सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला और अगले ही सत्र में उन्हें टीम ने रिलीज कर दिया। इसके बाद साल 2022 में, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने उन्हें शामिल किया पर वहां भी उन्हें केवल दो मैच खेलने को मिले, जिसके बाद केकेआर ने भी उन्हें रिलीज कर दिया। आईपीएल 2024 में उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने लिया। इसमें उन्होंने आठ मैचों में नौ विकेट लिए। बावजूद इसके, मुंबई और कोलकाता के बाद दिल्ली ने भी रसिख को रिलीज कर दिया गया।

ऐसे में साल 2025 में आरसीबी ने इस गेंदबाज को अवसर दिया। आरसीबी ने रसिक की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें इस सत्र में भी बनाये रखा। रसिक ने भी इस भरोसे को सही साबित किया है। इस सत्र में इस तेज गेंदबाज ने अब तक केवल दो मैचों में पांच विकेट लिए हैं, जो उनकी शानदार फॉर्म को दिखाता है। चिन्नास्वामी स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेले गए महत्वपूर्ण मुकाबले में, रसिख ने चार ओवर में केव 24 रन देकर चार विकेट लिए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उनका यह प्रदर्शन न केवल निर्णायक था, बल्कि यह भी साबित करता है कि वे बड़े मैचों में दबाव को झेलने की क्षमता रखते हैं।रसिख की गेंदबाजी में विविधता और चतुराई उन्हें अन्य तेज गेंदबाजों से अलग बनाती है। लखनऊ के खिलाफ अपने 24 गेंदों के स्पेल में से लगभग 10 गेंदें उन्होंने धीमी गति की फेंकी, जो उनकी परिपक्वता और खेल की समझ को दिखाती है। आरसीबी ने उनकी इसी खास विशेषता को पहचाना और उसे निखारा है। अब यह युवा खिलाड़ी आरसीबी की तेज गेंदबाजी आक्रमण का एक अहम हिस्सा बन गया है।

मेसी पर इवेंट प्रमोटर ने 70 लाख डॉलर का मुकदमा दायर किया

मियामी (ईएमएस)। अर्जेंटीन के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी कानूनी शिकंजे में फंस गये हैं। एक इवेंट प्रमोटर ने अनुबंध को तोड़ने के लिएए मेसी पर मुकदमा दायर किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार मियामी स्थित एक इवेंट प्रमोटर ने उन पर पिछले साल एक प्रदर्शनी मैच में अपनी उपस्थिति दर्ज न कराकर 70 लाख डॉलर (लगभग 58 करोड़ रुपये) के अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया है। इससे मैसी विवादों में फंस गये हैं। विड म्यूजिक ग्रुप नामक इस प्रमोटर ने पिछले महीने मियामी-डेड सर्किट कोर्ट में मेसी और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुबंध के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया था। इस मामले में मेसी या एएफए की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया या टिप्पणी सामने नहीं आई है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है।

मेसी को विश्व के महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। अपनी असाधारण प्रतिभा और अद्वितीय खेल कौशल के कारण, वह मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए एक अमूल्य खिलाड़ी हैं। उनके दुनियाभर में करोड़ों प्रशंसक हैं, जो उन्हें मैदान पर खेलते हुए देखने के लिए अक्सर मोटी रकम चुकाने को तैयार रहते हैं। यही कारण है कि उनकी अनुपस्थिति का सीधा असर आयोजकों की कमाई और दर्शकों की उम्मीदों पर पड़ता है, जिससे ऐसे अनुबंधों का उल्लंघन वित्तीय और प्रतिष्ठा दोनों के लिहाज से महंगा साबित हो सकता है।शिकायतकर्ता विड म्यूजिक ग्रुप ने दावा किया है कि उसने पिछले साल गर्मियों में अर्जेंटीना के वेनेजुएला और प्यूर्टोरिको के खिलाफ होने वाले दो मैत्री मैचों के लिए एएफए के साथ एक समझौता किया था। इस समझौते के तहत, यह स्पष्ट रूप से निर्धारित किया गया था कि मेसी को प्रत्येक मैच में कम से कम 30 मिनट खेलना अनिवार्य होगा, बशर्ते कि वह किसी चोट से ग्रस्त न हों। हालांकि, प्रमोटर का आरोप है कि इस शर्त का उल्लंघन करते हुए मेसी वेनेजुएला के खिलाफ होने वाले मैच में मैदान पर उपस्थित नहीं हुए। इस घटना के बाद, विड म्यूजिक ग्रुप का कहना है कि उन्हें भारी वित्तीय नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई के लिए वे 70 लाख डॉलर का दावा कर रहे हैं।

आईपीएल प्लेऑफ में पंजाब आरसीबी का पहुंचना तय

बचे हुए स्थानों के लिए पांच टीमों में है मुकाबला

मुमबई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में अभी तक सभी टीमों ने पांच-पांच मुकाबले खेल लिए है। इससे प्लेऑफ को लेकर कुछ-कुछ तस्वीर साफ होने लगी है। अब तक पंजाब किंग्स एक भी मैच नहीं हारी है और 9 अंक लेकर प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे है। उसका एक मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और राजस्थान रॉयल्स की टीम ने अपने-अपने चार-चार मुकाबले जीते हैं और 8-8 अंक लेकर प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई हैं। आरसीबी नेट रन रेट के मामले में आगे होने के कारण प्लेऑफ में पहुंचने की दूसरी बड़ी दावेदार है , वहीं रॉयल्स तीसरी। लीग में हिस्सा ले रही सभी दस टीमें 14-14 लीग मैच खेलेंगी और इनमें से शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में अपनी जगह बनाएंगी। कुछ टीमें ऐसी हैं जिन्होंने सत्र के शुरुआती चरण में ही दमदार खेल दिखाकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी दावेदारी को मजबूत कर लिया है वहीं कुछ को अभी लंबा रास्ता तय करना है।वहीं आईपीएल के नियमों के अनुसार, प्लेऑफ में पहुंचने के लिए आमतौर पर किसी भी टीम को लीग स्टेज में कम से कम आठ मैच जीतने होते हैं, जिससे उनके 16 अंक हो जाते हैं और वे नेट रन रेट के फेर में नहीं फंसती पर कुछ मामलों में सात जीत के साथ 14 अंक होने पर भी बेहतर रन रेट के आधार पर प्लेऑफ में जगह मिल सकती है। पंजाब किंग्स प्लेऑफ की रेस में सबसे आगे दिखाई दे रही है। वहीं आरसीबी और राजस्थान रॉयल्स भी प्लेऑफ की रेस में बनी हुई है। यदि ये शीर्ष तीन टीमें अपनी मौजूदा लय बरकरार रखती हैं, तो प्लेऑफ में उनकी जगह लगभग पक्की मानी जा सकती है। ऐसे में, अंतिम दो प्लेऑफ स्थानों के लिए पांच टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी। सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपर जायंट्स – ये पांचों टीमें इस समय चार-चार अंकों के साथ मध्य तालिका में हैं। इन टीमों को अब अपनी जीत की लय को बनाए रखना होगा और लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि एक भी हार उन्हें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर सकती है। वहीं, टूर्नामेंट में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ में पहुंचना कठिन है। केकेआर अभी तक एक भी जीत हासिल नहीं कर पायी है, जबकि मुंबई इंडियंस भी लगातार हारी है उसे एक ही मैच में जीत मिली है। उसके अभी सिर्फ दो अंक हैं। इन दोनों टीमों को अब अपने बचे हुए नौ मैचों में से कम से कम छह से सात मैच जीतने होंगे, और वह भी बेहतर नेट रन रेट के साथ, ताकि वे प्लेऑफ की दौड़ में वापस आ सकें।

श्रेयस ने लक्ष्य का पीछा करने के मामले में विराट को पीछे छोड़ा

मुम्बई (ईएमएस)। पंजाब किंग्स क्रिकेट टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने लक्ष्य का पीछा करने के मामले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को भी पीछे छोड़ दिया है। श्रेयस ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में अपनी टीम को जीत दिलाने के दौरान 66 रनों की पारी खेलकर विराट को पीछे छोड़ा। इसी के साथ ही आईपीएल 2024 से अब तक लक्ष्य का सफल पीछा करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में श्रेयस ने विराट कोहली को भी पीछे छोड़ दिया है। आईपीएल 2024 से लेकर अब तक के मुकाबलों को देखा जाये तो लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रेयस ने विराट से अधिक रन बना दिये हैं। उन्होंने 14 पारियों में कुल 621 रन बनाए हैं। वहीं इस सूची में अब विराट दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। विराट ने 2024 से अब तक आईपीएल में लक्ष्य का सफलता से पीछा करते हुए 11 पारियों में 618 रन बनाए हैं। जोस बटलर 11 पारियों में 549 रन बनाककर तीसरे जबकि प्रभसिमरन सिंह 14 पारियों में 500 रन बनाकर चौथे नंबर पर हैं। प्रभसिमरन ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में पंजाब किंग्स की ओर से सबसे अधिक 80 रन बनाये थे।

टी20 विश्व कप में कनाडा-न्यूजीलैंड मैच में फिक्सिंग के आरोपों की जांच कर रही आईसीसी

दुबई (ईएमएस)। भारत और श्रीलंका में हुए आईपीसी टी20 विश्वकप के एक मुकाबले में मैच फिक्सिंग के संदेह के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसी) की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई (एसीयू) इस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में कनाडाई क्रिकेट टीम के कप्तान पर भी आरोप है। इसमें टी20 विश्व कप के दौरान कनाडा के एक मैच में कथित तौर पर मैच फिक्सिंग का दावा किया गया है। इन सनसनीखेज खुलासों का आधार एक डॉक्यूमेंटी को बनाया गया है जो हाल ही में प्रसारित हुई थी। इस फिल्म में कनाडा क्रिकेट के प्रशासन और उसके भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कई बड़े आरोप लगाए गए हैं। एसीयू अभी दो सक्रिय मामलों की जांच कर रही है जो क्रिकेट कनाडा के कामकाज और अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू स्तर पर आईसीसी के भ्रष्टाचार विरोधी नियमों के उल्लंघन से जुड़े हैं। मैच फिक्सिंग का सबसे बड़ा आरोप कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच हुए विश्व कप मैच से जुड़ा है। इससे न्यूजीलैंड की पारी के पांचवे ओवर पर संदेह जताया गया है। तब कनाडाई कप्तान दिलप्रीत बाजवा गेंदबाजी कर रहे थे। बाजवा को टूर्नामेंट शुरू होने से महज तीन हफ्ते पहले ही कप्तान बनाया गया था। ऑफ-स्पिनर होने के बाद भी वह समय समय गेंदबाजी करने आये जब तेज गेंदबाजों को गेंदबाजी संभालनी पड़ी। उस समय न्यूजीलैंड का स्कोर 2 विकेट पर 35 रन था पर इस ओवर में उन्होंने कुल 15 रन दिए, जिससे उनकी भूमिका पर संदेह गहरा गया है।दूसरी जांच पूर्व कोच खुर्रम चौहान की एक टेलीफोन कॉल रिकॉर्डिंग से संबंधित है। इस रिकॉर्डिंग में चौहान दावा कर रहे हैं कि क्रिकेट कनाडा बोर्ड के वरिष्ठ सदस्यों ने उन पर कुछ खास खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में चुनने के लिए दबाव डाला था। यह ऑडियो पिछले साल लीक हुआ था और तभी से जांच के घेरे में है। रिकॉर्डिंग में मैचों को फिक्स करने की कोशिशों के भी दावे हैं, हालांकि इनके लिए पक्के सबूत अभी नहीं मिले है। आईसीसी की इंटीग्रिटी यूनिट के अंतरिम महाप्रबंधक एंड्रयू एफग्रेव ने पुष्टि की है कि एसीयू इस कार्यक्रम से अवगत है, लेकिन उन्होंने किसी भी चल रही जांच के तथ्यों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। गौरतलब है कि कनाडा क्रिकेट में लंबे समय से प्रशासनिक गड़बड़ी चल रही है, जिसका संकेत इन आरोपों से मिलता है। वृत्तचित्र में एक और पूर्व कोच पुबुदु दसानायके का भी साक्षात्कार है, जिन्होंने 2024 टी20 विश्व कप के लिए टीम चयन में अनुचित दबाव का दावा किया है। उनका कहना है कि बोर्ड ने उन्हें कुछ खिलाड़ियों को चुनने के लिए मजबूर किया और इनकार करने पर उनका अनुबंध खत्म करने की धमकी दी थी।

पंजाब किंग्स की हार के बाद भड़के पांड्या, बुमराह से भी नाराज दिखे

मुंबई (ईएमएस)। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस की हार का सिलसिला थमने नहीं रहा है। टीम को पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी 7 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में मुंबई की गेंदबाजी बेहद साधारण नजर आई, जिसके चलते क्विंटन डिकॉक की शानदार पारी से बने 195 रनों के सम्मानजनक स्कोर का बचाव करने में टीम पूरी तरह विफल रही। पंजाब के बल्लेबाजों ने आसानी से इस लक्ष्य को भेद दिया, जिसने टीम प्रशंसकों को निराश हुई है। लगातार मिल रही असफलता से कप्तान हार्दिक पांड्या मैदान पर गुस्से में दिखे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें हार्दिक फील्डिंग सेट करते समय टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से खुश दिखाई नहीं दे रहे हैं। वीडियो में हार्दिक बुमराह से किसी बात पर नाराज दिखे जिसके बाद बुमराह ने भी उसी अंदाज में प्रतिक्रिया दी जिससे लगा कि उन्हें कप्तान का यह रवैया ठीक नहीं लगा हो। इस घटना ने मुंबई इंडियंस के भीतर चल रही अंदरूनी खींचतान और खिलाड़ियों के बीच संभावित तनाव को उजागर कर दिया है, जो टीम के माहौल पर सवालिया निशान लगाता है।विश्व क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक जसप्रीत बुमराह के लिए आईपीएल 2026 अब तक उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। इस सीजन में सभी बल्लेबाज उनके खिलाफ काफी सावधानी से खेल रहे हैं और अपना विकेट गंवाने से बच रहे हैं। यही कारण है कि बुमराह लगातार पांच मैचों में एक भी विकेट हासिल नहीं कर पाए हैं। बुमराह का यह विकेटहीन रहना मुंबई इंडियंस की खराब हालत का एक बड़ा कारण बन गया है, क्योंकि इससे न सिर्फ अन्य गेंदबाजों पर दबाव बढ़ा है, बल्कि टीम को निर्णायक पलों में विकेट निकालने वाले प्रमुख अस्त्र की कमी भी खल रही है। उनकी फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस ने अब तक कुल पांच मुकाबले खेले हैं, जिनमें से उन्हें सिर्फ एक में जीत नसीब हुई है। सीजन के अपने पहले मैच में जीत दर्ज करने के बाद मुंबई लगातार चार मैच हार चुकी है, जो उनकी निराशाजनक स्थिति को दर्शाता है। लगातार हार के कारण मुंबई इंडियंस पॉइंट्स टेबल में नौवें स्थान पर खिसक गई है, जो प्लेऑफ की दौड़ में उनकी राह को बेहद मुश्किल बना रहा है। अगर टीम को प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करनी है तो उसे अपने बचे हुए मैचों में असाधारण प्रदर्शन के साथ-साथ टीम के भीतर पनप रहे किसी भी आंतरिक मुद्दे को भी जल्द से जल्द सुलझाना होगा।

बिजली संकट पर उबालः जामताड़ा में भाजपा का हंगामा, स्मार्ट मीटर और बढ़े बिल के खिलाफ घेराव

जामताड़ा जिले में बढ़ती बिजली दर, लगातार कटौती और स्मार्ट मीटर से जुड़ी कथित मनमानी बिलिंग के खिलाफ शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी ने जिला मुख्यालय स्थित बिजली विभाग कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ी और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष सुमित शरण ने किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपते हुए बिजली व्यवस्था में सुधार और बढ़े हुए बिलों पर रोक लगाने की मांग की। सुमित शरण ने कहा कि झारखंड में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। कम खपत के बावजूद उपभोक्ताओं को हजारों रुपये के बिल भेजे जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिल औसतन चार गुना तक बढ़ गया है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब सरकारी कार्यालयों और अधिकारियों के आवासों में स्मार्ट मीटर नहीं लगाए जा रहे है, तो आम जनता पर इसे क्यों थोपा जा रहा है। गर्मी की शुरुआत के साथ बढ़ती बिजली कटौती पर भी भाजपा ने सरकार को घेरा। सुमित शरण ने कहा कि बिजली नहीं रहने से बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है और बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व जिला महामंत्री मितेश साह ने ग्रामीण इलाकों की स्थिति को और गंभीर बताते हुए कहा कि कई क्षेत्रों में 24 घंटे में केवल 4–5 घंटे ही बिजली मिल रही है। उन्होंने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनाव के समय मुफ्त बिजली का वादा किया गया था, लेकिन अब स्मार्ट मीटर के जरिए जनता से वसूली की जा रही है। कार्यक्रम का संचालन भाजयुमो जिलाध्यक्ष कुणाल सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन नगर अध्यक्ष प्रदीप राउत ने दिया। मौके पर प्रदेश महामंत्री मनीष दुबे, जिला महामंत्री कमलेश मंडल, पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश राय सहित कई वरिष्ठ नेता और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेयजल संकट पर प्रशासन सख्तः जामताड़ा के 118 पंचायतों में चला सघन निरीक्षण अभियान

जामताड़ा। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त रवि आनंद के निर्देश पर "पेयजल समस्या निवारण पखवाड़ा" के तहत जिले के सभी प्रखंडों के 118 पंचायतों में 17 अप्रैल शुक्रवार को सघन निरीक्षण अभियान चलाया गया। निरीक्षण के दौरान कई खराब चापाकलों को मौके पर ही दुरुस्त किया गया। साथ ही पंचायत स्तर पर बैठकों के जरिए पेयजल समस्याओं पर चर्चा कर समाधान के लिए प्रस्ताव भी पारित किए गए। यह अभियान 9 अप्रैल से 18 अप्रैल तक चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य गर्मी में पेयजल संकट का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

बंगाल चुनाव में जामताड़ा का बढ़ा कद
बिनोद क्षत्रिय बने बेलियाघाटा के प्रभारी, जताया आभार

जामताड़ा । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी ने संगठन को धार देने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए जामताड़ा के बिनोद कुमार क्षत्रिय को नॉर्थ कोलकाता के बेलियाघाटा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया है। इस जिम्मेदारी को लेकर उन्होंने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है। बिनोद कुमार क्षत्रिय ने कहा कि एक सामान्य कार्यकर्ता पर पार्टी द्वारा भरोसा जताना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करते हुए इस चुनाव में कांग्रेस को मजबूती दिलाने के लिए कार्य करेंगे। उन्होंने विशेष रूप से राहुल गांधी, डॉ इरफान अंसारी, उदय भानु चिब,मनीष शर्मा तथा एहसान अहमद खान,के प्रति आभार जताया। उन्होंनेकहाकिपार्टीनेतृत्वद्वारासौंपीगईजिम्मेदारीपरखराउतरनेकाहरसंभवप्रयास किया जाएगा और जमीनी स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत किया जाएगा।

भाजपा द्वारा बिजली बिल बढ़ाये जाने को लेकर विरोध प्रदर्शन

पाकुड़ : राज्य में एक अप्रैल से राज्य सरकार द्वारा बिजली दर बढ़ाने के विरोध में में शुक्रवार को बिजली कार्यालय के बाहर भारतीय जनता पार्टी ने धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष सरीता मुर्मू ने किया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार जनता को 200 यूनिट बिजली फ्री देने के नाम पर छलावा कर रही है, जिससे राज्य की जनता अपने आप को ठगा महसूस कर रही है। बिजली दर में भारी वृद्धि कर जनता को लूटने का काम किया जा रहा है। इतना ही नहीं गर्मी पड़ते ही बिजली की आंख मिचौली भी शुरू हो गई है। शहर से लेकर गांव तक खराब पड़े बिजली ट्रांसफार्मर को सालों तक बदला नहीं जाता है। दूसरी तरफ स्मार्ट मीटर लगाकर जनता को परेशान किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए बिजली बिल में प्रति यूनिट 50 पैसे और शहरी घरेलू, उपभोक्ताओं के लिए 55 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि से आम उपभोक्ताओं को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया है। उद्योग धंधा और कृषि कार्य भी बिजली दर में वृद्धि से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। किसानों की कमर टूट गई है। यह विरोध प्रदर्शन राज्य सरकार को त्राहिमाम संदेश भी है और चेतावनी भी। अगर राज्य सरकार इस जन विरोधी फैसले को वापस नहीं लेती है तो भाजपा इस आंदोलन को और व्यापक करेगी। ऐसे हालात में आंदोलन के लिए पूरी तरह से राज्य सरकार जिम्मेवार होगी। मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष अमृत पांडे, अनुग्राहित साहा, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष बाबूधन मुर्मू, दुर्गा मरांडी, धर्मेंद्र त्रिवेदी, पंकज साहा के अलावा अन्य मौजूद थे।

उपायुक्त ने उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनीं, अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए

जनता की समस्याओं को सुनना व समस्याओं का समय पर समाधान करना प्रशासन की जिम्मेदारी हैः उपायुक्त

गिरिडीह । जिला उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने आज अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए आम नागरिक उपस्थित हुए और अपनी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं । उपायुक्त ने एक-एक कर उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनीं तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार शासन-प्रशासन व आम नागरिकों के बीच संवाद का माध्यम है। इससे ना केवल लोगों की समस्याओं का प्रत्यक्ष समाधान होता है, बल्कि जनता का विश्वास भी प्रशासनिक व्यवस्था में मजबूत होता है। जनता की समस्याओं को सुनना व समस्याओं का समय पर समाधान करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। जनता दरबार कार्यक्रम के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु अपनी प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ किया गया तथा यह संदेश दिया गया कि जनता की शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता दरबार में लगभग 50 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें बिजली विपत्र, भूमि विवाद, पेंशन, पारिवारिक कलह, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, आवास, राशन कार्ड और जनसुविधा से संबंधित विषय प्रमुख रहें। उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता व त्वरित कार्रवाई के साथ काम करें, ताकि जनता को अनावश्यक परेशान नहीं होना पड़े। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन मामलों में तत्काल समाधान संभव है, उनका निपटारा नियमानुसार ढंग से तुरंत किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है। इस दौरान उपायुक्त ने कई मामलों का ऑन द स्पॉट निराकरण किया।

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा किया गया डुमरी बिहार स्टेशन के यार्ड का निरीक्षण

धनबाद , मंडल रेल प्रबंधक , अखिलेश मिश्र द्वारा डुमरी बिहार स्टेशन के यार्ड का विस्तृत निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा यार्ड की परिचालन व्यवस्थाओं, संरक्षा मानकों तथा रखरखाव की स्थिति का जायजा लिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिया । इस अवसर पर धनबाद मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण मौजूद थे।

बाल विवाह को लेकर मंझलाडीह +2विद्यालय में जागरूकता अभियान, छात्रों ने लिया संकल्प

जामताड़ा फतेहपुर प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय, मंझलाडीह में बाल विवाह उन्मूलन को लेकर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को इस सामाजिक कुरीति के दुष्परिणामों से अवगत कराना था। कार्यक्रम में खुशबू कुमारी ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास पर नकारात्मक असर डालता है। उन्होंने विद्यार्थियों को बाल विवाह न करने और इसे रोकने का संकल्प दिलाया। इस दौरान छात्रों और शिक्षकों ने सामूहिक रूप से बाल विवाह मुक्त समाज बनाने की शपथ ली। साथ ही टोल फ्री हेल्पलाइन और प्रशासन को सूचना देकर ऐसे मामलों को रोकने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में शिक्षक संजय कुमार मांझी, श्यामल मंडल, विशंभर मंडल, रविंद्र कुमार मंडल सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

तालीम और इत्तेहाद से ही बदलेगा हालात'' मौलाना अब्दुर रकीब रहमानी का पसमांदा समाज को सशक्त संदेश

जामताड़ा:साहिबाबाद स्थित मदरसा अनवार ए शराफ़त, गरिमा गार्डन की जामा मस्जिद में जुमा की नमाज के मौके पर एक बेहद असरदार और विचारोत्तेजक तकरीर पेश की गई। तकरीर मौलाना अब्दुल रकीब रहमानी राष्ट्रीय प्रवक्ता ऑल इंडिया पास मंदा Maulana Abdur उलेमा बोर्ड द्वारा दी गई, जिसका विषय था "पसमांदगी से निकलने के रास्ते"। मौलाना रहमानी ने अपने संबोधन में पसमांदा समाज की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि पसमांदगी केवल आर्थिक कमजोरी नहीं, बल्कि तालीम, रोजगार, सामाजिक पहचान और हक़ की आवाज से दूरी का परिणाम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक समाज खुद बदलाव का इरादा नहीं करेगा, तब तक हालात नहीं बदलेंगे। उन्होंने पसमांदगी की प्रमुख वजहों में शिक्षा से दूरी, आपसी मतभेद, सियासी जागरूकता की कमी और आर्थिक पिछड़ेपन को जिम्मेदार बताया। कुरान की पहली वह्यी "इक़रा" (पढ़ो) का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि इल्म ही तरक्की की असली कुंजी है। मौलाना ने इस्लाम के मूल सिद्धांतों को याद दिलाते हुए कहा कि इस धर्म में बराबरी और इंसाफ का संदेश है, और समाज में जो भी पिछड़ापन है, वह हमारे अपने अमल का नतीजा है, न कि दीन की शिक्षाओं का। उन्होंने पसमांदगी से उबरने के लिए ठोस सुझाव देते हुए कहा हर घर से कम से कम एक बच्चे को उच्च शिक्षा दिलाने पर जोर दिया। खासतौर पर बेटियों की शिक्षा को बेहद जरूरी बताते हुए कहा कि इसे नजरअंदाज करना समाज के भविष्य के साथ अन्याय है। नौजवानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे मोबाइल और सोशल मीडिया में समय गंवाने के बजाय शिक्षा, हुनर और आत्मनिर्भरता पर ध्यान दें। छोटे व्यवसाय, तकनीकी कौशल और स्वरोजगार अपनाने की भी अपील की। सामाजिक एकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि बिरादरी और जाति के नाम पर बंटा समाज कभी तरक्की नहीं कर सकता। "मैं" की सोच छोड़कर "हम" की भावना अपनाने की जरूरत है। साथ ही उन्होंने दहेज, फिजूलखर्ची जैसी सामाजिक बुराइयों को खत्म करने और सादगीपूर्ण जीवन अपनाने का आह्वान किया। अंत में मौलाना रहमानी ने दुआ करते हुए अल्लाह से समाज में इल्म, एकता और सही राह पर चलने की तौफीक देने की प्रार्थना की।यह तकरीर धार्मिक के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता का मजबूत संदेश बनकर सामने आई, जिसने नमाजियों के दिलों पर गहरा असर छोड़ा।

अग्निशमन सेवा सप्ताह के तहत समाहरणालय परिसर में मॉक ड्रिल का आयोजन

ऐसी मॉक ड्रिल से न केवल अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैयारियों का मूल्यांकन होता है, बल्कि वास्तविक आपदा की स्थिति में जान-माल की क्षति को कम करने में भी सहायता मिलती हैः- उपायुक्त

गिरिडीह अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर आज समाहरणालय परिसर में पूर्वाह्न 11:30 बजे से एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आग जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की तैयारियों का आकलन करना तथा अधिकारियों एवं कर्मियों को आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक एवं प्रशिक्षित करना था। मौके पर उप विकास आयुक्त, श्रीमती स्मृता कुमारी, अपर समाहर्ता, श्री विजय सिंह बिरूआ, डीआरडीए निदेशक, श्री रंथु महतो, जिला नजारत उप समाहर्ता, श्री आशुतोष ठाकुर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, श्रीमती अंजना भारती, जिला भू अर्जन पदाधिकारी, श्रीमती नीतू कुमारी, समेत समाहरणालय के अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने स्वयं मॉक ड्रिल में भाग लेते हुए पूरी प्रक्रिया को बारीकी से समझा और विभिन्न चरणों का अवलोकन किया। उन्होंने अग्निशमन दल द्वारा प्रदर्शित त्वरित प्रतिक्रिया, समन्वय और तकनीकी दक्षता की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसी मॉक ड्रिल से न केवल अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैयारियों का मूल्यांकन होता है, बल्कि वास्तविक आपदा की स्थिति में जान-माल की क्षति को कम करने में भी सहायता मिलती है। मॉक ड्रिल के दौरान एक काल्पनिक अग्निकांड की स्थिति उत्पन्न की गई। मॉक ड्रिल के दौरान समाहरणालय पोर्टिको के पास एक बड़े ट्रे में पेट्रोल डालकर नियंत्रित तरीके से आग लगाई गई, जिसके माध्यम से आग लगने की स्थिति का वास्तविक प्रदर्शन किया गया। इसके बाद उपायुक्त और अग्निशमन दल ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर निर्धारित मानकों के अनुरूप आग बुझाने की पूरी प्रक्रिया का सफल प्रदर्शन किया। अग्निशमन यंत्रों के उपयोग से आग पर शीघ्र काबू पाने का अभ्यास कराया गया। इस दौरान आग पर नियंत्रण पाने की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें फायर एक्सटिंग्विशर का सही उपयोग, पानी एवं अन्य अग्निशमन उपकरणों के माध्यम से आग बुझाने के तरीके शामिल थे। उपायुक्त ने सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने कार्यालयों में अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता और उनकी कार्यशील स्थिति की नियमित जांच सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आग से बचाव के लिए पूर्व तैयारी ही सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक कार्यालय में आपातकालीन निकासी योजना (इमरजेंसी एग्जिट प्लान) स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होनी चाहिए, ताकि संकट की स्थिति में सभी लोग सुरक्षित बाहर निकल सकें। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों ने मॉक ड्रिल के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इसके अलावा अग्निशमन पदाधिकारी, श्री रवि रंजन सिंह ने सभी से अपील किया कि वे अपने घरों एवं कार्यस्थलों पर अग्नि सुरक्षा के उपायों को अपनाएं तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचें।

जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा को लेकर जिले में निषेधाज्ञा लागू

19 अप्रैल को 15 केंद्रों पर दो पालियों में होगी परीक्षा, प्रशासन पूरी तरह अलर्ट

पाकुड़ः झारखंड लोक सेवा आयोग, रांची एवं उपायुक्त, पाकुड़ के आदेश के आलोक में झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा- 2025 का आयोजन दिनांक 19 अप्रैल 2026 को जिले के 15 परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी—प्रथम पाली पूर्वाह्न 10:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 03:00 बजे से 05:00 बजे तक। परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारी की गई है। सभी परीक्षा केंद्रों पर दण्डाधिकारी, उड़नदस्ता, गश्ती दल, जोनल दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पर्याप्त पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है।**200 मीटर परिधि में लागू रहेगी निषेधाज्ञा** : अनुमंडल दण्डाधिकारी, पाकुड़ साईमन मरांडी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा- 163 के तहत परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर की परिधि में दिनांक 19 अप्रैल को परीक्षा प्रारंभ से एक घंटा पूर्व से संध्या 06:00 बजे तक निषेधाज्ञा लागू की गई है। **इन गतिविधियों पर रहेगी रोक** :निषेधाज्ञा के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगी-पांच या अधिक व्यक्तियों का एक स्थान पर एकत्रित होना, भीड़ लगाना या भ्रमण करना।किसी भी प्रकार के हथियार (आग्नेयास्त्र, लाठी, डंडा, तीर-धनुष आदि) लेकर चलना या प्रदर्शन करना।जुलूस, रैली, सभा,धरना या प्रदर्शन का आयोजन करना। परीक्षा से असंबंधित व्यक्तियों का केंद्र परिसर में प्रवेश परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की अनुचित सहायता प्रदान करना। **इनको मिलेगी छूट** : परीक्षार्थी, परीक्षा कार्य में संलग्न पदाधिकारी/कर्मी, दण्डाधिकारी एवं प्रतिनियुक्त पुलिस बल को इस निषेधाज्ञा से छूट प्रदान की गई है। **उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई** :निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता की धारा-223 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों एवं आमजनों से सहयोग की अपील करते हुए परीक्षा को स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने का आग्रह किया है।

बेहतर कानून व्यवस्था एवं विधि संधारण हेतु मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन

पाकुड़ः पाकुड़ में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के निष्पादन और जनसुरक्षा से जुड़े कई अहम निर्देश जारी किए गए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मार्च माह में दर्ज 106 मामलों के मुकाबले 110 मामलों का निष्पादन किया गया है, जो बेहतर प्रदर्शन का संकेत है। वहीं शेष लंबित मामलों की समीक्षा कर उन्हें जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश सभी थाना और ओपी प्रभारियों को दिए गए। चोरी, गृहभेदन और छिनतई जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए रात्रि गश्ती और टाइगर मोबाइल को और सक्रिय करने को कहा गया है। साथ ही अवैध कोयला, पत्थर और बालू के उत्खनन व परिवहन पर सख्ती बरतते हुए जिला खनन टास्क फोर्स के साथ नियमित छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। सामाजिक अपराधों की रोकथाम के लिए बाल विवाह, नशामुक्ति, मानव तस्करी, साइबर अपराध और महिला अत्याचार जैसे विषयों पर स्कूल-कॉलेजों में हर महीने जागरूकता अभियान चलाने का आदेश दिया गया।बढ़ते सड़क हादसों पर नियंत्रण के लिए परिवहन विभाग के साथ समन्वय बनाकर नियमित वाहन जांच अभियान चलाने, हेलमेट, सीटबेल्ट, रजिस्ट्रेशन और इंश्योरेंस की सख्ती से जांच करने तथा ड्रंक एंड ड्राइव के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। पिछले पांच वर्षों के संगीन मामलों में दोषी अपराधियों को दागी पंजी, आरोपितों को निगरानी पंजी और असामाजिक तत्वों को गुंडा पंजी में दर्ज कर लगातार नजर रखने को कहा गया है। वहीं न्यायालय में लंबित मामलों में समय पर गवाही और दस्तावेज प्रस्तुत करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में आम लोगों के साथ बेहतर व्यवहार करने और शिकायतों का त्वरित व विधिसम्मत समाधान करने का निर्देश दिया गया।आगामी JPSC और अन्य परीक्षाओं को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने को कहा गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों को e-Sakshya App का प्रशिक्षण भी दिया गया और इसके संचालन में आ रही समस्याओं का समाधान किया गया। बैठक के अंत में महेशपुर, पाकुड़िया, मुफस्सिल, हिरणपुर, लिट्टीपाड़ा, मालपहाड़ी ओपी और सिमलोंग ओपी के थाना प्रभारियों को जून 2025 से अब तक वारंट निष्पादन में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जामताड़ा प्रखंड सभागार में जन वितरण विक्रेताओं की समीक्षा बैठक, शत-प्रतिशत राशन वितरण का निर्देश

जामताड़ापूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत जामताड़ा प्रखंड सभागार में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रविंद्र सोरेन की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक आयोजित किया गया। बैठक में प्रखंड एवं नगर पंचायत के जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों उपस्थित हुए। बैठक में राशन वितरण व्यवस्था, लंबित प्रतिवेदन, खाद्यान्न उठाव तथा लाभुकों को समय पर अनाज उपलब्ध कराने समेत कई बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान पूर्व में दिए गए कार्यों से संबंधित प्रतिवेदन कार्यालय में जमा किए गए, जिसकी गहन समीक्षा की गई। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने सभी दुकानदारों को निर्देश दिया कि राशन कार्ड से जुड़े प्रतिवेदन हैं, उन्हें अविलंब कार्यालय में जमा करें। इसके अलावा केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न मानकों के आधार पर कार्डधारियों के सत्यापन एवं निष्पादन से संबंधित रिपोर्ट जल्द जमा करने का निर्देश दिया । इनमें कार्य निष्पादन संकेतक, करदाता विवरण, वस्तु एवं सेवा कर, वाहन स्वामित्व, कंपनी निदेशक विवरण, आयु प्रमाण, आधार स्थिति, दोहरे राशन कार्ड तथा निष्क्रिय राशन कार्ड संबंधी आंकड़े शामिल हैं। आपूर्ति पदाधिकारी ने खाद्यान्न के नियमित उठाव और समय पर वितरण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि लाभुकों को हर हाल में समय पर अनाज उपलब्ध कराया जाए एवं वितरण प्रतिशतलक्ष्य के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राशन वितरण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान जन वितरण दुकानदारों ने वितरण कार्य में आ रही तकनीकी और व्यावहारिक समस्याओं को पदाधिकारी के समक्ष रखा। दुकानदार संघ की ओर से बकाया कमीशन भुगतान, की मांग प्रमुखता से उठाई गई। दुकानदारों ने कहा कि लंबे समय से कमीशन भुगतान लंबित रहने के कारण उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में दुकानदार संघ के मीडिया प्रभारी देव कुमार साव, महेन्द्र यादव,सोहन राम, विनय भगत, कृष्णा मुर्मू, , पांडव यादव,नेरश जैन, दीपिका दास, कृष्णा घोषाल, श्याम पासवान, अरुण साहू, शंभू रविदास, दीपू गुप्ता, कमल पंडित, सचिन सेन, सहित काफी संख्या में जनवितरन विक्रेता उपस्थित थे।

धनबाद स्टेशन पर चलाया गया मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान

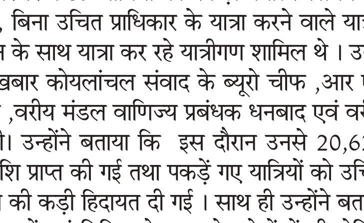

धनबाद, धनबाद मंडल में बड़े पैमाने पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है । इसी क्रम में सुनियोजित कार्यक्रम के तहत धनबाद रेलवे मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में शुक्रवार को धनबाद स्टेशन पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 69 यात्रियों को पकड़ा गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे । उक्त जानकारी हिंदी दैनिक अखबार कोयलांचल संवाद के ब्यूरो चीफ ,आर एन चौरसिया को मनीष सौरभ ,वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक धनबाद एवं वरीय जनसंपर्क अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान उनसे 20,625 रूपए जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़े गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई । साथ ही उन्होंने बताया कि चेकिंग टीमें द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल,एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया । टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई । उन्होंने कहा धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा।आगे उन्होंने धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह दी। यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने की बात भी कही ।

झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा,सीधी भर्ती, प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा में

मोबाइल, स्मार्ट वॉच सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने पर प्रतिबंध

प्रवेश और निकास के लिए सिंगल गेट सिस्टम

सभी परीक्षा केन्द्रों व स्ट्रांग रूम के पास मीडिया का प्रवेश वर्जित

कदाचार करने पर परीक्षार्थी पर होगी एफआईआर

धनबाद , रविवार, 19 अप्रैल 2026, को जिले के 46 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा - 2025 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त संपन्न कराने के लिए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी , आदित्य रंजन ने आज न्यू टाउन हॉल में सभी दंडाधिकारी तथा पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया । इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि पूर्व में आयोजित परीक्षाओं की तरह इस परीक्षा को भी शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त संपन्न कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्र के 100 मीटर की परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी। इसलिए किसी भी परीक्षा केंद्र के आसपास भीड़ नहीं होनी चाहिए। आगे उन्होंने सभी दंडाधिकारियों को उनके साथ टैग पुलिस पदाधिकारी के साथ समन्वय बनाने, परीक्षा के दौरान कोई समस्या आने पर वरीय पदाधिकारियों को सूचित करने, परीक्षा केंद्र पर कोई अव्यवस्था उत्पन्न नहीं होने देने, अपने दायित्व का अच्छे से निर्वहन करने का निर्देश दिया। वहीं अधिक दूरी वाले 10 सेंटर को सबसे पहले ट्रेजरी आकर प्रश्न पत्र प्राप्त करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि परीक्षा केन्द्रों में प्रवेश एवं निकास के लिए सिंगल गेट सिस्टम की व्यवस्था रहेगी। प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की सघन जाँच, पहचान सत्यापन, अनुशासित आवागमन तथा सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखेंगे। उन्होंने कहा कि कोई भी परीक्षार्थी, परीक्षक या परीक्षा में लगा अन्य कोई व्यक्ति, परीक्षा केन्द्र पर किसी भी प्रकार के अनुचित साधनों या उपकरणों का प्रयोग नहीं करेगा। परीक्षा केन्द्र पर मोबाईल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस, घड़ी, कैलकुलेटर, पेजर, चिप, कम्प्यूटर को प्रभावित करने वाला कोई उपकरण सहित किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना निषिद्ध होगा। अभ्यर्थी केवल लेखन सामग्री लेकर ही प्रवेश करेंगे। प्रवेश के दौरान उनके ओरिजिनल फोटो युक्त पहचान पत्र के साथ मिलान करके बायोमेट्रिक अटेंडेंस लेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान कदाचार करने पर परीक्षार्थी पर संबंधित थाना में एफआईआर दर्ज की जाएगी। वहीं भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318, 303 तथा 324 एवं झारखंड प्रतियोगिता परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय) अधिनियम, 2023 के संगत धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।परीक्षा के अवसर पर सभी परीक्षा केन्द्रों तथा स्ट्रांग रूम परिसर के पास किसी भी मीडिया प्रतिनिधि, पत्रकार, छायाकार अथवा अन्य मीडिया कर्मियों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित एवं वर्जित रहेगा। किसी भी परिस्थिति में उन्हें परीक्षा केन्द्र परिसर, नियंत्रण कक्ष, प्रश्नपत्र भंडारण स्थल, उत्तरपुस्तिका संधारण कक्ष अथवा स्ट्रांग के पास जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस अवसर पर ग्रामीण एसपी , कपिल चौधरी ने सभी को कंट्रोल रूम एवं निकटतम पुलिस थाना का नंबर अपने पास रखने का अनुरोध किया। कहा कि किसी प्रकार की समस्या आने पर त्वरित इसकी सूचना कंट्रोल रूम या संबंधित थाना को दें। वहीं सिटी एसपी , ऋत्विक श्रीवास्तव ने सभी पुलिस पदाधिकारियों को परीक्षा के दौरान सतर्क रहने एवं सुरक्षा में कोई चूक नहीं होने देने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी को परीक्षा से पहले केंद्र का भ्रमण करने, आज एवं कल रात जिले में सघन चेकिंग अभियान चलाने तथा परीक्षार्थी का फोटो युक्त पहचान पत्र से चेहरे का अच्छे से मिलान कर लेने का निर्देश दिया।अनुमंडल दंडाधिकारी , लोकेश बारंगे परीक्षा केंद्र में रूम नंबर, सीटिंग प्लान, पानी, पर्याप्त रोशनी, पंखे, पार्किंग इत्यादि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्रीमती हेमा प्रसाद ने परीक्षा से संबंधित समय सारणी, कक्षावार सीटिंग प्लान, विभिन्न प्रपत्र को भरने, अभ्यर्थियों का प्रवेश एवं निकास, दंडाधिकारियों का कर्तव्य, फ्लाइंग स्क्वाड एवं पुलिस पदाधिकारी का दायित्व, प्रश्न पत्रों का वितरण, गश्ती व्यवस्था सहित अन्य विषयों पर दिशा निर्देश दिए। झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा - 2025 रविवार, 19 अप्रैल 2026, को जिले के 46 सेंटर पर संचालित की जाएगी। परीक्षा के दौरान अनुमंडल दंडाधिकारी तथा डीएसपी सीसीआर , सुमित कुमार के नेतृत्व में जिला नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा। जिला नियंत्रण कक्ष का नंबर 0326 - 2311807 तथा 112 रहेगा। परीक्षा दो शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। प्रथम शिफ्ट सुबह 10 बजे से दोपहर 12 तक तथा दूसरी शिफ्ट दोपहर 3 से संध्या 5 बजे तक रहेगी। परीक्षा में लगभग 17 हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे। बैठक के दौरान अभ्यर्थियों का सिटिंग अरेंजमेंट, प्रश्न पत्रों का वितरण, उत्तर पुस्तिका जमा करने, सीलिंग, सीसीटीवी अधिष्ठापन, ओएमआर शीट सहित आयोग के अन्य दिशा निर्देशों से सभी को अवगत कराया गया।मौके पर अपर नगर आयुक्त , कमलेश्वर नारायण, निदेशक डीआरडीबी, राजीव रंजन, पंचायती राज पदाधिकारी , मुकेश कुमार बाउरी, जिला शिक्षा पदाधिकारी , अभिषेक झा, ट्रेजरी ऑफिसर , पंकज कुमार, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर , नौशाद आलम, घनश्याम दुबे के अलावा अन्य प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारी एवं सभी दंडाधिकारी मौजूद थे।

गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल में अग्नि सुरक्षा और अग्नि निवारण विषय पर एक दिवसीय मॉक ड्रिल और जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

धनबाद, अग्निशमन सेवा सप्ताह,के तहत शुक्रवार को बैंक मोड़ स्थित गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, धनबाद के परिसर में ''अग्नि सुरक्षा एवं अग्नि निवारण" विषय पर एक दिवसीय मॉक ड्रिल एवं जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता और प्रशिक्षक के रूप में अग्निशमन विभाग के अनुभवी अधिकारी उपस्थित रहे। जिसमें सुदामा पासवान, अग्निशमन अधिकारी, मो० फरीद ,सहायक अग्निशमन अधिकारी,मौजूद रहे।

अग्निशमन अधिकारियों द्वारा छात्रों और कर्मचारियों को आग से बचाव के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। जिसमें मुख्य रूप से आपातकालीन निकासी, आग लगने की स्थिति में बिना भगदड़ मचाए सुरक्षित तरीके से भवन से बाहर निकलने के तरीके बतलाए गए।

कार्यक्रम के दौरान उपकरणों का प्रयोग,''फायर एक्सटिंगुइशर" को चलाने की सही तकनीक का भी प्रदर्शन किया गया । साथ ही शॉर्ट सर्किट या गैस रिसाव जैसी स्थितियों से बचने के लिए सावधानियो के बारे में जानकारी दी गई । इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य , सुदीप कुमार ठाकुर ने अग्नि सुरक्षा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसी ड्रिल से बच्चों में आत्मविश्वास और आपातकालीन स्थितियों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं से अवगत हुए उपायुक्त समस्याओं के निष्पादन हेतु अधिकारियों को दिए निर्देश

धनबाद , उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी , आदित्य रंजन द्वारा कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को सुना एवं अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों का जल्द से जल्द जाँच कराते हुए उचित समाधान कराया जाएगा। जनता दरबार में जमाबंदी रद्द करने, ग़ैराबद सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने, भूमि को एनजीडीआरएस से मुक्त करने, आपसी पारिवारिक विवाद, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, मंईया सम्मान योजना, होमगार्ड बहाली, म्यूटेशन, रैयत तथा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा, आपसी विवाद, मारपीट, धमकी, आर्म्स लाइसेंस, छात्रवृत्ति केंद्रीय विद्यालय में नामांकन, समेत कई अन्य शिकायतें तथा आवेदन प्राप्त हुई। उपायुक्त ने लोगों को पूर्ण भरोसा दिलाया कि आपकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन विधि सम्मत आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा।

उपायुक्त ने छात्रों को पढने की आदत विकसित करने के लिए किया प्रेरित

धनबाद , उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी , आदित्य रंजन ने शुक्रवार को बीआईटी सिंदरी में ई-समिट '26 का बतौर मुख्य अतिथि दीप प्रज्वलित व फीता काट कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्रों को जिज्ञासु बने रहने और पढने की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मशीन लर्निंग और आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस के बढते महत्व पर जोर देते हुए छात्रों को नई तकनीकों के साथ अपडेट रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि निरंतर प्रयास और सीखने की प्रक्रिया, अपनी जडों को सींचना, ही सफलता का सच्चा मार्ग है। वहीं संयोजक डॉ० प्रकाश कुमार ने ई-समिट के आयोजन पर कहा कि यह केवल प्रतियोगिता नहीं बल्कि सीखने, नवाचार और विकाश का एक मंच है। निदेशक डॉ, पंकज राय ने कहा कि ई-समिट पारंपरिक शिक्षा से आगे बढकर छात्रों को व्यवहारिक अनुभव, ज्ञान और प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण प्रदान करता है। मुख्य संरक्षक प्रो, डॉ, डीके सिंह ने उद्यमिता और समाज के संबंध में महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि बिचौलिए जनजातीय उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच दूरी पैदा करते हैं। उद्यमिता इस अंतर को समाप्त कर सकती है। उन्होंने शिक्षा प्रणाली में हो रहे बदलाव व तकनीकी की चर्चा की। उन्होंने असफलता पर छात्रों को प्रेरित करते हुए स्वामी विवेकानंद के कथन उद्धृत करते हुए कहा कि उठो, जागो और तबतक मत रुको जबतक लक्ष्य प्राप्त ना हो जाए।संस्थान के इनोवेशन काउंसिल द्वारा आयोजित इस तीन दिवसीय समिट में देशभर के छात्र, नवप्रवर्तक और विभिन्न संस्थानों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।

ई-समिट '26 में 150 से अधिक संस्थानो की भागीदारी, एक हजार से अधिक प्रतिभागियों के आने की संभावना है। उद्घाटन समारोह में उडान फेलोशिप, बीइंग एन एंटरप्रेन्योर, विल्ड एक्स एक्सपो कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। समारोह का समापन आयोजन सचिव डॉ, एससी दत्ता के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

लू एवं गर्म हवाओं से बचाव

गर्म हवाओं के कारण स्वास्थ्य पर मौसम का दुष्प्रभाव :

- शरीर में पानी की कमी
- उल्टी, तेज बुखार
- कमजोरी, सिर दर्द, चक्कर आना
- हृदयाघात, मस्तिष्काघात
- कार्डियोवैस्कुलर जटिलता आदि लक्षण

ओ.आर.एस घोल बनाने की विधि एवं उपयोग

- साफ बर्तन में एक लीटर पानी (साधारण ग्लास से पाँच ग्लास) में ओ.आर.एस. का एक पूरा पैकेट घोल दें
- तैयार किए गए ओ.आर.एस. के घोल को कुछ-कुछ अंतराल पर चम्मच से लू प्रभावित व्यक्ति को देते रहें
- बनाए गए ओ.आर.एस. घोल को 24 घंटे के बाद उपयोग न करें

इनका नियमित सेवन करें :-

नमक-चीनी का घोल
छाछ
नींबू-पानी
आम का शर्बत
लस्सी
तरबूज
खरबूजा
खीरा
ककड़ी

ओ.आर.एस. का पैकेट निकटतम सरकारी अस्पताल/ स्वास्थ्य उपकेन्द्र/ सहिया के पास निःशुल्क उपलब्ध है

- गर्मी में हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए ज्यादा पानी पीएं।
- घर से बाहर निकलें, तो खुद को कवर करके ही निकलें।
- लू लगे व्यक्ति को छाँव में लिटा दें, अगर उनके शरीर के कपड़े तंग हों तो उसे ढीला कर दें अथवा हटा दें।
- ठंडे गीले कपड़े से शरीर पोछें या ठंडे पानी से नहलाएं।
- लू लगे व्यक्ति की हालत में एक घंटे तक सुधार न हो, तो उसे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में ले जाएं।

तेज धूप और लू का शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।सावधानियाँ ही बचाव

हल्के रंग के ढीले ढाले सूती कपड़े पहनें
धूप का चश्मा इस्तेमाल करें
सम्भव हो,तो तौलिया/गमछा रखें
जूते/चप्पल पहनें

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड
स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार

स्वस्थ झारखण्ड सुखी झारखण्ड

National Program on Climate Change and Human Health (NPCCHH)

झारखण्ड सरकार
104
चिकित्सा सलाह
24x7 Health Information Helpline

स्वास्थ्य संबंधी किसी भी जानकारी\ शिकायत हेतु 24/7 निःशुल्क राज्य हेल्पलाईन नंबर 104 (टॉल फ्री) पर कॉल करें

PR NO. 377740 (Health Med Edu and Family Welfare) 26-27

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।